हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 03, अंकः-267, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, शुक्रवार 13 मार्च 2026

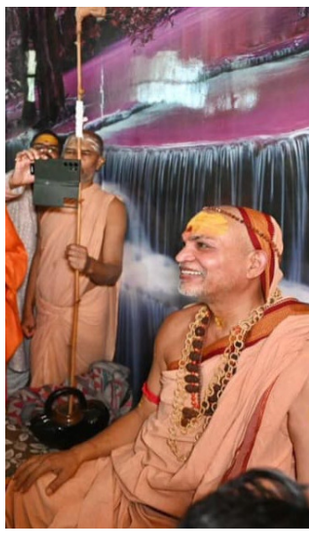

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से फिर चर्चा में समान नागरिक...02

श्रीमती लक्ष्मी देवी जिंदल वेलफेयर ट्रस्ट ने 52 जोड़ों का...06

सेंसेक्स 829 अंक गिरकर 76,034 पर बंद

अब छोटे बच्चे भी चला सकेंगे वॉट्सएप

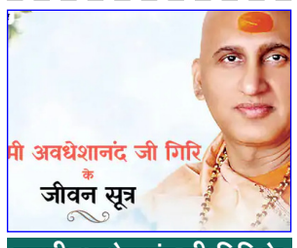

स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र

देश के किसी भी पेट्रोल पंप पर तेल खत्म नहीं

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा, घबराने की जरूरत नहीं

राज्य सरकारों को दिए गए अहम निर्देश

सरकार ने राज्य सरकारों से भी कहा है कि जरूरतमंद उपभोक्ताओं की सूची तैयार करें ताकि घरेलू और कमर्शियल सिलिंडर की डिलीवरी प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जा सके। कुल मिलाकर सरकार का कहना है कि मौजूदा वैश्विक हालात के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की सप्लाई पूरी तरह नियंत्रण में है।

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच भारत में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की सप्लाई को लेकर सरकार ने बड़ी राहत भरी जानकारी दी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने कहा कि देश में कच्चे तेल की उपलब्धता फिलहाल पूरी तरह सामान्य और आरामदायक स्थिति में है और किसी भी पेट्रोल पंप पर ईंधन खत्म होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि भारत हर दिन लगभग 55 लाख बैरल कच्चे तेल का इस्तेमाल करता है और देश दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रिफाइनर है। इसी वजह से पेट्रोल और डीजल जैसे उत्पादों की उपलब्धता को लेकर सरकार को भरोसा है कि आम लोगों को किसी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। देशभर में करीब एक लाख पेट्रोल पंप काम कर रहे हैं और इनमें से अधिकांश सरकारी तेल कंपनियों के हैं। मंत्रालय के मुताबिक किसी भी पंप पर ड्राई आउट यानी तेल खत्म होने की स्थिति नहीं आई है। एलपीजी को लेकर भी सरकार ने विशेष कदम उठाए हैं। 9 मार्च को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आदेश जारी कर सभी रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे।

> देश में कच्चे तेल की उपलब्धता फिलहाल पूरी तरह सामान्य और आरामदायक स्थिति में है। देशभर में करीब एक लाख पेट्रोल पंप काम कर रहे हैं और इनमें से अधिकांश सरकारी तेल कंपनियों के हैं। किसी भी पंप पर तेल खत्म होने की स्थिति नहीं आई है।
>
> - पेट्रोलियम मंत्रालय का बयान

इसके बाद घरेलू उत्पादन बढ़कर 28 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो पहले करीब 25 प्रतिशत था। सरकार का कहना है कि इससे घरेलू गैस की उपलब्धता और बेहतर होगी। सुजाता शर्मा ने यह भी बताया कि भारत अपनी एलपीजी जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है और इसमें से करीब 90 प्रतिशत सप्लाई होर्मुज जलडमरूमध्य से आती है। मौजूदा हालात को देखते हुए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति जरूर है, लेकिन सरकार लगातार कोशिश कर रही है कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस की सप्लाई प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि देश में रोजाना करीब 50 लाख एलपीजी सिलिंडर की डिलीवरी की जाती है। हालांकि हाल के दिनों में घबराहट के कारण सिलेंडर बुकिंग में अचानक काफी बढ़ोतरी देखी गई है। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि घबराकर अतिरिक्त बुकिंग न करें, क्योंकि फिलहाल सप्लाई में कोई कमी नहीं है।

गैस की किल्लत, 900 वाला सिलेंडर 1800 में मिल रहा

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। सिलेंडर की कालाबाजारी भी हो रही है। बिहार के कई शहरों में 1000 रुपए वाले घरेलू सिलेंडर के लिए 1800 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। वहीं मध्य प्रदेश में 1900 का कॉमर्शियल सिलेंडर 4000 में बिक रहा है। उधर, कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक से होटलों और रेस्टोरेंट्स ने इंडक्शन पर खाना बनाना शुरू कर दिया है। इससे बाजार में इंडक्शन की डिमांड भी बढ़ गई है। जयपुर के जयंती बाजार, एसोसिएशन के अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने बताया कि जयपुर में महीने के 2500 से 3000 इंडक्शन बिकते थे। इनकी डिमांड अब 50 प्रतिशत तक बढ गई है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ससंद में बताया कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को एक सिलेंडर लेने के बाद अगला सिलेंडर 45 दिन बाद ही मिलेगा। अभी मध्य प्रदेश में कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1,910 रुपए है, लेकिन भास्कर इस्वेस्टिगेशन में सामने आया कि भोपाल के बरखेड़ा पठानी में गैस एजेंसी पर खुलेआम इसे 4 हजार में बेचा जा रहा है।

सदन में मर्यादाओं को बनाये रखने के लिए हो सामूहिक संकल्प: बिरला

नयी दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि सदन नियम परंपराओं से चलता है तथा इसमें अच्छी परंपराओं एवं मर्यादाओं को बनाए रखने के लिए सामूहिक संकल्प लिया जाए और सामूहिक विचार-विमर्श हो। श्री बिरला अपने खिलाफ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव के लोकसभा में खारिज होने के बाद आज सदन में आये। उन्होंने कहा मैंने अपने नैतिक कर्तव्य का पालन करते हुए अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिए जाने के साथ ही लोकसभा की कार्यवाही के संचालन से खुद को अलग कर लिया था। सदन द्वारा मुझ पर व्यक्त किए गए विश्वास के लिए सभी का आभार व्यक्त करता हूं, इस विश्वास को अपनी जिम्मेदारी मानते हुए पूरी निष्ठा, निष्पक्षता और संवैधानिक मर्यादा के साथ निभाऊंगा। उन्होंने कहा, कि कुछ सदस्यों का मानना था कि नेता प्रतिपक्ष सदन से ऊपर हैं और किसी भी विषय पर बोल सकते हैं, लेकिन ऐसा विशेषाधिकार किसी को नहीं है और चाहे प्रधानमंत्री हों, मंत्री हों, विपक्ष के नेता हों या अन्य सदस्य, सभी को नियम के अनुसार ही बोलने का अधिकार है। ये नियम सदन ने ही बनाए हैं और मुझे विरासत में मिले हैं। उन्होंने कहा मैंने हमेशा यह प्रयास किया है कि लोकसभा में हर सदस्य नियमों के अनुसार अपने विचार रखें, इसके लिए सभी को समय देने का प्रयास किया है ताकि सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन, संतुलन और नियमों के साथ संचालित हो।

सीबीआई ने धोखाधड़ी मामले में 15 जगहों पर तलाशी ली

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पंजाब में 15 जगहों पर संगठित ऑनलाइन निवेश और पार्ट टाइम नौकरी से जुड़े एक धोखाधड़ी के मामले में तलाशी ली। ब्यूरो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह मामला भारत सरकार के गृह मंत्रालय के तहत इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई4सी) से मिली जानकारी के आधार पर दर्ज किया गया था। आरोप है कि एक संगठित आपराधिक गिरोह द्वारा चलाई जा रही धोखेबाज़ ऑनलाइन योजना के ज़रिए हज़ारों अनजान भारतीय नागरिकों से करोड़ों रुपये ठगे गए हैं। उन्होंने कहा, जांच से पता चला कि नेटवर्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, मोबाइल एप्लिकेशन और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग सर्विस का इस्तेमाल करके पीड़ितों को ऑनलाइन निवेश से ज़्यादा रिटर्न और पार्ट-टाइम नौकरी के मौकों का लालच दिया। पीड़ितों को शुरू में छोटी रकम जमा करने के लिए उकसाया गया और उनका भरोसा जीतने के लिए उन्हें नकली मुनाफ़ा दिखाया गया, जिसके बाद उन्हें बड़ी रकम निवेश करने के लिए मनाया गया। पैसे को छिपाने के लिए धोखाधड़ी वाले पैसे को कई म्यूल बैंक खातों के ज़रिए तेज़ी से स्थानांतरित कर दिया गया। जांच एजेंसी ने कहा कि बाद में अंतरराष्ट्रीय लेन देन के लिए डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करके ऑफशोर एटीएम से पैसे निकाले गए।

लोकसभा में बोले पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी

दुनिया ने कभी ऐसे हालात का सामना नहीं किया

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पश्चिम एशिया संकट के बाद देश में गैस की किल्लत के मुद्दे पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया के ऊर्जा इतिहास में शायद ही कभी ऐसा समय आया हो जैसा अभी पश्चिम एशिया के संकट के कारण देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति के लिए बेहद गंभीर मानी जा रही है। लोकसभा में मंत्री कहा कि मोदी सरकार की प्राथमिकता यह है कि भारत के 33 करोड़ परिवारों की रसोई में किसी भी प्रकार की (ईंधन की) कमी न हो। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने अपने बयान में कहा, होर्मुज से 20 प्रतिशत आवाजाही प्रभावित हुई है, 40 प्रतिशत कच्चा तेल दूसरे देश से आ रहा हैं। उन्होंने इस दौरान कहा कि हमारे पास पर्याप्त कच्चा तेल है। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि भारत की क्रूड सप्लाई पूरी तरह से सुरक्षित है और भारत में पेट्रोल-डीजल की किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं, देश में अभी पर्याप्त गैस है। गैस की किल्लत को लेकर अफवाहों के बीच केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सीएनजी की सप्लाई 100 प्रतिशत जारी है, भारत में एलएनजी के कार्गो रोज आ रहे हैं। गैस सिलिंडर को लेकर किसी भी तरह से पैनिक होने की जरूरत नहीं है, पैनिक होने की वजह से डिमांड बढ़ी है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने बताया कि देश में एलपीजी का उत्पादन 28 फीसदी बढ़ा है और देश लंबे समय तक इस संकट से निकटने को लेकर पूरी तरह से तैयार है। पेट्रोलियम मंत्री ने आगे कहा कि भारत अभी भी कनाडा, नार्वे और रूस से तेल ले रहा है और हमने गैस की कालाबाजारी को रोकने के निर्देश जारी किए है। मंत्री ने बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद हो गया है।

> देश में एलपीजी का उत्पादन 28 फीसदी बढ़ा है और देश लंबे समय तक इस संकट से निकटने को लेकर पूरी तरह से तैयार है। भारत अभी भी कनाडा, नार्वे और रूस से तेल ले रहा है और हमने गैस की कालाबाजारी को रोकने के निर्देश जारी किए है।
>
> हरदीप सिंह पुरी, पेट्रोलियम मंत्री

सुप्रीम कोर्ट बोला, पेरेंट्स की सैलरी ओबीसी क्रीमी लेयर का आधार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि ओबीसी आरक्षण में क्रीमी लेयर का फैसला केवल माता-पिता की आय के आधार पर नहीं किया जा सकता। माता-पिता या अभिभावकों के पद (पोस्ट) और सामाजिक स्थिति (स्टेटस) को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। साथ ही कहा कि अगर सरकारी कर्मचारियों के बच्चों और प्राइवेट या पीएसयू कर्मचारियों के बच्चों को अलग-अलग तरीके से आरक्षण दिया जाए तो यह अनुचित भेदभाव होगा। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने यह फैसला दिया। कोर्ट ने केंद्र सरकार की अपील को खारिज करते हुए दिल्ली, मद्रास और केरल हाईकोर्ट के फैसलों को सही माना। कोर्ट ने उन यूपीएससी कैंडिडेट्स को बड़ी राहत दी है, जिन्हें सिविल सेवा परीक्षा पास करने के बावजूद नौकरी नहीं दी गई थी।

सरकार ने उनके माता-पिता की सैलरी को आधार मानकर उन्हें क्रीमी लेयर की श्रेणी में डाल दिया था। कोर्ट ने साफ किया कि सरकार ने कैंडिडेट्स को आरक्षण से बाहर करने के लिए गलत पैमाना अपनाया। कोर्ट ने कहा कि 2004 का एक पत्र मुख्य नीति को नहीं बदल सकता। अगर सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को पद के आधार पर छूट मिलती है, तो पीएसयू कर्मचारियों के बच्चों को केवल सैलरी के आधार पर आरक्षण से बाहर करना समानता के अधिकार का उल्लंघन है।

सुरक्षा और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए रेलवे कर रही है एआई का इस्तेमाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे तकनीकी सुधार, दुर्घटनाओं को रोकने और यात्रियों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने की दिशा में लगातार प्रयासरत है तथा इस दिशा में स्मार्ट मॉनिटरिंग को अपनाकर सुरक्षा एवं परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए उन्नत कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) और मशीन लर्निंग उपकरणों को तैनात किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को लोकसभा में रेलवे से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोहरे, बारिश और खराब मौसम के दौरान लोको पायलटों को बेहतर दृश्यता प्रदान करने के लिए अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा ट्राई-नेत्रा (टेरेन इमेजिंग फॉर लोकोमोटिव ड्राइवर्स- इन्फ्रारेड, एन्हांस्ड ऑप्टिकल एंड रेंजिंग डिवाइस असिस्टेड) द्वारा त्रि-नेत्र प्रणाली विकसित की जा रही है।

खुदरा महंगाई दर फरवरी में 3.21 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक संकट और वैश्विक व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच भारत के लिए एक और चिंता वाली खबर है। फरवरी महीने में देश की खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.21 प्रतिशत हो गई है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में दर्ज की गई है जब ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच चल रहे विवाद ने वैश्विक तेल सप्लाई को लेकर खतरे की घंटी बजा दी है। जनवरी में खुदरा महंगाई दर यानी सीपीई 2.75 प्रतिशत थी, जो फरवरी में बढ़कर 3.21 प्रतिशत हो गई है। यह बढ़ोतरी शहरों के मुकाबले गांवों में ज्यादा महसूस की जा रही है। फरवरी में ग्रामीण महंगाई दर 3.37 प्रतिशत और शहरी महंगाई दर 3.02 प्रतिशत दर्ज की गई। राहत की बात सिर्फ इतनी है कि यह आंकड़ा अभी भी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार देश में महंगाई बढ़ने का सबसे बड़ा कारण खाने-पीने की चीजें हैं। फरवरी में खाद्य महंगाई दर तेजी से उछलकर 3.47 प्रतिशत हो गई है, जो जनवरी में 2.13 प्रतिशत थी। आम आदमी के लिए रहना और खाना लगातार महंगा होता जा रहा है। हाउसिंग की बात करें तो महंगाई 2.05 प्रतिशत से बढ़कर 2.12 प्रतिशत हो गई है। ईंधन और लाइट कैटेगरी में महंगाई दर 0.14 प्रतिशत रही। स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई 2.19 प्रतिशत से गिरकर 1.90 प्रतिशत पर आ गई है। वहीं कपड़े और जूतों की महंगाई दर भी जनवरी के 2.98 प्रतिशत से घटकर 2.81 प्रतिशत रह गई है। ईरान संकट के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के पास व्यापारिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जहां से दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल व्यापार गुजरता है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि लंबे समय तक सप्लाई बाधित रहने से भारत जैसे ऊर्जा पर निर्भर देशों में आयातित महंगाई का खतरा बढ़ जाएगा। इक्रा (आईसीआरए) की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर के अनुसार, अगर कच्चे तेल के दाम 10 प्रतिशत बढ़ते हैं और इसका असर सीधे पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर पड़ता है, तो खुदरा महंगाई 0.40 प्रतिशत से 0.60 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

भारत पर फिर से टैरिफ लगाने की तैयारी में अमेरिका

16 बिजनेस पार्टनर्स के खिलाफ जांच शुरू

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने भारत और चीन समेत अपने 16 प्रमुख ट्रेडिंग पार्टनर्स के खिलाफ सेक्शन 301 के तहत नई जांच शुरू कर दी है। सेक्शन 301 अमेरिका को उन देशों पर एकतरफा टैक्स बढ़ाने की शक्ति देता है, जो उसकी कंपनियों को नुकसान पहुंच रहे हो। पिछले महीने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरिफ को अवैध बताने के बाद, प्रशासन अब नए कानूनी रास्तों से टैरिफ का दबाव वापस बनाने की तैयारी में है। यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीर के मुताबिक, इस जांच के कारण इस साल गर्मियों तक

भारत, चीन, यूरोपीय संघ और मैक्सिको जैसे देशों पर नए टैरिफ लगाए जा सकते हैं। अमेरिका की इंटरनेशनल ट्रेड कोर्ट ने ट्रम्प प्रशासन को आदेश दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ का पैसा कंपनियों को लौटाया जाए। टैरिफ से दिसंबर तक 10.79 लाख करोड़ रुपए वसूले गए थे और कुल रिफंड 14.5 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। जज रिचर्ड ईटन ने लंबित मामलों में टैरिफ हटाकर दोबारा कैलकुलेशन करने को कहा। ट्रम्प ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट-1977 के तहत कई देशों पर टैरिफ लगाए थे।

ऊर्जा संकट पर बहस

राहुल गांधी ने संसद में उठाया एलपीजी और तेल संकट का मुद्दा, एपस्टीन का नाम लेते ही हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में गुरुवार को ईरान-इस्राइल युद्ध के चलते पैदा हुए उर्जा संकट पर राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने ईरान युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद है। देश में एलपीजी को लेकर संकट है। स्ट्रीट वेंडर्स पर ज्यादा प्रभाव पड़ा है। अमेरिका कौन होता है हमें यह बताने वाला कि हम किससे तेल खरीदेंगे, किससे गैस खरीदेंगे? छोटे व्यापारी परेशान हो रहे हैं। राहुल गांधी में सदन में कहा कि हर कोई जानता है कि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हो गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध चल रहा है। इस युद्ध के दूरगामी परिणाम होने वाले हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल गुजरता है, उस मुख्य समुद्री रास्ते को बंद कर दिया गया है। इसका बहुत बड़ा असर पड़ेगा, खासकर हमारे देश पर, क्योंकि हमारे तेल और प्राकृतिक गैस का बहुत बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि मुश्किलें अभी बस शुरू हुई हैं। रेस्तरां बंद हो रहे हैं। एलपीजी को लेकर लोगों में घबराहट फैल रही है। सड़क पर सामान बेचने वाले लोग प्रभावित हो रहे हैं और जैसा मैंने कहा, यह सिर्फ शुरुआत है। किसी भी देश की बुनियाद उसकी ऊर्जा सुरक्षा होती है और मैं यह बात हल्के में नहीं कह रहा हूं, लेकिन अमेरिका को यह तय करने देना कि हम तेल किससे खरीदेंगे, गैस किससे खरीदेंगे, ट्रंप के बयान को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरे लिए यह हमेशा एक बहुत उलझाने वाली बात रही है कि भारत जैसा बड़ा देश किसी दूसरे देश को यह तय करने क्यों देगा कि हम किससे तेल खरीदें।

> भारत जैसा बड़ा देश किसी दूसरे देश को यह तय करने क्यों देगा कि हम किससे तेल खरीदें।
>
> राहुल गांधी, नेता विपक्ष, लोकसभा

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर और शशि थरूर आए आमने-सामने

खुले पत्र लिखकर एक-दूसरे पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं मणि शंकर अय्यर और शशि थरूर आमने-सामने आ गए हैं। दोनों ने खुले पत्र के जरिये एक-दूसरे पर निशाना साधा है। अय्यर ने कहा कि वह अब अपने पार्टी सहयोगी थरूर से अलग रास्ता अपना रहे हैं। जबकि, थरूर ने कहा कि वरिष्ठ नेता ने उनके बारे में कई अनावश्यक टिप्पणियां की हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ, जब अय्यर ने थरूर के नाम खुला पत्र लिखा। यह खुला पत्र इसी हफ्ते की शुरुआत में एक पत्रिका में प्रकाशित हुआ था। अय्यर ने कहा कि छह मार्च को एक टेलीविजन चैनल के कार्यक्रम में थरूर ने ईरान के खिलाफ जारी गैरकानूनी और पापी युद्ध पर जो जवाब दिया, उससे वह अंदर तक हिल गए। अय्यर के मुताबिक, इस्राइल यह युद्ध अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ मिलकर लड़ रहा है। अय्यर ने लिखा कि (थरूर के बयान से) वह इतने परेशान हो गए कि उन्हें नींद नहीं आई और रात में तीन बजे उठकर उन्होंने यह खुला पत्र लिखना शुरू किया। अय्यर ने दावा किया कि उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में थरूर के लिए वोट देकर अपने राजनीतिक करियर को दांव पर लगा दिया था, जबकि उन्हें पता था कि थरूर बुरी तरह हार जाएंगे।

रसोई गैस की कमी मोदी की कूटनीतिक विफलता: खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कूटनीतिक रूप से विफल होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि देश रसोई गैस की कमी के संकट से जूझ रहा है और श्री मोदी अपनी सरकार की इस विफलता पर ध्यान देने की बजाय चुनावी दौरों में व्यस्त हैं। श्री खरगे ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में गुरुवार को कहा, जब देश भारी संकट से जूझ रहा होता है तो प्रधानमंत्री मोदी जी चुनावी दौरों में मशगूल होते हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में एलपीजी की भारी कमी है और लोग कतारों में खड़े हैं। कितने सारे छोटे-बड़े उद्योग भाजपा की विफलता का ख़ामियाज़ा भुगतने पर मजबूर हैं।

ट्रम्प के पास जंग खत्म करने का कोई प्लान नहीं

ईरान की ताकत का गलत अंदाजा लगाया तेल सप्लाई ठप होगी सोचा नहीं था

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 18 फरवरी को जब यह तय कर रहे थे कि ईरान पर हमला किया जाए या नहीं, तब ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें यह चिंता नहीं थी कि अगर युद्ध हुआ तो मिडिल ईस्ट से तेल की सप्लाई पर असर पड़ेगा या तेल के बाजार में बड़ी गड़बड़ी होगी। राइट ने कहा था कि पिछले साल जून में जब इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर हमले किए थे, तब भी तेल बाजार पर ज्यादा असर नहीं पड़ा था। उनके मुताबिक उस समय तेल की कीमत थोड़ी बढ़ी थी, लेकिन जल्द ही नीचे आ गई थी। ट्रम्प के दूसरे सलाहकार भी निजीतौर पर इसी तरह की राय रखते थे। उनका मानना था कि चेतावनियां बढ़ा-चढ़ाकर दी जा रही हैं और ईरान शायद ही इस बार तेल ले जाने वाले समुद्री रास्तों को बंद करेगा

मोजतबा खामेनेई का पहला बयान, बोले खाड़ी देशों पर हमले जारी रहेंगे

तेहरान, एजेंसी। ईरान के नए सर्वोच्च नेता आयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी जंग के बीच अपना पहला बयान जारी किया, जिसे गुरुवार को सरकारी टेलीविजन पर एक समाचार एंकर ने पढ़ा। खामेनेई खुद कैमरे पर नजर नहीं आए। लेकिन उनके बयान को पूरे देश में दिखाया गया। बयान में खामेनेई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का इस्तेमाल ताकत के रूप में किया जाना चाहिए और खाड़ी के अरब पड़ोसी देशों पर हमले जारी रहेंगे। पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच यह उनका पहला संदेश है। मोजतबा खामेनेई के सार्वजनिक रूप से दिखाई न देने पर कई रिपोर्ट्स में बताया गया था कि उन्हें युद्ध के दौरान शुरुआती हमलों में चोटें आई थीं। शुरुआती अमेरिकी और इस्राइली हवाई हमलों में उनके पिता पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्य मारे गए थे। बयान में उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अपने पड़ोसी देशों के साथ मित्रता चाहता है

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से फिर चर्चा में समान नागरिक संहिता, विशेषज्ञ बोले–संविधान की भावना को साकार करने का समय

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

नई दिल्ली/वाराणसी। देश में समान नागरिक संहिता (niform Civil Code - UCC) को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका की सुनवाई के दौरान अदालत की उस टिप्पणी ने इस विषय को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का केंद्र बना दिया, जिसमें कहा गया कि समाज में मौजूद भेदभाव का समाधान समान नागरिक संहिता हो सकता है। दरअसल, यह मामला मुस्लिम महिलाओं को उत्तराधिकार में पुरुषों के बराबर अधिकार दिए जाने की मांग से जुड़ा था। सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने यह संकेत दिया कि यदि समाज में समानता और न्याय सुनिश्चित करना है तो समान नागरिक संहिता जैसे व्यापक समाधान पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। संविधान विशेषज्ञों के अनुसार भारत के संविधान में पहले से ही समान नागरिक संहिता की अवधारणा मौजूद है। संविधान के नीति निदेशक तत्वों में शामिल अनुच्छेद 44 राज्य को यह निर्देश देता है कि वह देश में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में प्रयास करे, ताकि सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समान अधिकार मिल सकें। विशेषज्ञ बताते हैं कि वर्तमान समय में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और पारिवारिक मामलों से जुड़े कई कानून अलग-अलग समुदायों के लिए अलग-अलग रूप में लागू हैं। कई मामलों में यह व्यवस्था विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों के संदर्भ में असमानता और विवाद का कारण बनती रही है। इसी वजह से न्यायपालिका समय-समय पर अपने फैसलों और टिप्पणियों में इस विषय की प्रासंगिकता को रेखांकित करती रही है। गौरतलब है कि इससे पहले भी शाह बानो मामला (1985) और सरला मुद्गल केस (1995) जैसे महत्वपूर्ण मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर बल दिया था। अदालत ने तब कहा था कि अलग-अलग व्यक्तिगत कानून कई बार न्याय की समानता में बाधा बन जाते हैं और एक समान कानूनी व्यवस्था इस समस्या का समाधान हो सकती है। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य किसी धर्म विशेष की परंपराओं में हस्तक्षेप करना नहीं है, बल्कि नागरिक अधिकारों के स्तर पर समानता और न्याय सुनिश्चित करना है। इसे सामाजिक न्याय और लैंगिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। इसी संदर्भ में वाराणसी के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं बनारस बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शशांक शेखर त्रिपाठी ने कहा कि समान नागरिक संहिता भारतीय संविधान की मूल भावना से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 44 के माध्यम से स्पष्ट रूप से यह संकेत दिया था कि देश में नागरिक अधिकारों के स्तर पर समानता स्थापित करने की दिशा में प्रयास होना चाहिए। त्रिपाठी के अनुसार, 卐भारत एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र है, जहाँ कानून के समक्ष सभी नागरिकों को समान माना गया है। ऐसे में यदि किसी व्यवस्था में भेदभाव की स्थिति उत्पन्न होती है तो उसे दूर करना समय की मांग बन जाता है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में महिलाओं के अधिकारों और सामाजिक न्याय के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ-साथ समान नागरिक संहिता पर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर विमर्श भी तेज हुआ है। न्यायपालिका की हालिया टिप्पणियों ने इस चर्चा को और व्यापक बना दिया है। कानूनी और सामाजिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि इस विषय पर व्यापक संवाद, संवैधानिक प्रक्रिया और सामाजिक सहमति के साथ आगे बढ़ा जाए तो यह भारतीय लोकतंत्र में समानता और न्याय की अवधारणा को और मजबूत कर सकता है। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि आने वाले समय में समान नागरिक संहिता का मुद्दा केवल कानूनी बहस तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों से जुड़े एक व्यापक राष्ट्रीय विमर्श के रूप में सामने आ सकता है।

कांग्रेस पार्टी ने ईडब्ल्यूएस की वैधता समय सीमा को तीन वर्ष करने की मांग।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र को लेकर कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी गण जिला उपाध्यक्ष व प्रभारी शिवपुर विधानसभा अशोक कुमार सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी गण ने मांग किया कि ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र की वैधता की समय सीमा को प्रमाण पत्र जारी होने से तीन वर्ष तक किया जावे क्योंकि ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र वित्तीय वर्ष के लिए जारी होता यानी यदि ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र फरवरी या मार्च में बना है तो एक अप्रैल को अमान्य हों जायेगा जिससे पढ़ने वाले छात्र व नौकरी हेतु फार्म भरने वाले छात्र अज्ञानता बस छट जातें हैं जिससे छात्रों को काफी नुक्सान उठाना पड़ता है। और ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र की यह प्रक्रिया तार्किक रूप से सही नहीं है क्योंकि आय प्रमाण पत्र तीन वर्ष के लिए जारी होता है उसी आय प्रमाण पत्र के आधार पर ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जारी किया जाता । कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष व प्रभारी शिवपुर विधानसभा अशोक कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा कि जब आय प्रमाण पत्र जारी होने से तीन वर्ष तक मान्य है तो उसी आय प्रमाण पत्र के आधार पर जारी ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र खाली वित्तीय वर्ष के लिए ही मान्य क्यों इसे भी जारी होने से तीन वर्ष तक मान्य किया जावे अन्यथा कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी गण मुख्यमंत्री जी के आवास के सामने आमरण अनशन पर बैठेंगे। ज्ञापन सौंपते समय कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष व प्रभारी शिवपुर विधानसभा अशोक कुमार सिंह एडवोकेट, कांग्रेस विधि विभाग के जिला अध्यक्ष लोकेश कुमार सिंह, विरेन्द्र कुमार पण्डित एडं, कांग्रेस विधि विभाग के जिला संगठन प्रभारी आनन्द कुमार सिंह एडवोकेट जयप्रकाश पटेल एड, रितुराज दूबे एड, नागेंद्र कुमार वर्मा एड, विकास पाण्डेय एड, बनारसी प्रसाद जायसवाल एड, विजय कुमार एड,अनुपम प्रकाश वर्मा एड, महेंद्र उपाध्याय एड हिमांशु एड अशोक कुमार एड, आदित्य मौर्या एड शिवानन्द राय एड, कृष्णा नन्द एड व अन्य कांग्रेस पार्टी के अधिवक्ता गण मौजूद रहे ।

शिक्षक शिक्षिकाओं ने प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति को लिखा पत्र

➢पुराने शिक्षकों पर टेट की अनिवार्यता को खत्म करने की मांग की

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

पटियाली। प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप कुमार यादव की अगुवाई में मंत्री रतन प्रकाश एवं ब्लॉक के सैकड़ों शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ ब्लॉक संसाधन केंद्र पर एकत्र होकर भारत के प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति के लिए खत लिखकर पूर्व से नियुक्त शिक्षकों पर लागू किए गए टेट की अनिवार्यता को खत्म कराने के लिए डाकघर के माध्यम से खत भेजा है जानकारी देते हुए श्री राघवेंद्र द्विवेदी ने बताया की सरकार एवं विभागीय अधिकारियों से हुई गलती की सजा शिक्षकों को देना गलत है अगर यह टेट की अनिवार्यता जिम्मेदार लोगों द्वारा खत्म नहीं की जाती है तो सड़क से लेकर संसद तक शिक्षक अपनी लड़ाई लड़ेंगे। ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप कुमार यादव ने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि सरकार निश्चित तौर पर हम लोगों के पक्ष में निर्णय लेगी और शिक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहेगी। इस कार्यक्रम के दौरान प्रदीप कुमार यादव,रतन प्रकाश,जसवीर सिंह उर्फ दद्दा रनबीर सिंह देवेंद्र सिंह,वीरपाल सिंह,सुधीर शर्मा,शरद वार्ष्णेय,अभिषेक पांडेय, रोबिन सिं, हरिमोहन सिंह,प्रवीण प्रकाश ,रूप किशोर ,राहुल चंद्र ,मनोज कुमार, उदयवीर सिंह,नरेंद्र उपाध्याय,राहुल गौड़ योगेंद्र वर्मा, अनुपम सिंह, मुकेश सिंह, प्रतिभा, रजत, साहब सिंह, गौरव शुक्ला, सोहनलाल,बृजेश कुमार रावत,चंद्रदेव दीक्षित, उदयवीर सिंह,ओंट यादव, पुष्पेंद्र परमार,जयप्रकाश सिंह, प्रीति मौर्या, कुलदीप कुमार,जसवीर सिंह, सुनील कुमार,अर्चना अग्निहोत्री,रवि गौतम, कवि किशोर,दौलत राम,अनुभव बाबू तिवारी, ललित मोहन, नेहा राजपूत, संध्या,कीर्ति सिंह,कामिनी सिंह,वीना रानी, बिंदेश कुमारी,प्रदीप चौहान,हिरा अंसारी पुष्पेंद्र कुमार भावना सिंह,जितेंद्र कुमार,गीतम सिंह,राघवेंद्र त्रिवेदी ,राजेश द्विवेदी, जय प्रमोद मिश्रा, वीरेंद्र दीक्षित, विशाल चतुर्वेदी, सत्य प्रकाश पाल सहित सैकड़ों शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

सत्तामुख के सिद्धांतहीन गठजोड़ ने समाजवाद को बिखरा दिया – प्रो. इंदीवर।

➲ 'समाजवाद: प्रयोग और पतन' का लोकार्पण-परिचर्चा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। नरेंद्रदेव, जयप्रकाश और लोहिया ने समाजवाद और जनतंत्र को राष्ट्रीयता से निकाला हुआ बताया था। वे इसे भारत की राष्ट्रीकृति मानते थे। इसके बिना राष्ट्र अशक्त और निरर्थक हो जाता है। आज की सबसे बड़ी सामाजिक समस्या धर्मनिरपेक्षता का छद्म स्वरूप और जातिवाद है। उक्त विचार धर्मेंद्र सिंह एम.एल.सी. ने प्रो. इंदीवर की सद्यः प्रकाशित पुस्तक 'समाजवाद: प्रयोग और पतन' के लोकार्पण और पुस्तक विमर्श के अवसर पर व्यक्त किए। यह कार्यक्रम प्रो. उर्मिला मिश्र शब्द संवाद के 15वें आयोजन पर किया गया था। उन्होंने कहा कि लोहिया के बाद समाजवादी लोगों में जाति और छद्म धर्मनिरपेक्षता दोनों बुराइयाँ बढ़ी हैं। इसे राष्ट्र चेतना ही रोक सकती है। पुस्तक के लेखक प्रख्यात समीक्षक प्रो. इंदीवर ने कहा- समाजवाद की वृक्षछाया नरेंद्र देव, जयप्रकाश और लोहिया से बनती है। इनका चिंतन देशप्रेम और जन-कल्याण की भावना से भरा था। मार्क्स की जगह गांधी के सत्य से जुड़ा था। समाजवादी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक थे। समाजवाद का सिद्धांत उदात्त था किंतु कर्म के स्तर पर समाजवादी उसे सफलता से उतार न सके। लोहिया ने अकेले सैद्धांतिक कर्म को चरितार्थ किया था। उनके निधन के बाद समाजवादियों की सिद्धांतहीन गठजोड़ वाली सत्तामुख से उसे बिखरा व पतनशील बना दिया। अध्यक्षता करते हुए प्रो. दीपक मलिक ने कहा कि समाजवाद रोटी का आंदोलन नहीं, एक सांस्कृतिक आंदोलन है। यह मनुष्य को अनेक आर्थिक अभावों और मारक श्रम से मुक्त कर सांस्कृतिक जीवन का अवकाश प्रदान करता है। प्रो. सुरेंद्र प्रताप ने कहा कि समाजवाद में नैतिक अंश की प्रधानता है। समाजवाद की श्रेणी नैतिकता तथा मत्स्य न्याय के बदले जनप्रधान नैतिकता तथा सामाजिक न्याय की स्थापना कर सकता है। लेखक ने इसे अच्छी तरह स्पष्ट किया है। पत्रकार प्रदीप कुमार ने लेखक को बधाई देते हुए कहा कि पुस्तक में समाजवाद का इतिहास है। इसमें तीनों संस्थापक नेताओं के सिद्धांतों और विचारों का सशक्त विश्लेषण हुआ है। तीनों के अहम एवं सैद्धांतिक टकराव को दिखाया गया है। कालांतर में राजनारायण-मधु लिमये के टकराव ने समाजवादी आंदोलन को बिखरा दिया और उसका पतन हो गया। डॉ. प्रज्ञा सिंह ने समूची पुस्तक से उद्धरण प्रस्तुत करते हुए समाजवादी नेताओं के संघर्ष और उनके बिखराव को स्पष्ट किया। संचालन प्रो. श्रद्धानंद, स्वागत दुष्यंत मिश्र तथा धन्यवाद ज्ञापन नरेंद्र नाथ मिश्र ने किया। कुँवर सुरेश सिंह, लाल साहब सिंह आदि ने विचार व्यक्त किए। दूसरे सत्र में भव्य कवि गोष्ठी हुई, जिसमें प्रो. वंदना मिश्र, प्रो. इशरत जहां, डॉ. मुक्ता, डॉ. अक्षय पाण्डेय, संतोष प्रीत, बुद्धदेव तिवारी, संगीता श्रीवास्तव, नसीमा निशा, डॉ. अशोक सिंह, शिव कुमार पराग, प्रसन्न वदन चतुर्वेदी, मंजरी पाण्डेय, महेंद्र अलंकार, सिद्धनाथ शर्मा, अत्रि भारद्वाज, कंचन लता चतुर्वेदी, छाया शुक्ला, आलोक द्विवेदी, डॉ. शरद श्रीवास्तव, आनंद कृष्ण मासूम, रामअवधपाल, परसंस तिवारी, प्रताप देव, आलोक द्विवेदी, दिनेश दत्त पाठक, उषा पाण्डेय, डॉ. संगीता श्रीवास्तव, संध्या श्रीवास्तव, विनय गुप्ता तथा जौनपुरी आदि ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. चंद्रमाल शुकुमार ने की। संचालन प्रसन्नवदन चतुर्वेदी 'अनंत' तथा धन्यवाद ज्ञापन संतोष कुमार ने किया।

कपसेठी पुलिस व मिशन शक्ति टीम की सराहनीय पहल- गुमशुदा महिला व नाबालिग बेटी सकुशल बरामद।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। थाना कपसेठी पुलिस और मिशन शक्ति केन्द्र टीम के संयुक्त प्रयास से एक गुमशुदा महिला और उसकी नाबालिग बेटी को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री के मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से की गई। पुलिस के अनुसार, प्रभारी निरीक्षक सधुवन राम गौतम पुलिस बल के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान रात करीब 1:30 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम महिमापुर बाजार में एक विक्षिप्त महिला एक किशोरी के साथ इधर-उधर भटकती नजर आ रही है। जो संभवतः रास्ता भटककर वहां पहुंच गई है। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक ने मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक मेघा सोलंकी व महिला कांस्टेबल श्रद्धा अग्रहरी को तत्काल मौके पर भेजा। मिशन शक्ति टीम महिमापुर बाजार पहुंची, जहां एक महिला अपनी नाबालिग बेटी के साथ भटकती हुई मिली। पूछताछ करने पर महिला अपना सही पता नहीं बता पा रही थी, हालांकि उसने बताया कि किशोरी उसकी बेटी है और वह मिर्जापुर से चली थी लेकिन रास्ता भटक गई। इसके बाद टीम दोनों को सुरक्षित थाना कपसेठी लेकर आई और उनके परिजनों का पता लगाने के लिए प्रयास शुरू किया। काफी प्रयास के बाद पुलिस ने महिला के परिजनों से संपर्क किया। सूचना मिलने पर महिला के देवर संतोष मिश्रा पुत्र कृपाशंकर मिश्रा निवासी ग्राम व पोस्ट बबुरा कला, थाना ड्रामनगंज, जनपद मिर्जापुर थाने पहुंचे। उन्होंने महिला की पहचान अपनी भाभी मीरा देवी पत्नी आशुतोष मिश्रा तथा बालिका की पहचान अपनी 11 वर्षीय भतीजी सौम्या मिश्रा के रूप में की। संतोष मिश्रा ने बताया कि मीरा देवी का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है और उनका इलाज चल रहा है। वह अपनी बेटी के साथ बिना बताए घर से निकल गई थीं, जिनकी परिजन लगातार तलाश कर रहे थे। पुलिस ने आवश्यक सत्यापन के बाद महिला और उसकी बेटी को सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस टीम में शामिल रहे- प्रभारी निरीक्षक सधुवन राम गौतम, थाना कपसेठी उपनिरीक्षक विनय कुमार प्रजापति, चौकी प्रभारी धवकलगंज मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक मेघा सोलंकी महिला कांस्टेबल श्रद्धा अग्रहरी व अंजू द्वितीय,इस सराहनीय कार्य के लिए स्थानीय लोगों ने कपसेठी पुलिस व मिशन शक्ति टीम की प्रशंसा की।

रविदास घाट पर 'खुला आसमान' संस्था ने उत्साह के साथ मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर खुला आसमान संस्था द्वारा रविदास घाट पर एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय 卐सशक्त महिला – सशक्त समाज卐 रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और संवाद के माध्यम से यह संदेश देना था कि महिलाओं का आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक विकास समाज की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि महिलाएं केवल परिवार ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला हैं। जब महिलाओं को शिक्षा, सम्मान और समान अवसर प्राप्त होते हैं, तब समाज अधिक सशक्त और समृद्ध बनता है। कार्यक्रम का आयोजन संस्था की संस्थापिका रोली सिंह रघुवंशी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में सह–संस्थापिका दीक्षा सिंह रघुवंशी सहित संस्था की पूरी टीम ने सक्रिय सहयोग दिया, जिनमें अंकित चौबे भी प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किरण यादव (साईं डायरेक्टर) रहीं। इसके अलावा कार्यक्रम में जगदीश सिंह (सेना), निरूपमा सिंह (बाल संरक्षण अधिकारी) तथा डॉ. शिखा सचान (प्रोफेसर, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, आईएमएस बीएचयू) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के महत्व पर अपने विचार साझा किए और समाज को महिलाओं के सम्मान एवं अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विचार–विमर्श के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के संदेश को सराहा। अंत में संस्था की ओर से सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर रोली सिंह रघुवंशी, दीक्षा सिंह रघुवंशी, अंकित चौबे, शिव पूजन, सीता, संजू सहित संस्था के अन्य सदस्य एवं कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बीकेटी में शगुन चंद्रा रियल एस्टेट पर अवैध प्लॉटिंग का आरोप, एलडीए ने जारी किए नोटिस

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। बक्शी का तालाब (बीकेटी) क्षेत्र में शगुन चंद्रा रियल एस्टेट कंपनी के नाम पर बड़े फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। बिल्डर राममोहन लोधी पर लोगों को गुमराह कर अवैध तरीके से प्लॉट बेचने के आरोप लगाए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार बीकेटी के साढामाऊ गांव में की जा रही अवैध प्लाटिंग को लेकर लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने नोटिस जारी करते हुए निर्माण कार्य तत्काल बंद करने के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा है कि बिना एलडीए की स्वीकृति के बड़े पैमाने पर जमीन को छोटे-छोटे प्लॉटों में काटकर लोगों को बेचा जा रहा था। सूत्रों के मुताबिक एलडीए के नोटिस के बावजूद मौके पर प्लॉटों की बिक्री का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिल्डर से जुड़े कुछ लोग लगातार नए ग्राहकों को जोड़ने में लगे हुए हैं और उन्हें जमीन के अच्छे रिटर्न का लालच देकर निवेश के लिए प्रेरित किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि रामपुर बेहढ़ा और मदारीपुर गांव में की गई प्लाटिंग को लेकर भी एलडीए ने ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किए हैं। इन इलाकों में सैकड़ों बीघा जमीन पर अवैध तरीके से प्लॉट काटे जाने की बात सामने आ रही है। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि प्लॉट बिकवाने के लिए दलालों का एक बड़ा नेटवर्क सक्रिय है। चर्चा यह भी है कि ज्यादा प्लॉट बिकवाने वाले दलालों को इनाम के तौर पर कार तक देने का लालच दिया जा रहा है, जिससे ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को जोड़ा जा सके। सूत्रों के अनुसार एलडीए के प्रवर्तन जोन-4 में अवैध प्लाटिंग का जाल तेजी से फैल रहा है। वहीं कुछ लोगों ने एलडीए के कुछ जेई और एई पर भी लापरवाही बरतने तथा कार्रवाई में ढिलाई दिखाने के आरोप लगाए हैं। फिलहाल एलडीए की ओर से लोगों को आगाह किया गया है कि बिना प्राधिकरण की स्वीकृति वाले किसी भी प्रोजेक्ट या प्लॉट में निवेश करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल जरूर कर लें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की आर्थिक या कानूनी परेशानी का सामना न करना पड़े।

कामरूप जिले में वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत भूमि स्वामित्व पत्र वितरण कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री रणोज पेगू।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत वन क्षेत्रों में निवास करने वाले पात्र जनजातीय परिवारों को भूमि अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से गुरुवार को असम के कामरूप जिले के बामुनीगांव के शांति निजरा क्लब में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में असम के शिक्षा एवं जनजाति कल्याण विभाग के मंत्री डॉ. रणोज पेगू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर पात्र जनजातीय परिवारों को भूमि स्वामित्व पत्र औपचारिक रूप से वितरित किए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. रणोज पेगू ने कहा कि वन क्षेत्रों में निवास करने वाले जनजातीय लोगों ने युगों से प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन यापन किया है तथा वन संरक्षण एवं जैव विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने साथ ही उल्लेख किया कि वन क्षेत्रों में निवास करने वाले वास्तविक जनजातीय परिवारों को भूमि अधिकार सुनिश्चित करने के साथ-साथ वन क्षेत्र संरक्षण एवं वन्यप्राणी सुरक्षा की दिशा में भी समान महत्व प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा मंत्री ने सभी से वन संसाधनों के प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरणीय संतुलन अक्षुण्ण रहे। कार्यक्रम के उद्घाटन भाषण में कामरूप जिले के जिला आयुक्त एवं जिला वन अधिकार समिति के अध्यक्ष देव कुमार मिश्र ने कहा कि असम सरकार की पहल से भूमि अधिकार सुनिश्चित करने के लक्ष्य से उठाए गए इस कदम के माध्यम से कुल 6,427 परिवारों को भूमि अधिकार प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि यह व्यवस्था पात्र जनजातीय परिवारों के लिए भूमि सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ उनके सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में भी सहायक होगी। कार्यक्रम में राभा हाचंग स्वायत्त शासित परिषद के कार्यकारी सचिव, जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, वन विभाग के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

विशेष अभिभावक बैठक का आयोजन कर डा. रचना ने परीक्षा पर की चर्चा

❑ बच्चों को नियमित स्कूल भेजने के लिए अभिभावकों को किया जागरूक

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

उन्नाव। मार्च का महीना जहाँ एक ओर त्योहार का माह हैं वहीं दूसरी ओर वार्षिक परीक्षाएं भी इसी माह में आयोजित होनी हैं। त्योहार तथा स्थानीय मेलों की वजह से विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति प्रभावित हो रही है।जनपद की एस आर जी डॉ रचना सिंह ने अपने सपोर्टिव सुपरविजन के दौरान ब्लॉक बिछिया के प्राथमिक विद्यालय डीह 2 में पाया कि कुछ बच्चे स्थानीय मेले और त्योहार की वजह से विद्यालय में उपस्थित नहीं हैं ।ऐसे में प्रत्येक कक्षा के अनुपस्थित बच्चों को चिन्हित किया गया और अनुपस्थित छात्रों के अभिभावकों को फोन के माध्यम से संपर्क कर बच्चों की अनुपस्थिति का कारण जान गया तथा उनके अभिभावकों को विद्यालय में बुला एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें डॉ रचना सिंह ने कक्षा में बच्चों की नियमित उपस्थिति के महत्व के बारे में समझाया तथा अभिभावकों को बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया ।उन्होंने अभिभावकों को बताया कि अनुपस्थित रहने से बच्चे पढ़ाई में पीछे रह जाते हैं ।कक्षा में दी जा रही महत्त्वपूर्ण जानकारियों से वंचित रह जाते हैं ।बार –बार अनुपस्थित रहने से पढ़ाई के प्रति लापरवाही की आदत बन जाती है ।कक्षा में बहुत सारी गतिविधियां कराई जाती हैं, प्रोजेक्ट बनवाए जाते हैं जिससे वे वंचित रह जाते हैं। डॉ रचना सिंह ने अभिभावकों को बताया कि आगामी 16 मार्च से वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है ।इस समय विद्यालय में पाठ्यक्रम दोहराव का कार्य शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है उन्होंने सभी अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने का आग्रह किया ।उन्होंने कहा कि शत प्रतिशत बच्चे विद्यालय में उपस्थित हों ।कोई भी बच्चा बिना जरूरी कारण अनुपस्थित न रहे जिसका सभी बैठक में उपस्थित अभिभावकों ने समर्थन किया ।बैठक में अभिभावकों में सरस्वती,रामदेवी, किरन,सपना,काजल,रेनू, विनोदिनी,मीरा,स्नेहलता,माधुरी, विन्धरेश्वरी तथा अन्य उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक होली गंगा मेला में पत्रकार प्रेस परिषद के चेयरमैन ऋषभ मिश्रा आजाद ओर ज्योति बाबा द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। गंगा मेला सरसैया घाट में पिछले 25 वर्षों से निरंतर नशा मुक्ति एवं जन चेतना शिविर के द्वारा सभी सनातनियों को जागरूक करने के साथ समाजसेवियों का सम्मान का कार्य किया जा रहा है उपरोक्त बात पत्रकार प्रेस परिषद व सोसाइटी योग ज्योति इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में रतन ज्योति समाचार पत्र के सहयोग से गंगा मेला सरसैया घाट में लगाए गए शिविर प्रेमारंभ-26 में अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के प्रमुख एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डधारी योग गुरू ज्योति बाबा ने कही, ज्योति बाबा ने बताया की गंगा मेला सरसैया घाट आजादी के क्रांतिकारियों की याद दिलाता है क्योंकि अंग्रेजों ने होली खेल रहे सनातन धर्मियों को पाबंदी के बावजूद खेलने पर गिरफ्तार कर लिया था जिसके परिणाम स्वरुप पूरे शहर में आंदोलन खड़ा हो गया था और अंग्रेजों को सभी को छोड़ना पड़ा था जिस दिन छोड़ गया उस दिन अनुराधा नक्षत्र था और तभी से अनुराधा नक्षत्र में पूरे देश में इकलौता गंगा मेला कानपुर में मनाया जाता है इसीलिए गंगा मेला में क्रांतिकारी भावना से नशा मुक्ति एवं जन जागरूकता का शिविर प्रतिवर्ष लगाया जाता है और लोगों से नशा छोड़ने का संकल्प भी कराया जाता है। ज्योति बाबा ने बताया कि इस अवसर पर शहर व प्रदेश के उत्कृष्ट समाजसेवियों का सम्मान भी किया गया। इससे पूर्व प्रेमारंभ -26 शिविर का विधिवत उद्घाटन देश के वरिष्ठ समाजसेवी विजय सिंह मार्तोलिया ने फीता काटकर किया और उन्होंने कहा कि आज देश के नौजवानों को जो सबसे बड़ा रोग है वह नशा है उससे बचाने की आवश्यकता है स्वागत करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र यादव ने जोर देकर कहा कि अब तो बहुत बड़ी संख्या में लड़कियों का नशे में जाने के चलते आने वाली जो भविष्य की बचपन में गर्भ में पलने वाली जो पीढ़ी है वही दूषित हो जाएगा। इस अवसर पत्रकार प्रेस परिषद के चेयरमैन ऋषभ मिश्रा आजाद और योग गुरू ज्योति बाबा द्वारा मंत्री राकेश सचान, किदवई नगर विधायक महेश त्रिवेदी, जीत प्रताप सिंह, पूर्व महापौर रवींद्र पाटनी, मनोज भदोरिया, विधायक अमिताभ बाजपेई, महेंद्र सिंह यादव, एमएलसी अरुण पाठक, विधायिका नीलिमा कटियार, बुंदेलखंड अध्यक्ष प्रकाश पाल, दक्षिण अध्यक्ष शिवराम सिंह, अनिल दिक्षित, तथा समस्त लोगों को अंग वस्त्र एवं माल्या पहनकर स्वागत किया गया। पत्रकार प्रेस परिषद के राष्ट्रीय चेयरमैन ऋषभ मिश्रा आजाद ने कहा की आजादी के क्रांतिकारियों की प्रेरणा से होली को नशा,जुआ, केमिकल रंगों और मिलावटी खाद्य पदार्थों से मुक्त करने के लिए जन चेतना हेतु 2 मार्च से शुरू किए गए प्रेमारंभ-26 का होली गंगा मेला में आज भव्य रूप में समापन किया गया। समाजसेवियों को सम्मानित करते हुए प्रकृति संरक्षण हेतु तुलसी के पौधे के साथ फूल वाले पौधे भी वितरित किए गए और शक्ति के प्रतीक के रूप में सांकेतिक गदा एवं अहिल्याबाई होल्कर समाज सेवा श्री सम्मान भी दिया गया। प्रेमारंभ-26 की अध्यक्षता पियूष रंजन मिश्रा सनातनी ने की। संयोजन प्रदेश संयोजिका डॉक्टर सुलोचना दीक्षित। प्रेमारंभ-26 में भाग लेने वाले अन्य प्रमुख सर्वश्री महंत राम अवतार दास, सत्य प्रकाश ,मधुप दीक्षित, मुकेश मिश्रा, संतोष गुप्ता,राजेश निगम, सुनील त्रिपाठी, गजेंद्र सिंह सेंगर,सुशील बाजपेई एडवोकेट, विकास गौड एडवोकेट, राजेश कुमार निगम, उपेंद्र मिश्रा, श्रवण कुमार,सुश्री गीता ,संतोष मिश्रा,कमल सचदेवा इत्यादि थी।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ विषय पर संगोष्ठी

➲ मातृशक्ति व मेधावी छात्र सम्मान के साथ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

सरोजनीनगर। प्राथमिक विद्यालय अलीनगर खुर्द, बिजनौर सरोजिनी नगर में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ विषय पर एक जागरूकता संगोष्ठी, सम्मान समारोह एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एससी/एसटी आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ,विशिष्ट अतिथि के रूप में एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा, प्रभारी निरीक्षक बिजनौर कपिल गौतम, चौकी प्रभारी माती अभिराम शुक्ला, उपनिरीक्षक शशि बाला सहित अनेक गणमान्य प्रबुद्ध अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में सहयोगकर्ता के रूप में आर.के. विश्वकर्मा (डायरेक्टर, एंटी करप्शन एंड क्राइम ब्यूरो ट्रस्ट), आशीष सिंह (अध्यक्ष, आदर्श प्रेस क्लब), अभिषेक सिंह चौहान (डायरेक्टर, आर्य लाइब्रेरी), तथा सेवक राम कनौजिया (डायरेक्टर, सर्वांगीण विकास) उपस्थित रहे। आयुष अस्पताल की ओर से डायरेक्टर डाक्टर संदीप शुक्ला, महिला स्वास्थ्य विशेषज्ञ डाक्टर अफसाना एवं उनकी टीम ने मेडिकल कैंप लगाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन एवं बच्चों द्वारा संस्कृत वंदना प्रस्तुत कर किया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक नृत्य व नाटक प्रस्तुत किया। संगोष्ठी में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा एवं संस्कारों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यालय की ओर से उपस्थित महिलाओं एवं बच्चियों को सेनेटरी पैड वितरित किए गए तथा आयुष अस्पताल की टीम द्वारा महिला स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया और दवाइयां वितरण की। मुख्य अतिथि बैजनाथ रावत ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को अच्छे संस्कार घर से ही मिलते हैं, इसलिए माता-पिता को बेटियों के साथ-साथ बेटों को भी यह संस्कार देना होगा कि वे हर महिला का सम्मान करें और उनकी सुरक्षा का ध्यान रखें। उन्होंने सभी अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने का आह्वान किया। उन्होंने कहा बच्चों को हमें स्वतंत्रता और स्वछंदता का अंतर बचपन से ही सिखा देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि एसीपीकृष्णानगर रजनीश वर्मा ने कानून की जानकारी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षित बेटी अपने अधिकारों को समझती है और समाज को अपराध-मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने सभी अभिभावकों से बेटियों को उच्च शिक्षा तक पढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान पुलिस चौपाल के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों को सुरक्षा, कानून एवं जागरूकता से संबंधित जानकारी दी गई। वरिष्ठ पत्रकार आर.के. विश्वकर्मा द्वारा सभी अतिथियों को सम्मानित किया तथा इक्कीस मेधावी बच्चों को सम्मान प्रदान किया गया। आशीष सिंह एवं अभिषेक सिंह चौहान द्वारा उन माताओं एवं दादियों को साड़ी देकर माला पहनकर सम्मानित किया गया जिन्होंने पूरे वर्ष बच्चों को नियमित, स्वच्छ एवं अनुशासित रूप से विद्यालय भेजा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिसर में 卐एक पेड़ बेटी के नाम卐 से आम, अमरूद एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। वरिष्ठ रिटायर्ड शिक्षक सेवक राम कनौजिया ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को जागरूक नागरिक बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में रीना त्रिपाठी (अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ, सर्वजन हिताय संरक्षण समिति) द्वारा अतिथियों से वृक्षारोपण कराया तथा विद्यालय परिवार की ओर से मातृशक्ति सम्मान व मेधावी बच्चों केसम्मान हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षिका उषा त्रिपाठी, सुमन दुबे, रश्मि प्रधान, गीता वर्मा, आभा शुक्ला तथा शिक्षक नसीम सहर, पूनम यादव, छायारानी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सर्वजन हिताय संरक्षण समिति की ओर से सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया।

श्रमिकों की आवाज़ अब सीधे सरकार तक

➲ लखनऊ में प्रदेश कार्यालय पर विशेष समाधान व्यवस्था लागू

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। राजधानी लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में श्रमिकों की शिकायतों और मांगों के निपटारे हेतु विशेष समाधान व्यवस्था लागू की गई है। इस व्यवस्था का उद्देश्य है कि श्रमिकों को अब किसी मध्यस्थ या लंबी प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा, बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान सीधे और प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत प्रदेश कार्यालय में एक विशेष कक्ष बनाया गया है, जहाँ नियुक्त अधिकारी नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे। इन अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे श्रमिकों की समस्याओं को तुरंत सुनें और संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए निर्देशित करें। इससे श्रमिकों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर लगाने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी। सरकार का मानना है कि इस कदम से श्रमिकों को राहत मिलेगी और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित होगी। पहले श्रमिकों को अपनी शिकायतें दर्ज कराने के लिए कई दफ्तरों में जाना पड़ता था, जिससे समय और ऊर्जा दोनों की बर्बादी होती थी। अब यह व्यवस्था उन्हें सीधे समाधान तक पहुँचाएगी। प्रदेश कार्यालय में लगाए गए इस विशेष तंत्र के तहत शिकायतों की निगरानी भी की जाएगी। हर दर्ज की गई समस्या का रिकॉर्ड रखा जाएगा और उसकी प्रगति पर नजर रखी जाएगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी शिकायत अनसुनी न रह जाए। अधिकारियों का कहना है कि इस कदम से श्रमिकों और प्रशासन के बीच विश्वास का रिश्ता मजबूत होगा। श्रमिक वर्ग को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने में नई ऊर्जा मिलेगी और सरकार के साथ उनका जुड़ाव और गहरा होगा।

लापता बच्चा सुरक्षित माता-पिता को सौंपा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। अमीनाबाद थाना क्षेत्र में पुलिस की संवेदनशीलता, मेहनत और नैतिक जिम्मेदारी का एक शानदार उदाहरण सामने आया है। लंबे समय से गुमशुदा एक मासूम बच्चे की तलाश में पुलिस टीम दिन-रात एक कर गई। आखिरकार, बच्चा मिल गया और उसे पूरी सुरक्षा के साथ उसके माता-पिता के हवाले कर दिया गया। इस पल में परिवार की आँखों में खुशी के आंसू और चेहरे पर मुस्कान ने पूरे इलाके में राहत की लहर दौड़ा दी। यह सफलता अमीनाबाद थाने की टीम की लगन का नतीजा है, जहाँ थाना प्रभारी सुनील कुमार आजाद की नैतिकता और सक्रियता के कारण ऐसे संवेदनशील मामलों में लगातार बेहतरीन कार्यवाही हो रही है। उनके नेतृत्व में थाना टीम बच्चों की सुरक्षा और परिवारों की एकजुटता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इस ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अन्य बहादुर पुलिसकर्मी, प्रकाश कुल्फी चौकी प्रभारी/सब-इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह सेंगर, जिन्होंने टीम का नेतृत्व संभाला और मामले को तुरंत गंभीरता से लिया, सब-इंस्पेक्टर शेखर टेटिया, जांच, समन्वय और फॉलो-अप में अहम योगदान, कांस्टेबल रणवीर, फील्ड में सक्रिय सहयोग और सहायता, हेड कांस्टेबल उमेश कुमार, टीम का मजबूत स्तंभ, जिनकी मेहनत से यह मंजिल हासिल हुई। सक्षम अधिकारी/संस्था के माध्यम से बच्चे की सुपुर्दगी पूरी तरह कानूनी और सुरक्षित तरीके से संपन्न हुई, जिससे परिवार में दोबारा जीवन की रौनक लौट आई। परिवार की ओर से पूरी पुलिस टीम के प्रति हृदय से आभार! बच्चे की सलामती और परिवार की खुशी ही असली जीत है।

विश्व किडनी दिवस 2026 पर लखनऊ में 24 घंटे का किडनी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान सफल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। विश्व किडनी दिवस 2026 के अवसर पर लखनऊ में आयोजित 24 घंटे का निरंतर किडनी स्वास्थ्य जागरूकता, परामर्श और जन-जांच अभियान सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को किडनी रोगों के प्रति जागरूक करना, समय पर जांच के लिए प्रेरित करना और बचाव के उपायों की जानकारी देना था। लखनऊ में आयोजित यह विशेष जनस्वास्थ्य अभियान Nano Homeopathy Institute Research and Welfare द्वारा Human Assistance Foundation के सहयोग से संचालित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लिया और किडनी से जुड़ी बीमारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। अभियान के अंतर्गत 24 घंटे तक लगातार किडनी स्वास्थ्य जागरूकता और जांच कार्यक्रम चलाकर विश्व रिकॉर्ड बनाने का प्रयास भी किया गया। इसके लिए आयोजकों द्वारा आधिकारिक आवेदन किया गया है, जिसे जांच के लिए स्वीकार कर लिया गया है। कार्यक्रम में डॉक्टरों ने विशेष रूप से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और क्रॉनिक किडनी डिजीज (CKD) को किडनी खराब होने के प्रमुख कारण बताते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। विशेषज्ञों ने कहा कि समय पर जांच, संतुलित आहार, नियमित जीवनशैली, तनाव नियंत्रण और चिकित्सकीय परामर्श से किडनी रोगों को काफी हद तक रोका जा सकता है। उनका कहना था कि शुरुआती स्तर पर स्वास्थ्य का ध्यान रखने से किडनी रोगों के इलाज में होने वाले भारी आर्थिक खर्च को लगभग 50 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। इस अवसर पर क्रॉनिक किडनी डिजीज के प्रबंधन में होम्योपैथी की भूमिका पर आधारित पुस्तक "Management of CKD with Homeopathy" का भी विमोचन किया गया। साथ ही ऐसे मरीजों को सम्मानित किया गया जिनकी स्वास्थ्य स्थिति उपचार और जीवनशैली में सुधार से बेहतर हुई है। सम्मानित मरीजों में अशोक कुमार निगम, ए.ए. सिद्दीकी, सरवरी बानो और प्रदीप शामिल रहे। आयोजकों ने बताया कि संस्था द्वारा पहले भी पुलिस स्टेशनों, वृद्धाश्रमों, स्कूलों और बैंकों में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इसी क्रम में आगामी विश्व होम्योपैथी दिवस पर हाईकोर्ट में भी एक विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की योजना है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया, ताकि लोगों में समय पर जांच और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

समाचार

किशोरी छात्रा लापता, मुकदमा दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। आशियाना थाना इलाके में रहने वाली एक 17 वर्षीय किशोरी छात्रा घर से बिना किसी को बताए लापता हो गई। वही पुलिस ने लापता किशोरी के चाचा की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।मूल रूप से बुदवन तहसील, खागा जिला फतेहपुर निवासी शिवम सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह ने बताया उसका 12 वर्षीय भतीजा रुद्रप्रताप सिँह व 17 वर्षीय भतीजी काजल सिंह उसके आशियाना थाना इलाके स्थित सैनिक नगर में रहकर अवध पब्लिक कलिजिएट में पढ़ाई करते हैं। दोनों लोग-बीते 6 मार्च को गाँव से होली का त्यौहार मनाकर आये थे और 8 मार्च को उनको जानकारी हुई कि उनकी भतीजी बिना बताए कहीं चली गयी है। जिसकी जानकारी होने पर उन्होंने खोजबीन करने के बाद उन्होंने स्थानीय आशियाना थाने में पुलिस से लिखित शिकायत की है। पुलिस के अनुसार लापता किशोरी के चाचा की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर तलाश की जा रही है।

अनैतिक संबंध के विवाद में मारपीट धमकी का आरोप , मुकदमा दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। कृष्णानगर कोतवाली इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसी पर अनैतिक संबंध के विवाद को लेकर मारपीट, धमकी देने का आरोप लगाया है। कृष्णानगर क्षेत्र निवासी दीपक कुमार मिश्रा ने बताया कि उनके घर के सामने रहने वाले दीपक अरोड़ा पुत्र राजेंद्र अरोड़ा का उनकी पत्नी साधना मिश्रा से पहले से ही अनैतिक संबंध है, जो अभी भी जारी है। इस संबंध में उन्होंने पहले भी 29 सितंबर 2024 को भोलाखेड़ा चौकी पर शिकायत दी थी। उस समय पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाकर आपसी समझौता कराते हुए एक-दूसरे से दूर रहने की हिदायत दी थी। आरोप है कि 11 मार्च को वह क्षेत्र स्थित जैसवाल जनरल स्टोर के पास खड़ा था उसी दौरान आरोपित दीपक अरोड़ा वहां पहुंच गया और उन्हें देखकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। जिसके चलते उसने अपना प्राथमिक उपचार कराने के बाद स्थानीय कृष्णा नगर कोतवाली में पुलिस से लिखित नामजद शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच कार्रवाई किया जा रहा है।

जालसाजों ने गूगल के माध्यम से बैंक खातों से उड़ाए 65 हजार रुपये, रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। कृष्णा नगर कोतवाली इलाके में रहने वाले एक खाताधारक के दो अलग-अलग बैंक खाते से जालसाजों ने 65 हजार रुपये गूगल के माध्यम से बैंक खाते से निकल हडप लिए। कृष्णा नगर कोतवाली इलाके स्थित विशेश्वर नगर निवासी नीरज कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्वछ राधेश्याम श्रीवास्तव ने बताया बीते 20 फरवरी को अज्ञात साइबर जालसाजों ने किसी अनधिकृत माध्यम से उसके दो अलग-अलग बैंक खाते आई सी आई सी आई बैंक खाता व पंजाब नेशनल बैंक खाता से कुल 65 हजार रुपये गूगल पे द्वारा बिना उसकी जानकारी सहमति एवं अनुमति के धनराशि निकाल हड़प लिया। जिसकी जानकारी होने पर उसने साइबर सेल सहित स्थानीय कृष्णा नगर कोतवाली में पुलिस से लिखित शिकायत की है। वही पीड़ित का कहना था उसने किसी भी व्यक्ति के साथ अपना ओ टी पी पिन अथवा किसी प्रकार की अनुमति साझा नहीं की है। पुलिस के अनुसार पीड़ित की शिकायत पर बुधवार को जांच के बाद रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई किया जा रहा है।

देश में गैस सिलेंडर की हाहाकार, मोदी सरकार है जिम्मेदार- सतीश कुमार चतुर्वेदी

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश-लोक जन समाज पार्टी (भारत) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश कुमार चतुर्वेदी ने आज केन्द्र एवं प्रदेश सरकार को चेताया है कि आज सिर्फ और सिर्फ सरकार के गलत नितियों एवं रवैया के वजह से पुरे देश में गैस सिलेंडर को लेकर आम जनमानस में हाहाकार मचा हुआ है। और गैस सिलेंडर वितरण करने वाले एजेंसीयों के द्वारा आमजन को किल्लत का सामना कराया जा रहा है। इतने हाहाकार के बाद भी अगर सरकार नहीं चेती तो वह दिन दूर नहीं है कि यहां भी नेपाल के तरह से सरकार को जेन जी का सामना करना पड़े। और पच्चीस मार्च से लोजसपा भारत की टीम हर गांव हर शहर हर टोले मुहल्ले में जा जा कर लोगों को जागरूक करने का कार्य करेगा।और सरकार के सभी गलत एवं दमनकारी नीतियों का पर्दाफाश करने का कार्य किया जाएगा।

नगर निगम के नए भवन का महापौर सुषमा खर्कवाल ने किया औचक निरीक्षण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। गोमती नगर में बन रहे नगर निगम के नए भवन का महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ औचक निरीक्षण किया और निर्माण कार्य की प्रगति व गुणवत्ता की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की धीमी गति पर महापौर ने नाराजगी जताते हुए निर्माण एजेंसी सीएंडडीएस के अधिकारियों और ठेकेदार को फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निर्धारित समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा किया जाए।इसके बाद एसबीएम हॉल में बैठक कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की समीक्षा की गई। महापौर ने नगर निगम अधिकारियों को हर शनिवार निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए, ताकि परियोजना को समय पर पूरा किया जा सके।उन्होंने कहा कि नगर निगम का नया भवन बनने से शहर की प्रशासनिक व्यवस्था और सेवाएं और बेहतर होंगी।

एसजीपीजीआईएमएस के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में फायर मॉक ड्रिल, आपदा प्रबंधन तैयारियों का लिया गया जायजा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (SGPGIMS) के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में गुरुवार को आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता का मूल्यांकन करने और अस्पताल की आपदा प्रबंधन प्रणाली को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसके बाद विस्तृत डिब्रीफिंग सत्र भी आयोजित किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान दोपहर 12:32 बजे काल्पनिक आग लगने की स्थिति दर्शाई गई। घटना की सूचना एक मिनट के भीतर कंट्रोल रूम को दे दी गई और दो मिनट के भीतर प्रथम प्रतिक्रिया दल घटनास्थल पर पहुंच गया। टीम ने आपात स्थिति और घबराहट जैसे माहौल के बीच मरीजों की सुरक्षित निकासी और बचाव कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया, जो टीमवर्क और तत्परता का प्रभावी उदाहरण रहा। डिब्रीफिंग सत्र की अध्यक्षता श्री अभय भान पांडेय (सेवानिवृत्त पूर्व मुख्य अग्निशमन अधिकारी, लखनऊ एवं वर्तमान मुख्य अग्निशमन अधिकारी, मेदांता हॉस्पिटल) और मेजर (डॉ.) सौरभ सिंह, सहायक प्रोफेसर, विभाग-अस्पताल प्रशासन ने की। इस अवसर पर डॉ. अनीट्टा जोसे एलेनकिल, डॉ. क्रिस अग्रवाल, डॉ. सुमंगल बोस, डॉ. दीक्षा, डॉ. कृतिका सिंह, डॉ. पूजा यादव, डॉ. अंकिता सेंगर, डॉ. पलक पाल, विजय यादव (टीओ, फायर सेफ्टी सर्विसेज), प्रभास झा (फायर इंचार्ज), ए.के. राही (ए.ई. इलेक्ट्रिकल), कुलदीप यादव (जे.ई., एसी) तथा डी.के. पांडेय (एएसओ) सहित अस्पताल की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम के सदस्य उपस्थित रहे। इस अभ्यास का उद्देश्य वास्तविक परिस्थितियों में प्रतिक्रिया क्षमता का आकलन करना, संचालन से जुड़ी कमियों की पहचान करना तथा अस्पताल में अग्नि सुरक्षा के सर्वोत्तम उपायों को और सुदृढ़ करना था। डिब्रीफिंग के दौरान विशेषज्ञों ने कुछ सुधारात्मक बिंदुओं पर भी चर्चा की। इनमें राहत एवं बचाव कार्य के साथ-साथ आग पर तुरंत नियंत्रण को प्राथमिकता देना, संचार प्रणाली को और प्रभावी बनाना तथा प्रथम प्रतिक्रिया दल को सटीक और त्वरित जानकारी उपलब्ध कराना शामिल था। इसके अतिरिक्त व्हीलचेयर जैसे आपातकालीन उपकरणों की बेहतर उपलब्धता, फायर एक्सटिंग्विशर के स्पष्ट संकेतक, तथा आपात स्थिति में बिजली बंद करने से संबंधित संचार व्यवस्था को और बेहतर बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि आपातकालीन कोड स्पष्ट रूप से घोषित किए जाएं, विभिन्न कर्मचारियों की जिम्मेदारियां पूर्व निर्धारित जॉब कार्ड के माध्यम से तय हों और संकट की स्थिति में चिकित्सकीय, हाउसकीपिंग तथा तकनीकी टीमों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। बैठक के अंत में सभी सुधारात्मक सुझावों को शीघ्र लागू करने, कर्मचारियों के प्रशिक्षण को और मजबूत करने तथा आपदा प्रबंधन की तैयारियों को और प्रभावी बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई, ताकि मरीजों और अस्पताल कर्मियों की सुरक्षा हर समय सुनिश्चित की जा सके। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि नियमित मॉक ड्रिल और व्यवस्थित समीक्षा तंत्र किसी भी स्वास्थ्य संस्थान में आपदा से निपटने की तैयारी बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, जिससे किसी भी आपात स्थिति का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

जे.पी.एस. एकेडमी के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन, मेडल व कप से हुए सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। जे.पी.एस. एकेडमी, गीतापुरी खरगापुर, गोमतीनगर के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते

हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। मार्च 2026 में अपना एक और सफल शैक्षिक वर्ष पूर्ण कर रहे विद्यालय के विद्यार्थियों ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। विश्व गायत्री परिवार द्वारा संचालित भारतीय संस्कृत चयन परीक्षा 2025-26 में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कप (ट्रॉफी) प्राप्त किए। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में अंश राज रावत, शमशाद अली, अभय विश्वकर्मा, कार्तिक शुक्ला, वंश , आशु अवस्थी, शशांक पाल, सोनिया मौर्य, सुमन राजपूत, शालिनी यादव, रुद्र प्रताप सिंह, अंकलेश्वर रावत, दीपक यादव, सौरभ विश्वकर्मा, रुही पाल, कन्हैया मौर्य, कुलसुम खान, सूरज कुमार विश्वकर्मा, रोशनी सिंह, यश यादव, उमा सिंह, निशा मौर्य, काजल राजपूत, वैष्णवी, साक्षी गौतम, पावनी सिंह, अदिति यादव, सगुन अवस्थी, स्वाति शुक्ला, दिव्यांशी विश्वकर्मा, सेजल राजपूत, संध्या मौर्य, सोनिया मौर्य और अलीशा खान शामिल हैं। इसके अतिरिक्त गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर आयोजित देशभक्ति कार्यक्रमों में शानदार प्रस्तुतियों के लिए भी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षकों में आरती देवी को भारतीय संस्कृत ज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तथा कु. सोनम जायसवाल को गणतंत्र दिवस के देशभक्ति कार्यक्रम में शानदार प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रबंधक संजय शुक्ल ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों में संस्कार, देशभक्ति और ज्ञान के प्रति रुचि को बढ़ावा देती हैं। विद्यालय परिवार ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अच्छी नींद स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक, नींद से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूकता जरूरी

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। श्वसन एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग, द्वितीय तल शताब्दी चिकित्सालय फेज-2, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ में 13 मार्च 2026 को विश्व नींद दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम 卐अच्छी नींद लें, बेहतर जीवन जिएं卐 रखी गई है। विभागाध्यक्ष प्रो. (डा.) वेद प्रकाश ने कहा कि नींद से जुड़ी बीमारियों की पहचान बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इनके कारण हृदय रोग के मामले बढ़ रहे हैं और मधुमेह, रक्तचाप व मोटापा जैसी समस्याएं भी अनियंत्रित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए समाज में जागरूकता और सही जानकारी देना जरूरी है। सफलता की दौड़ में लोगों को अच्छी नींद का महत्व नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि अच्छी नींद शरीर की बुनियादी आवश्यकता है और हर रात की अच्छी नींद अगले दिन को बेहतर बनाती है। उन्होंने बताया कि विश्व नींद दिवस हर वर्ष नींद से संबंधित बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह दिवस विश्व नींद सोसायटी द्वारा वर्ष 2008 से मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य समाज में निद्रा विकारों को कम करना और लोगों को स्वस्थ नींद के महत्व के प्रति जागरूक करना है। यह दिवस हर वर्ष उस शुक्रवार को मनाया जाता है जब दिन और रात लगभग बराबर होते हैं। वर्ष 2026 में यह दिवस शुक्रवार 13 मार्च को मनाया गया। विशेषज्ञों के अनुसार पूरे विश्व में लगभग 40 प्रतिशत वयस्क अनिद्रा से ग्रसित हैं, जो सबसे सामान्य निद्रा रोग है। लगभग 3 से 7 प्रतिशत वयस्क अवरोधक निद्रा श्वास रुकावट नामक बीमारी से प्रभावित हैं, जो दूसरा प्रमुख निद्रा विकार है। अधिकतर मामलों में यह बीमारी समय पर पहचान में नहीं आ पाती, जबकि यह उच्च रक्तचाप तथा मस्तिष्क संबंधी

कई बीमारियों की प्रमुख वजह बनती है। अनुमान के अनुसार दुनिया में लगभग 93 करोड़ वयस्क इससे प्रभावित हैं, जिनमें करीब 42 करोड़ लोग मध्यम से गंभीर स्तर की समस्या से जूझ रहे हैं। यह विकार हृदय रोग, चयापचय संबंधी बीमारियों, पक्षाघात और अवसाद का जोखिम बढ़ाता है। अनुमान है कि इस बीमारी के कारण विश्व स्तर पर हर वर्ष लगभग एक लाख करोड़ रुपये तक का आर्थिक बोझ पड़ता है और करीब 80 प्रतिशत मामलों में इसकी पहचान देर से हो पाती है। इसके अलावा लगभग 2 से 3 प्रतिशत वयस्क बेचैन पैरों की समस्या से ग्रसित होते हैं, जबकि 4 से 5 प्रतिशत लोग अन्य निद्रा विकारों जैसे नींद में चलना या घबराहट की समस्या से प्रभावित पाए जाते हैं। लगभग 45 प्रतिशत लोग नींद की कमी के प्रभाव को महसूस करते हैं, जो उनके स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डालता है। विशेषज्ञों ने बताया कि अच्छी नींद स्वास्थ्य और समग्र कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है। पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद शरीर को ऊर्जा देती है और कार्यक्षमता बढ़ाती है, जबकि खराब नींद शरीर और मन दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। जिस प्रकार संतुलित आहार और नियमित व्यायाम जरूरी हैं, उसी प्रकार पर्याप्त नींद भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। नींद से जुड़ी बीमारियों के प्रमुख लक्षणों में दिन में अधिक नींद आना, नींद आने में कठिनाई, रात में बार-बार जागना, नींद पूरी न होना, तेज खर्राटे आना, नींद के दौरान घुटन महसूस होना, सिरदर्द, थकान, चिड़चिड़ापन, याददाश्त में कमी तथा नींद में चलना या बोलना शामिल हैं। निद्रा विकार की पहचान के लिए चिकित्सक मरीज का चिकित्सकीय इतिहास, नींद की जानकारी, शारीरिक परीक्षण तथा विभिन्न जांच उपकरणों का उपयोग करते हैं। इसके बाद नींद अध्ययन सबसे सटीक जांच मानी जाती है, जिसमें मस्तिष्क की गतिविधि, आंखों की गति, हृदय की गति, सांस लेने का तरीका और शरीर की गतिविधियों को रिकॉर्ड कर बीमारी की पहचान की जाती है। यदि इन बीमारियों का समय पर उपचार न किया जाए तो उच्च रक्तचाप, हृदयाघात, मधुमेह, मोटापा, याददाश्त में कमी, पक्षाघात, मानसिक रोग और दिन में काम करने की क्षमता में कमी जैसी जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। इन समस्याओं से बचाव के लिए नियमित व्यायाम, वजन नियंत्रण, योग, श्वास सहायक उपकरणों का उपयोग, मुख संबंधी उपकरण, आवश्यकता होने पर शल्य चिकित्सा तथा ऑक्सीजन चिकित्सा जैसे उपचार उपलब्ध हैं। श्वसन एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग में इस बीमारी के निदान और उपचार के लिए सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। विभाग में अत्याधुनिक 64 चैनल वाली नींद प्रयोगशाला स्थापित है, जहां नींद अध्ययन किया जाता है। इसके लिए मरीज को एक रात अस्पताल में रुकना होता है और जांच के आधार पर उचित उपचार किया जाता है। कार्यक्रम में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (एरा विश्वविद्यालय), प्रो. वेद प्रकाश, डॉ. ऋषि सेठी (हृदय रोग विभाग), प्रो. श्रीकांत श्रीवास्तव (वृद्धावस्था मानसिक विभाग), प्रो. राजेश वर्मा (तंत्रिका रोग विभाग), डॉ. अनुपम मिश्रा (कर्ण-नाक-गला विभाग), प्रो. पी.के. वर्मा तथा प्रो. पूरन चन्द्र उपस्थित रहे और निद्रा विकारों के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डा. सचिन कुमार, डा. आरिफ, डा. अनुराग त्रिपाठी, डा. रत्न त्यागी, डा. यश जगधारी, डा. दीपक शर्मा, डा. शुभ्रा श्रीवास्तव सहित अन्य चिकित्सक एवं गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की कि स्वस्थ जीवन के लिए अच्छी और पर्याप्त नींद को प्राथमिकता दें।

संपादकीय

इच्छामृत्यु का ऐतिहासिक फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक अभूतपूर्व फैसले में इच्छामृत्यु को मंजूरी दी है। अदालत ने 32 साल के हरीश राणा के लिए इच्छामृत्यु की इजाजत दी। सुप्रीम कोर्ट में जब जस्टिस जे. बी. पारदीवाला यह फैसला सुना रहे थे तो इस दौरान वे बेहद भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गई थी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने हरीश राणा के माता-पिता को उनकी जीवनरक्षक चिकित्सा हटाने की इजाजत दे दी है। हरीश राणा पिछले 13 साल से लगातार वेजिटेटिव स्टेट यानी कोमा में हैं। अपना फैसला पढ़ते समय जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि हरीश राणा कभी एक होनहार छात्र थे और अपनी पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन एक दुर्घटना ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि ऐसे मामलों में मुख्य सवाल यह नहीं होता कि मरीज के लिए मौत बेहतर है या नहीं, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि जीवन को बनाए रखने वाला इलाज मरीज के हित में है या नहीं। अदालत ने कहा कि हरीश राणा में सिर्फ सोने-जागने के चक्र में फंसे हुए हैं, लेकिन वह किसी भी तरह की अर्थपूर्ण प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे हैं। वह अपने दैनिक कामों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हैं। अदालत ने यह भी बताया कि हरीश को पीईजी ट्यूब के जरिए क्लिनिकली एडमिनिस्टरड न्यूट्रिशन दिया जा रहा है और इतने सालों में उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है। 20 अगस्त 2013 को हरीश राणा अपने छात्रावास की चौथी मंजिल से गिर गए थे। उनके सिर में गहरी चोट लगी और लंबे इलाज के बावजूद वे कोमा से निकल नहीं पाए हैं। उनकी स्थिति को देखते हुए उनके अभिभावकों ने ही इच्छामृत्यु की प्रार्थना की थी। जिस पर दिसंबर 2025 की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा की निष्क्रिय इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया था। तब भी अदालत ने कहा था कि हरीश पिछले 13 वर्षों से गंभीर स्थिति में हैं, और उन्हें इस हालत में जीने नहीं दिया जा सकता। हरीश राणा को ट्यूब के जरिए पोषण पहुंचाकर जिंदा तो रखा गया, लेकिन वे किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे थे और लगातार बिस्तर पर होने के कारण उनकी शारीरिक अवस्था भी सही नहीं थी। उनकी चिकित्सा रिपोर्ट्स में इन सारी तकलीफों का विस्तार से वर्णन किया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने नई दिल्ली में एम्स के चिकित्सकों के द्वितीयक चिकित्सा बोर्ड द्वारा दाखिल की गई राणा की चिकित्सा संबंधी रिपोर्ट का अवलोकन किया था और कहा था कि यह रिपोर्ट दुखद है। प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड ने मरीज की स्थिति की जांच करने के बाद कहा था कि उसके ठीक होने की संभावना नगण्य है। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल 11 दिसंबर को मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार यह व्यक्ति बेहद दयनीय स्थिति में है। पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया है ताकि चिकित्सकीय उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उपचार को एक सुनियोजित तरीके से बंद किया जाए ताकि गरिमा बनी रहे। आमतौर पर यही कहा जाता है कि जब आप किसी व्यक्ति को जीवन दे नहीं सकते, तो जीवन लेने का हक भी आपको नहीं है। कई देशों में इसी आधार पर मृत्युदंड पर भी बहस छिड़ी रहती है, क्योंकि एक बार सांसों की डोर टूट गई, तो फिर उसे जोड़ने का कोई उपाय नहीं है। लेकिन अगर व्यक्ति जिंदा होकर भी किसी मृतप्राय व्यक्ति की तरह हो जाए, जिसके लिए कोई इलाज कारगर न साबित हो, जो असहनीय तकलीफों से गुजरे तो क्या उसे इच्छामृत्यु की इजाजत दी जा सकती है। तब क्या इसे हत्या या आत्महत्या या मृत्युदंड से अलग न्यायोचित ठहराया जा सकता है। ऐसे कई सवाल इच्छामृत्यु के फैसले पर उठते रहे हैं। बुधवार को आए इस फैसले के बाद सम्मानजनक मृत्यु के अधिकार यानी श्राइट टू डाई विद डिग्निटीश् जैसे अहम सवाल पर नयी चर्चा शुरु हो सकती है। दरअसल भारत में ऐसा ही एक मामला 1973 में आया था, जब मुंबई के केईएम अस्पताल के वार्डबॉय सोहनलाल वाल्मीकि ने नर्स अरुणा शानबाग के साथ बेरहमी से यौन उत्पीड़न किया और गला दबाया था, जिससे वे स्थायी रूप से कोमा में चली गई थी। उनके माता-पिता नहीं थे और इस घटना के बाद परिजनों ने भी उनका त्याग कर दिया था। मगर अस्पताल की साथी नर्सों ने उन्हें कोमा में होने के बावजूद जीवित रखने की पूरी कोशिश की। 2009 में पत्रकार पिंकी विरानी ने उनकी दर्दनाक हालत को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय में इच्छा मृत्यु की याचिका दायर की थी, अदालत ने 7 मार्च 2011 को याचिका खारिज कर दी थी, क्योंकि उनका इलाज करने वाली नर्सें और डॉक्टर उन्हें जीवित रखने के लिए प्रतिबद्ध थे।

भारतीय रसोई में गैस छोड़कर बिजली का उपयोग शुरू करने की जरूरत

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध ने खाड़ी देशों से कच्चे तेल, तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एल.एन.जी.) और रिफाइनरी उत्पादों की आपूर्ति रोक दी है, जिससे भारत को खाना पकाने के लिए आयातित हाइड्रोकार्बन पर निर्भरता की वास्तविकता का एहसास हो गया है। अब समय आ गया है कि हम अपने रसोईघरों में तरल पैट्रोलियम गैस (एल.पी.जी.) और पाइपलाइन वाली प्राकृतिक गैस (पी.एन.जी.) का उपयोग कम करना शुरू करें। एल.पी.जी. मूल रूप से प्रोपेन और ब्यूटेन का मिश्रण है, जबकि पी.एन.जी. मुख्य रूप से मीथेन है, ठीक उसी तरह, जैसे संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सी.एन.जी.), जिसका उपयोग वाहन पैट्रोल और डीजल के कम कार्बन वाले विकल्प के रूप में करते हैं। इसकी बजाय, हमें घरेलू कोयले और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न बिजली से चलने वाले इलैक्ट्रिक स्टोव पर खाना पकाना चाहिए। चूंकि हमारे पास अपना कोयला है, इसलिए इसकी आपूर्ति विदेशों में युद्ध से बाधित नहीं हो सकती। न ही इसकी कीमत भू-राजनीतिक उतार-चढ़ाव से प्रभावित होती है। अब जबकि विद्युतीकरण दूरदराज के क्षेत्रों तक भी पहुंच गया है और घर बिजली ग्रिड से जुड़ गए हैं, जिनमें से कुछ छोटे जलविद्युत या नवीकरणीय परियोजनाओं द्वारा संचालित स्थानीय नैटवर्क हैं, एकमात्र चुनौती आपूर्ति की निरंतरता और वोल्टेज स्थिरता के संदर्भ में विश्वसनीयता है। यदि बिजली क्षेत्र में राजनीतिक मूल्य निर्धारण को हटा दिया जाए, तो बिजली कटौती के कारण होने वाली असुविधा चिंता का विषय नहीं रहेगी। हमारे प्रचुर मात्रा में कोयले के भंडार को निकालने के लिए व्यावसायिक खनिकों के चयन में भी राजनीति की भूमिका होती है। इसमें भी सुधार की गुंजाइश है। आदर्श रूप से, खाना पकाने के लिए इंडक्शन स्टोव का उपयोग करना चाहिए, न कि सिरेमिक डिस्क पर बने खांचों में लिपटी हीटिंग कॉइल का। हीटिंग कॉइल गैस स्टोव की तरह ही काम करती है- यह खाना पकाने के बर्तन के बाहरी हिस्से को गर्म करती है, जिससे उसके अंदर रखे भोजन तक गर्मी पहुंचती है, लेकिन इस प्रक्रिया में काफी मात्रा में विकिरण ऊष्मा नष्ट हो जाती है। इसके विपरीत, इंडक्शन स्टोवटॉप के ऊपर एक विद्युत-चुंबकीय क्षेत्र बनाता है जो स्टोव की दीवार में कई छोटे-छोटे विद्युत धारा के भंवर उत्पन्न करता है। इस पर रखे बर्तन (यदि वह सही सामग्री का हो) के कारण, इलैक्ट्रॉन प्रवाह के प्रति बर्तन का प्रतिरोध उसे गर्म करता है और भोजन को पकाता है। हालांकि इंडक्शन स्टोव महंगे हो सकते हैं, क्योंकि उनके लिए विशेष बर्तनों की आवश्यकता होती है, लेकिन जो लोग इन्हें वहन कर सकते हैं, उन्हें इसके फायदों पर ध्यान देना चाहिए। ये अपनी विद्युत ऊर्जा का 85-90 प्रतिशत तापीय ऊर्जा में परिवर्तित करते हैं, जबकि गैस स्टोव की दक्षता केवल 40 प्रतिशत के आसपास होती है। बॉटलिंग प्लांट में भरे गए एल.पी.जी. सिलैंडरों की डिलीवरी और ट्रकों द्वारा परिवहन में उपयोग की जाने वाली ऊर्जा को भी शामिल करें। शहरी पी.एन.जी. नैटवर्क में भी लागत आती है।

मोजतबा खामेनेई को सर्वोच्च नेता बनाना ईरानी नेतृत्व की निरन्तरता का संकेत

"ईरान ने 9 मार्च को मोजतबा खामेनेई को उनके पिता आयतुल्ला अली खामेनेई की जगह ईरान का सर्वोच्च नेता बनाने का ऐलान किया, जिससे यह संकेत मिलता है कि कट्टरपंथी मजबूती से सत्ता में बने हुए हैं"

असद मिर्जा

ईरान ने 9 मार्च को मोजतबा खामेनेई को उनके पिता आयतुल्ला अली खामेनेई की जगह ईरान का सर्वोच्च नेता बनाने का ऐलान किया, जिससे यह संकेत मिलता है कि कट्टरपंथी मजबूती से सत्ता में बने हुए हैं। ईरानी संस्थाओं और राजनेताओं, विदेश मंत्रालय से लेकर सांसदों तक, ने देश के नए सर्वोच्च नेता के प्रति अपनी वफादारी जताते हुए बयान जारी किए, जबकि युद्ध अपने 10वें दिन में पहुंच गया और पूरे मध्य पूर्व में नए मिसाइल और ड्रोन हमलों की गूंज सुनाई दी। इसका नतीजा यह भी हुआ है कि पश्चिमी देश ईरान में मौजूदा शासन को उखाड़ फेंकने में नाकाम रहे हैं। सालों से पश्चिम ईरान में इस्लामवादियों के नेतृत्व वाले शासन को बदलने की बहुत कोशिश करता रहा है। इस्लाम विरोधी और शिया विरोधी रुख को बढ़ावा देने के लिए इसने देश में लोकतंत्र की कमी, महिलाओं पर जुल्म, सामाजिक ठहराव और आर्थिक गिरावट पर चिंता जताई। लेकिन असली वजह हमेशा से यही रही है कि ईरान के तेल और खनिज संपदा को कैसे नियंत्रित किया जाए और देश को पूंजीवादी सोच के आगे कैसे झुकाया जाए। अभी का अमेरिकी-इजरायली दखल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, दोनों के एक बयानबाजी वाले अभियान की वजह से हुआ, जिसमें ईरानियों से श्उठनेश् की अपील की गई। अयातुल्ला अली खामेनेई और दूसरे बड़े ईरानी अधिकारियों की हत्या को गठबंधन की एक बड़ी कामयाबी के तौर पर मनाया गया। जर्मनी के फिलिप्स-यूनिवर्सिटेटमारबर्ग में मध्य पूर्व के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर मोहम्मद रजा फरजानेगन का मानना है कि यह यकीनन नहीं कहा जा सकता कि एक केन्द्रीय नेता को हटाने से श्छोटी और अहम रुकावटश् आएगी और उसके बाद आसानी से बदलाव होगा।

असल में, अयातुल्ला खामेनेई के बाद ईरान शायद वैसा बिल्कुल न हो जैसा दखल देने वाले चाहते हैं। अगर हम मध्य पूर्व को और बड़े पैमाने पर देखें, तो हम तीन ऐसे देश पहचान पाएंगे, जहां सरकार बदलने में बाहरी दखल से आसानी से बदलाव और स्थिरता नहीं आई है। इराक, सीरिया और लीबिया में सिर्फ अफरा-तफरी देखी गई है, स्थिरता नहीं। जबकि इस इलाके का चौथा देश, जिसके बारे में सबसे ज्यादा नकारात्मक आशंकाएं जताई जा रही थीं, इन बातों को गलत साबित करने में कामयाब रहा है, और ऐसा लगता है कि तालिबान ने देश में अपना नियंत्रण मजबूत कर लिया है। 2003 में अमेरिकी हमले के बाद इराक में कई बगावतें और सिविल वॉर हुए हैं, और लोकतंत्र लाने की तमाम कोशिशों के बावजूद, देश अभी भी 2003 से पहले वाली स्थिरता पर नहीं लौट पाया है। 2011 में नाटो के दखल के बाद लीबिया के टूटने से कोई साफ सुधार नहीं दिख रहा है। देश शासन के दो केन्द्रों -त्रिपोली और बेंगाजी -के बीच बंटा हुआ है। अलअसद को हराने वाले के गिरने और देश के राजनीतिक परिदृश्य पर अलशरा के आने के बाद सीरिया लोगों के लिए कोई नई वेलफेयर सरकार नहीं बना पाया है, बल्कि अमेरिकी प्रशासन ने अलशरा को सहारा दिया है। लेकिन ईरान का मामला इन देशों से कई तरह से अलग है। इसके अलावा, अयातुल्ला खामेनेई की हत्या का गहरा असर हो सकता है, जिसके कारण देश का पतन नहीं हो सकता है। शिया इस्लाम के प्रतीकात्मक संसार में, जिससे ज्यादातर ईरानी जुड़े हुए हैं, खामेनेई की मौत को एक शहीदी पटकथा के पूरा होने के तौर पर देखा जा सकता है। इस्लाम के कहे जाने वाले दुश्मनों के हाथों मौत को हार के बजाय मुक्ति का रास्ता माना जा सकता हैय यह कोई कड़वा पतन नहीं है, जैसा कि मध्य पूर्व के दूसरे शासकों के साथ हुआ जिन्हें हटा दिया गया या मार दिया गया। इसके बजाय यह एक आदर्श अंत हैरू बलिदान के जरिए राजनीतिक जिंदगी को पवित्र बनाना, प्रोफेसर फरजानेगन कहते हैं। ईरान के लिए, अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासनिक एकता और भौगोलिक अखंडता को बनाए रखा जा सकता है। इसे हासिल करना मुख्य रूप से डीप स्टेट के बने रहने पर निर्भर करता है, जो देश की वित्तीय और जरूरी सेवाओं को प्रबंधित करने वाली मजबूत असैन्य अधिकारी तंत्र और प्रौद्योगिकी वर्ग है। इसके अलावा, प्रोफेसर फरजानेगन का मानना है कि इलाके की अखंडता रेगुलर आर्मी (आर्टेश) और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के बीच लगातार एकता पर निर्भर करती है।

नीतीश की विदाई या जदयू का सफाया

आलेख : राजेंद्र शर्मा

नाटक के पहले अंक में, बिहार के मुख्य मंत्री पद पर बने रहते हुए, नीतीश कुमार ने राज्यसभा की सदस्यता के लिए चुनाव के लिए अपना पर्चा भरा। यह पर्चा भरे जाने के संबंध में दो बातें खास तौर पर गौर करने वाली थीं। पहली, यह पर्चा नीतीश कुमार की अपनी पार्टी, जदयू के मंझले दर्जे के नेताओं और कार्यकर्ताओं के मुखर तथा काफी व्यापक विरोध के बावजूद भरा गया। इस विरोध की शुरूआत, राज्यसभा के रास्ते से नीतीश कुमार की बिहार से विदाई की खबरें आने के साथ ही हो गयी थी। वास्तव में इस मुखर विरोध को शांत करने के लिए और बिहार से अपनी विदाई के लिए, बिहार में गठजोड़ सरकार में अपनी सहयोगी, भाजपा को अपने समर्थकों का निशाना बनने से बचाने के लिए, नीतीश कुमार ने यह अजीबो-गरीब बयान भी दिया था कि उनकी ही इच्छा थी कि राज्यसभा के सदस्य के रूप में भी देश की सेवा करें। वैसे बिहार में सरकार और पार्टी को उनका मार्गदर्शन मिलता रहेगा। जाहिर है कि उनके इस बयान का कम-से-कम जदयू कार्यकर्ताओं की निराशा पर कोई असर नहीं पड़ा। हां! भाजपा को जरूर आलोचनाओं से अपने को बचाने के लिए कुछ सहारा मिल गया। नीतीश कुमार के राज्यसभा का पर्चा भरने के संबंध में दूसरी खास बात थी, इस मौके पर देश के गृहमंत्री और भाजपा में मोदी के बाद नंबर दो माने जाने वाले, अमित शाह का नीतीश कुमार की बगल में खड़े रहना। इस मौके पर अमित शाह की उपस्थिति एक प्रकार से इसकी याद दिलाने के लिए भी थी कि बिहार की सत्ता में आम तौर पर तथा जदयू में खासतौर पर यह संक्रमण, उनके ही चाणक्य नीति लक्ष्यों के पूरे होने का इशारा कर रहा था। जाहिर है कि खुद अपने हाथों से फैसलों को लागू कराने में विश्वास करने वाले और नरेंद्र मोदी के सबसे बड़े विश्वासपात्र, अमित शाह इस मौके पर खुद उपस्थित रहकर यह तो खैर सुनिश्चित कर ही रहे थे कि भाजपा के मनमाफिक कार्ययोजना बिना किसी दिक्कत के अमल में लाई जाए और उसे जमीन पर उतारने में आखिरी वक्त पर कोई अड़चन नहीं आने पाए। इसी नाटक के दूसरे अंक में, जाहिर है कि पूर्व-योजना के अनुसार, पटना में जदयू कार्यालय में बड़ी धूम-धाम के साथ नीतीश कुमार के पुत्र, निशांत कुमार की राजनीतिक पारी की शुरूआत का ऐलान किया गया। नीतीश कुमार के बाद, जदयू के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाने वाले, पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और केंद्रीय मंत्री, ललन सिंह ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलायी। हालांकि, औपचारिक तौर पर यह मौका निशांत कुमार के पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने का था, लेकिन इसमें न तो निशांत कुमार को कोई शक था और न उन्हें पार्टी का सदस्य बनाने वालों को कि, वास्तव में यह उनके पार्टी का नेतृत्व संभालने का मौका था। इस मौके पर अपने संबोधन में निशांत कुमार ने जिस तरह, नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में ही काम करने का आश्वासन देने के बाद, पार्टी कार्यकर्ताओं की राय के अनुसार, पार्टी को मजबूत करने का भरोसा दिलाया, वह पार्टी का नेतृत्व संभालने के मौके के अनुरूप था। और जनता के दिल में घर बनाने की कोशिश करने का उनका आश्वासन तो, यह साफ ही कर देता था कि वह इस आयोजन को पार्टी की गद्दी ही सौंपे जाने के मौके की तरह देख रहे थे। याद दिला दें कि बिहार में सत्ता परिवर्तन के, जाहिर है कि भाजपा अनुमोदित पैकेज के हिस्से के तौर पर, निशांत कुमार को बिहार सरकार में महत्वपूर्ण और जदयू की ओर से संभवत: सबसे महत्वपूर्ण पद सौंपे जाने की चर्चा, पहले ही चल रही थी। इन अनुमानों में आम तौर पर जानकारों की यह राय रही है कि उन्हें उप-मुख्यमंत्री पद सौंपा जा सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री पद भाजपा को दिलवाया जाना तो इस पूरी कसरत का

असली मकसद ही है। प्रसंगवश इसका जिक्र भी कर दें कि निशांत कुमार के %राज्यारोहण% के समय तक, जदयू कार्यकर्ताओं का असंतोष शांत नहीं हुआ था। इस मौके पर भी जदयू कार्यालय में, पार्टी कार्यकर्ताओं के एक हिस्से और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के समर्थकों में, बाकायदा मार-पीट हुई। याद रहे कि जदयू कार्यकर्ताओं का अच्छा-खासा हिस्सा इस सारे बदलाव को, नीतीश कुमार और जदयू के खिलाफ एक साजिश के रूप में देखता है, जिसे पर्दे के पीछे से केंद्र सरकार तथा भाजपा संचालित कर रही है। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह की जदयू और नीतीश कुमार के प्रति वफादारी पर संदेह जताए जाते रहे हैं। यह भी याद दिला दें कि बिहार में यह सत्ता संक्रमण किसी भी तरह से अप्रत्याशित नहीं है। वास्तव में, पिछले साल राज्य में विधानसभा चुनाव के मौके पर तो लगातार ही विपक्ष की ओर से यह सवाल उठाया जाता रहा था कि क्या भाजपा, चुनाव के बाद गठबंधन के कामयाब होने की सूरत में, अगले पांच साल के लिए मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार का नेतृत्व स्वीकार करेगी? विपक्ष ही नहीं, अनेक टिप्पणीकारों के भी इस आशय के सवालों के बावजूद, भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान काफी वक्त तक इस सवाल का स्पष्ट उत्तर देने से बचती ही रही थी। इसके बजाय भाजपा, नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही विधानसभा चुनाव लड़े जाने पर जोर देती रही थी, लेकिन इसे विशेष रूप से महाराष्ट्र के अनुभव की रौशनी में, चुनाव में जीत के बाद भी नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनने पर, संदेह बनाए रखने का ही इशारा माना जा रहा था। पाठकों को याद ही होगा कि महाराष्ट्र में गठजोड़ सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में विधानसभाई चुनाव लड़े जाने के बाद, विधानसभा में अपनी ताकत ज्यादा होने के तर्क से भाजपा ने, मुख्यमंत्री पद खुद अपने नाम कर लिया था और शिंदे को धकेल कर उप-मुख्यमंत्री पद पर पहुंचा दिया था। स्वाभाविक रूप से बिहार में पूछा जा रहा था कि यह मानने का क्या आधार है कि भाजपा, महाराष्ट्र के इस पैंतरे को बिहार में भी नहीं आजमाएगी। उल्टे नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर बढ़ते सवालों के बीच, इसकी अटकलों को और बल ही मिल रहा था कि चुनाव में जीत मिली तो भाजपा, अपना मुख्यमंत्री बनवाएगी। वास्तव में ये आशंकाएं बिहार में 2020 के आखिर में हुए चुनाव के नतीजे में, सत्ताधारी जदयू-भाजपा गठजोड़ में ताकतों के संतुलन में हुए बदलाव की भी निरंतरता में थीं। यह बिहार में पहली गठजोड़ सरकार थी, जिसमें दो उप-मुख्यमंत्री थे, जो दोनों ही भाजपा से थे। और कार्यकाल के बीच में ही जब नीतीश कुमार ने भाजपा का साथ छोड़कर, राजद के साथ गठबंधन सरकार बनाई, वह सरकार तो कुछ महीने ही चली और उसके बाद नीतीश कुमार एक बार फिर पल्टी मारकर भाजपा के साथ गठजोड़ में पहुंच भी गए, लेकिन उसके बाद सिर्फ नीतीश कुमार के प्रति भाजपा का अविश्वास ही नहीं बढ़ा था, गठजोड़ सरकार में ताकतों का संतुलन भाजपा ने अपने पक्ष में और भी झुका लिया था। इसके बावजूद, चार महीने पहले विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत के फौरन बाद, बहुतेरे अनुमानों के विपरीत भाजपा ने मुख्यमंत्री पद पर अधिकार की मांग तो नहीं की, पर उसने सरकार में ताकत का संतुलन और ज्यादा अपने पक्ष में झुका लिया। इसमें विधानसभा के स्पीकर का पद हासिल करने का विशेष रूप से रणनीतिक महत्व था। और अब चार महीने बाद ही भाजपा ने, मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए अपना दांव चल दिया है। फिर भी यह सिर्फ नीतीश कुमार की बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में, बीस साल लंबी पारी के अंतत: खत्म होने का ही मामला नहीं है। यह इसका भी मामला नहीं है कि बिहार में मुख्यमंत्री पद जदयू के हाथ से निकलकर, अब भाजपा के हाथ में पहुंच गया है। यह उस दिलचस्प और मारक पैटर्न का हिस्सा है, जो हर जगह क्षेत्रीय पार्टियों के साथ भाजपा के रिश्तों में देखने को मिलता है। जिन राज्यों में मुख्य राजनीतिक विभाजन, कांग्रेस और उसके विरोध में सामने आयी क्षेत्रीय पार्टियों के बीच रहा है, उन राज्यों में पांव जमाने के लिए भाजपा, पहले जूनियर पार्टनर के तौर पर इन क्षेत्रीय पार्टियों के साथ गठजोड़ करती है। उसके बाद, ऐसे हरेक मामले में अरब और उसके ऊंट वाले किस्से को दोहराया गया है, जिसमें ऊंट सर्दी के बचने के लिए थोड़ा-थोड़ा कर के तंबू में घुसने की इजाजत मांगता है और होते-होते होता यह है कि ऊंट तंबू में और अरब तंबू के बाहर। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल, असम में असम गण परिषद, जम्मू-कश्मीर में पीडीपी, महाराष्ट्र में शिव सेना का यही अनुभव रहा है, जो अब बिहार में भी दोहराया जा रहा है। हां! यह खेल हमेशा समान रूप से कामयाब ही रहा हो, ऐसा भी नहीं है। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में, ये तजुर्बे संघ-भाजपा के लिए कहीं मुश्किल साबित हुए हैं। फिर भी कुल मिलाकर, पैटर्न यही है कि क्षेत्रीय दलों के साथ गठजोड़ कर के सत्ता तक पहुंच बनाने के बाद, संघ-भाजपा जोड़ी अपने क्षेत्रीय सहयोगियों के ही आधार को हड़प कर जाती है और सहयोगी पार्टियों को निगल ही जाती है या उन्हें पूरी तरह से पंगु बनाकर छोड़ देती है। हैरानी की बात नहीं होगी कि नीतीश कुमार की विदाई बाद, संघ-भाजपा जोड़ी विभिन्न तरीकों से जदयू को भी इसी रास्ते पर लगा दे। लेकिन, किसी एकाधिकारी प्रकृति की, वास्तव में फासीवादी प्रकृति की राजनीतिक पार्टी से और उम्मीद भी क्या की जा सकती है, जहां गठबंधन का आधार ही किसी न किसी तरह सत्ता में हिस्सा हासिल करना होता है, न कि सहयोगी पार्टियों के साथ जनहित के किसी साझा कार्यक्रम को पूरा करना। इन तमाम वर्षों में हमारे देश में वामपंथी पार्टियों के नेतृत्व वाले गठबंधन ही बाद वाली प्रकृति के गठबंधन साबित हुए हैं, जो सहयोगियों के आधार की कीमत पर अपना विस्तार करने की नहीं, सहयोगियों के साथ मिलकर साझा आधार को बढ़ाने की रणनीति पर चलते हैं। इसीलिए, वामपंथी नेतृत्ववाले गठबंधन ज्यादा मजबूत तथा सदाबहार साबित होते हैं, जबकि भाजपा के गठबंधन %यूज एंड थ्रो% और %यूज एंड डाइजेस्ट% के ही उदाहरण साबित हुए हैं। नीतीश कुमार जिस सत्ता को अपने बेटे को उत्तराधिकार में सौंपने के लिए, शाह प्रायोजित संक्रमण योजना के साझीदार बने हैं, वह सत्ता पूरी तरह संघ-भाजपा के कब्जे में आने में अब शायद ज्यादा समय नहीं लगेगा।

नेकी कर दरिया में डाल

पीके खुराना

जब भी अवसर आए, हम नेकी करें, मुस्कुराएं, और उसे दरिया में डाल दें, क्योंकि जो दरिया में डाल दिया जाता है, वही वास्तव में अमर हो जाता है। अंतत: 'नेकी कर दरिया में डाल' जीवन को जीने की एक ऐसी कला सिखाता है, जिसमें हाथ खुले रहते हैं और मन खाली। जब हम यह सीख लेते हैं कि अच्छा करके पीछे मुडक़र नहीं देखना है, तब जीवन में एक गहरी शांति उतरती है। तब न किसी ने हमें पहचाना या नहीं पहचाना, यह प्रश्न अर्थहीन हो जाता है। तब हम अच्छे इसलिए नहीं होते कि संसार हमें स्वीकार करे, बल्कि इसलिए कि हम स्वयं अपने भीतर अस्वीकार के बोझ को ढोना नहीं चाहते। नेकी स्मृति से मुक्त होकर जब स्वभाव बन जाती है, तब मनुष्य भीतर से सरल, हल्का और पारदर्शी हो जाता है। ऐसा मनुष्य ही वास्तव में स्वतंत्र होता है, प्रशंसा से भी, निंदा से भी। वह जान लेता है कि जीवन का सौंदर्य संग्रह में नहीं, प्रवाह में है। जो बहने देता है, वही निर्मल रहता है। इसलिए हम नेकी करें, उसे थामें नहीं, उसे याद रखें नहीं, उसे अपना कहें नहीं। बस करें, और दरिया में डाल दें भारतीय जीवन-दर्शन का एक अत्यंत सरल, किंतु गहन सूत्र है- 'नेकी कर दरिया में डाल।' यह केवल एक कहावत नहीं, बल्कि आत्म-साधना का मौन विधान है। यह वाक्य मनुष्य को यह सिखाता है कि शुभ कर्म का मूल्य उसकी घोषणा में नहीं, उसकी निःस्वार्थता में है। जब नेकी का बोझ 'मैंने किया' के अहंकार से मुक्त होकर चेतना में विलीन हो जाता है, तभी वह वास्तव में पुण्य बनता है। नेकी कोई लेन-देन नहीं, नेकी कोई सौदा नहीं, नेकी तो वह मौन प्रार्थना है जो बिना शब्दों के ईश्वर तक पहुंच जाती है। आज का मनुष्य हर कर्म के साथ रसीद चाहता है, कभी प्रशंसा की, कभी मान-सम्मान की, कभी सोशल मीडिया की तालियों की। परंतु नेकी की शर्त यही है कि वह बिना रसीद के की जाए। जैसे नदी अपना जल खेतों को देती है, प्यासों को तृप्त करती है, पर किसी से यह नहीं पूछती कि तू मुझे याद रखेगा या नहीं। जहां अहंकार प्रवेश करता है, वहीं नेकी का स्वरूप बदल जाता है। अहंकार कहता है कि देखो, मैंने क्या किया, जबकि नेकी कहती है कि भूल जाओ, मैंने क्या किया। जब किसी को दिया गया दान, किया गया उपकार, या निभाया गया धर्म, यदि स्मृति में टिक जाए, तो वह धीरे-धीरे अहंकार का पोषण करने लगता है, और अहंकार, चाहे वह कितनी ही अच्छी पोशाक क्यों न पहन ले, अंतत: आत्मा को भारी कर देता है। दरिया में डालने का अर्थ ही यही है कि कर्म को स्मृति से मुक्त कर देना। नेकी को अपेक्षा से मुक्त कर देना, और स्वयं को कर्तापन के बोझ से मुक्त कर देना। सच्ची नेकी प्राय: गुप्त होती है। जैसे बीज मिट्टी में दबकर अंकुर बनता है, वैसे ही गुप्त नेकी आत्मा में दबकर विवेक बन जाती है। जो नेकी प्रचार चाहती है, वह बाहर से चमकदार होती है, जो नेकी मौन होती है, वह भीतर से उजास भर देती है। संतों ने कहा है कि जिसे धन्यवाद की प्रतीक्षा हो, वह नेकी नहीं, निवेश कर रहा है, और जो बिना धन्यवाद के भी प्रसन्न रहे, वही वास्तव में धर्म के पथ पर है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि नेकी दरिया में डाल दी, तो उसका फल कैसे मिलेगा? यहां भारतीय दर्शन का सूक्ष्म सत्य प्रकट होता है। कर्मफल कोई बैंक खाता नहीं, जहां जमा-निकासी दिखाई दे। कर्मफल चेतना का संस्कार है। नेकी जब अपेक्षा रहित होती है, तो वह मन को हल्का करती है, दृष्टि को करुणामय बनाती है, और जीवन को सहज प्रवाह में ले जाती है। दरिया में डाली गई नेकी अंतत: लौटकर सामने आती है, क्योंकि वही दरिया बादलों को जन्म देता है, और वही बादल फिर से अमृत-वर्षा बनकर बरसते हैं। इसका अर्थ यह है कि नेकी वापस आती है, पर अक्सर रूप बदल कर। पर यह तभी संभव है जब हम नेकी करके उसे भूल जाएं। हम भूल गए तो परमात्मा ने याद रख लिया। कर्मों का संविधान ऐसा ही है। हमने कर्म किया, किसी का भला कर दिया, किसी की सहायता कर दी, किसी का मार्गदर्शन कर दिया, किसी के निराश जीवन में आशा का संचार कर दिया, किसी के जीवन में विश्वास भर दिया, या आस्था भर दी, और उसके लिए कैमरे साथ नहीं लिए, सोशल मीडिया पर प्रचार नहीं किया, लोगों को बार-बार नहीं बताया, तो वह नेकी पूजा हो गई, और अगर हम उसका ढिंढोरा पीटते रहे तो वह नेकी प्रचार हो गई। नेकी तो की, पर नीयत का फर्क रह गया। नेकी के साथ नेकनीयती भी जरूरी है, नेकी तभी नेकी है जब उसके साथ प्रचार न हो, नेकनीयत हो। आज का युग प्रदर्शन का युग है। सहायता भी तस्वीर के साथ होती है, सेवा भी पोस्ट के साथ। ऐसे समय में 'नेकी कर दरिया में डाल' एक क्रांतिकारी विचार बन जाता है। यह हमें सिखाता है कि हर अच्छा काम दिखाने के लिए नहीं होता, कुछ अच्छे काम केवल होने के लिए होते हैं। जब हम किसी को क्षमा करते हैं और किसी को पता नहीं चलता, वह नेकी है। जब हम किसी को सहारा देते हैं और नाम नहीं बताते, वह नेकी है। जब हम सत्य पर टिके रहते हैं, भले ही लाभ न मिले, वह नेकी है। आध्यात्मिक दृष्टि से नेकी आत्मा की स्वाभाविक अवस्था है। जैसे दीपक का धर्म है प्रकाश देना, वैसे ही आत्मा का धर्म है करुणा बरसाना। जब आत्मा अपने स्वभाव में स्थित होती है, तब नेकी कोई प्रयास नहीं रहती, वह स्वत: घटित होती है। सिद्ध परंपरा कहती है कि जब कर्ता मिटता है, तभी करुणा जन्म लेती है और जब करुणा जन्म लेती है, तभी नेकी दरिया बन जाती है। 'नेकी कर दरिया में डाल' अंतत: एक मौन संकल्प है कि मैं अच्छा इसलिए नहीं करूंगा कि लोग मुझे अच्छा कहें, बल्कि इसलिए करूंगा क्योंकि मेरा अंतःकरण मुझे ऐसा करने को कहता है। यह संकल्प मनुष्य को हल्का करता है, जीवन को सरल करता है, और मृत्यु को भी निर्भय बना देता है। नेकी कोई उपलब्धि नहीं, नेकी कोई पदक नहीं, नेकी कोई पहचान नहीं, नेकी तो आत्मा की सुगंध है।

उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बाराबंकी में क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में की सहभागिता

➲ बाराबंकी में अयोध्या और देवीपाटन मंडल के आलू कृषकों व हितधारकों, शीतगृह स्वामियों के साथ मंत्री ने किया संवाद ➲ आलू किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

बाराबंकी/लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि आलू उत्पादक किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है और इसके लिए विपणन के नए अवसरों का लाभ उठाना जरूरी है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे अपने आलू को अन्य राज्यों जैसे ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भेजकर बेहतर कीमत प्राप्त कर सकते हैं। बुधवार को अयोध्या और देवीपाटन मंडल के आलू कृषकों व हितधारकों के साथ क्रेता-विक्रेता सम्मेलन गांधी सभागार, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, बाराबंकी में आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने की और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने किसानों, शीतगृह स्वामियों और उद्यमियों के साथ संवाद करते हुए आलू के उत्पादन, भंडारण और विपणन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मंत्री सिंह ने कहा कि वर्तमान में आलू के विपणन की व्यापक संभावनाएं हैं और किसानों को मौजूदा बाजार दरों से घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी किसानों को आलू का अच्छा मूल्य मिलने की संभावना है। उन्होंने किसानों से बाजार की मांग के अनुसार अन्य राज्यों में भी आलू की आपूर्ति बढ़ाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान किसानों और भारतीय किसान यूनियन के प्रतिनिधियों ने आलू, मेंथा और टमाटर के अधिक उत्पादन के बावजूद भंडारण सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया। इस पर मंत्री ने खाद्य प्रसंस्करण नीति के तहत 35 प्रतिशत अनुदान का लाभ लेकर नई इकाइयां स्थापित करने के लिए उद्यमियों और किसानों को आगे आने का आह्वान किया। साथ ही मंडी परिषद में कोल्ड रूम की स्थापना की प्रक्रिया जल्द पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उद्यान मंत्री ने बताया कि प्रदेश में आगरा में आलू अनुसंधान केंद्र की स्थापना की गई है, जिससे आलू उत्पादन और अनुसंधान को नई दिशा मिल रही है। इसके अलावा बाराबंकी में पुष्प उत्पादन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर फ्लावर तथा रायबरेली के शिवगढ़ में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑफ हनी की स्थापना जैसी पहलें भी किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों और शीतगृह स्वामियों की मांग को देखते हुए लखनऊ में जल्द एक कार्यालय कक्ष भी स्थापित किया जाएगा, जहां किसानों की समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर किया जा सकेगा।

हिंद इंस्टीट्यूट चेयरपर्सन डॉ ऋचा मिश्रा ने मीडिया से की वार्ता

अटरिया सीतापुर। हिंद इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज की चेयरपर्सन डॉक्टर रिचा मिश्रा ने बुधवार को प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि बाराबंकी जनपद के सफेदाबाद स्थित हिंद इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल कॉलेज में कुछ लोग फर्जी तरीके से पैसा गबन करने का आरोप लगा रहे हैं जो सरासर गलत है जो लोग फर्जी आरोप लगा रहे हैं वह खुद बड़े अपराधी है और बल पर छूट हिंद अस्पताल सफेदाबाद को वह पहले से ही बेहतर बनाने व छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा देने के लिए खोला था वहीं क्षेत्र के मरीजों को विभिन्न प्रकार की इलाजों का लाभ देने के लिए अस्पताल का संचालन किया गया है और अब फर्जी लोग आरोप लगा रहे हैं। जो कि यह सब कुछ सरास ग़लत है जो लोग आरोप लगा रहें हैं उसको चिन्हित कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

सीएमओ डॉ सुरेश कुमार ने कसावां जयपालपुर टीकाकरण अभियान का किया औचक निरीक्षण

अटरिया सीतापुर। बुधवार को सीएमओ डॉ सुरेश कुमार ने क्षेत्र के कसावां जयपालपुर टीकाकरण अभियान का किया औचक निरीक्षण। बताते चलें कि बुधवार को सीतापुर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सुरेश कुमार ने जयपालपुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर संचालित टीकाकरण अभियान का औचक निरीक्षण करते हुए मौजूद ऐनम ज्योति रावत व आंगनबाड़ी कार्यकत्री अनीता सिंह आशा बहू कुसमा रावत को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी को समय पर टीका लगें और गर्भवती महिलाओं की जांच होती रहे।उधर कसावां के आंगनबाड़ी केंद्र पर सीएमओ ने ऐनम सोभना व आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुस्मा को दिशा निर्देश करते हुए कहा कि बच्चों का अन्नप्राशन टीकाकरण वैक्सीनेशन महिलाओं की गोदभराई और गर्भवती महिलाओं की समय पर सभी जांच की जाएं सहित दोनों आंगनबाड़ी केदो पर सीएमओ ने स्वास्थ्य संबंधी कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बिसवां के सियासी अखाड़े में महेंद्र प्रताप की 'एंट्री'-मुख्यमंत्री संग फोटो ने बढ़ाई धड़कनें

➲ भगवा खेमे में मची हलचल, क्या 2027 के लिए बिछने लगी है बिसात

सीतापुर। बिसवां विधानसभा के सियासी गलियारों में इन दिनों ठंडी हवाओं के बीच जबरदस्त गर्माहट महसूस की जा रही है। वजह है पूर्व विधायक महेंद्र प्रताप सिंह यादव की मुख्यमंत्री के साथ हुई वह मुलाकात, जिसकी एक तस्वीर ने सोशल मीडिया से लेकर चाय की अड़ियों तक आग लगा दी है। मुख्यमंत्री के आधिकारिक हैंडल से साझा की गई इस फोटो ने विरोधियों की नींद उड़ा दी है और जिले की राजनीति में कयासों का नया दौर शुरू हो गया है। लोग दबी जुबान में पूछ रहे हैं- क्या यह महज शिष्टाचार भेंट है या 2027 के महासमर की कोई गुप्त तैयारी? सियासत के माहिर खिलाड़ी जानते हैं कि इतिहास खुद को दोहराने की कोशिश कर रहा है। याद दिला दें कि 2022 के विधानसभा चुनाव में एक कथित वायरल तस्वीर ने महेंद्र प्रताप सिंह यादव का टिकट काटकर निर्मल वर्मा की झोली में डाल दिया था। उस वक्त पर्दे के पीछे हुई इस 'सर्जिकल स्ट्राइक' के पीछे एक पूर्व सांसद का हाथ बताया जाता है। इसी टीस ने 2024 के लोकसभा चुनाव में महेंद्र यादव को बसपा के हाथी पर सवार होने के लिए मजबूर किया, जहां उन्होंने करीब 97 हजार वोट बटोर कर भाजपा के गढ़ में सेंध लगा दी। सियासी पंडितों का तो साफ मानना है कि भाजपा सांसद राजेश वर्मा की हार की पटकथा इसी 'नाराजगी' ने लिखी थी। अब जब महेंद्र यादव फिर से मुख्यमंत्री के दरबार में मुस्कुराते नजर आ रहे हैं, तो बिसवां के मौजूदा सियासी समीकरणों में बेचैनी लाजिमी है। चर्चा आम है कि पूर्व विधायक एक बार फिर भाजपा के टिकट पर अपनी खोई जमीन वापस पाना चाहते हैं। क्या भाजपा नेतृत्व पुराने गिले-शिकवे भुलाकर महेंद्र यादव की 'घर वापसी' पर मुहर लगाएगा? या फिर यह मुलाकात केवल विरोधियों को मानसिक तनाव देने की एक सोची-समझी चाल है? सच जो भी हो, लेकिन इस एक तस्वीर ने बिसवां की राजनीति में जो 'धुआं' उठाया है, उसकी तपिश दूर तक महसूस की जा रही है।

साइबर ठगी की शिकार युवती को पुलिस ने वापस दिलाए दस हजार रुपये

बस्ती। ऑनलाइन ठगी का शिकार हुई एक युवती के लिए बस्ती पुलिस मददगार बनकर सामने आई। कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़िता के खाते से उड़े दस हजार रुपये वापस करा दिए। अपना खोया हुआ पैसा वापस पाकर पीड़िता के चेहरे पर खुशी लौट आई और उसने पुलिस टीम की सराहना की कोतवाली थाना क्षेत्र की निवासी दिव्या सिंह साइबर ठगी का शिकार हो गई थीं। जालसाजों ने उनके खाते से दस हजार रुपये पार कर दिए थे। पीड़िता ने इसकी शिकायत तत्काल कोतवाली पुलिस से की। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक मोती चंद ने साइबर सेल से संपर्क किया। साइबर सेल प्रभारी शुभ नारायण दुबे, आरक्षी आदर्श सिंह, अजय कुमार पाठक और महिला आरक्षी हेमा वर्मा की टीम ने तकनीकी जांच शुरू की। टीम ने उस बैंक और पेमेंट गेटवे से संपर्क साधा जहाँ पैसे ट्रांसफर हुए थे। पुलिस के सटीक समन्वय और सक्रियता के चलते ट्रांजेक्शन को बीच में ही रोककर पूरी रकम पीड़िता के बैंक खाते में वापस क्रेडिट करा दी गई। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या नजदीकी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराएं। समय पर दी गई सूचना से पैसा वापस मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

सीतापुर में मौसम का 'यू-टर्न': चिलचिलाती गर्मी के बीच सुबह की धुंध ने चौंकाया

➲ सेहत पर भारी पड़ रही करवट

सीतापुर। जनपद में पिछले कुछ दिनों से पड़ रही तेज धूप और बढ़ते तापमान के बीच आज सुबह मौसम ने अचानक करवट बदल ली। सुबह की शुरुआत कोहरे की एक सफेद चादर के साथ हुई, जिसने लोगों को मार्च के महीने में दिसंबर-जनवरी की याद दिला दी। जहां एक ओर युवाओं और सैर पर निकले लोगों ने इस सुहावने मौसम का आनंद लिया, वहीं यह बदलाव बुजुर्गों और सांस के मरीजों के लिए मुसीबत का सबब बनकर आया।

गर्मी के बीच ठंडी का अहसास

बीते कुछ दिनों से पारा 35 C से 37 C के पार जा रहा था, जिससे लोग पंखे और कूलर चलाने को मजबूर थे। लेकिन बुधवार सुबह अचानक छाई धुंध और ठंडी हवाओं ने वातावरण में सिहरन पैदा कर दी। सड़कों पर दृश्यता (Visibility) कम होने के कारण वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर धीमी गति से चलते देखा गया।

सांस के मरीजों और बुजुर्गों की बढ़ी मुश्किलें

मौसम के इस दोहरे मिजाज ने स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां बढ़ा दी हैं सांस की तकलीफ- अचानक आए इस बदलाव और हवा में मौजूद नमी (Fog) के कारण दमा और एलर्जी के मरीजों को सांस लेने में भारी कठिनाई महसूस हुई। बच्चों और बुजुर्गों पर पहरा- ठंडी और नमी के कारण अभिभावकों ने छोटे बच्चों को घरों के भीतर ही रखा। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि इस बदलते मौसम में बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि 'ठंडा-गर्म' का यह दौर निमोनिया और वायरल इन्फेक्शन का कारण बन सकता है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, वातावरण में नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण मार्च में इस तरह का कोहरा कभी-कभी देखने को मिलता है। हालांकि, सूरज चढ़ने के साथ ही यह धुंध छंट गई और फिर से तेज धूप ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऐसे मौसम में अचानक ठंडा पानी पीने या सीधे एसी से बाहर निकलने से बचें।

तंबौर में रसोई गैस के लिए हाहाकार, चूल्हे बुझे, खाली सिलेंडर लेकर सड़कों पर उतरे उपभोक्ता

➲ रमजान के पाक महीने में गैस की किल्लत ने बढ़ाई मुसीबत, घंटों कतार में लगकर भी खाली हाथ लौट रहे लोग

तंबौर सीतापुर। इलाके में इन दिनों रसोई गैस की किल्लत ने आम जनता का जीना मुहाल कर दिया है। एचपी और इंडेन जैसी प्रमुख गैस एजेंसियों पर सुबह होते ही खाली सिलेंडरों के साथ उपभोक्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ता है, लेकिन शाम ढलते ही अधिकांश लोगों के हाथ केवल निराशा ही लगती है। आलम यह है कि तंबौर एचपी गैस एजेंसी पर भारी भीड़ के कारण आए दिन अफरा-तफरी का माहौल बन रहा है। तीन-तीन दिनों से लगातार चक्कर काटने के बावजूद उपभोक्ताओं को रिफिल नहीं मिल पा रही है, जिससे घरों के चूल्हे ठंडे पड़ने की नौबत आ गई है।

खासकर रमजान के इस पाक महीने में रोजेदारों के लिए यह किल्लत दोहरी मार साबित हो रही है। स्थानीय निवासी फिजा और आजम अंसारी का कहना है कि सहरी और इफ्तारी के वक्त गैस खत्म होने से भारी परेशानी हो रही है; तीन दिनों से एजेंसी के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन हर बार स्टॉक खत्म होने की बात कहकर वापस भेज दिया जाता है। उपभोक्ता अमरेश कुमार की भी यही व्यथा है कि काम-धंधा छोड़कर घंटों लाइन में खड़े होने के बाद भी खाली सिलेंडर घर ले जाना पड़ रहा है। जनता में इस अव्यवस्था को लेकर गहरा आक्रोश है और लोग प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर, इंडेन गैस एजेंसी के संचालक सुयश श्रीवास्तव ने बताया कि आपूर्ति श्रृंखला में आए व्यवधान के कारण स्थिति गंभीर हुई है। उनके मुताबिक, करीब 12 दिनों के लंबे अंतराल के बाद गैस की गाड़ी एजेंसी पर पहुंची है, जबकि मांग का दबाव कहीं ज्यादा है। इतने दिनों का बैकलॉग होने की वजह से सप्लाई आते ही भीड़ बेकाबू हो जा रही है। सवाल यह उठता है कि आखिर इतने दिनों तक आपूर्ति क्यों बाधित रही और क्या आने वाले दिनों में यह संकट दूर होगा? फिलहाल तो तंबौर की जनता खाली सिलेंडरों के साथ अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर है।

कमलापुर चीनी मिल गेट पर मजदूरों का धरना शुरू

➲ प्रबंधन के खिलाफ तेज हुआ आंदोलन

कमलापुर/सीतापुर। कमलापुर चीनी मिल प्रबंधन द्वारा कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान न दिए जाने से नाराज भारतीय चीनी मिल मजदूर संघ ने बुधवार से चीनी मिल गेट पर धरना शुरू कर दिया। मजदूरों ने तीन दिवसीय धरने का ऐलान करते हुए प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम सिधौली और सीओ सिधौली ने हस्तक्षेप करते हुए कमलापुर थाने में मिल प्रबंधन के जीएम और मजदूर संघ के पदाधिकारियों के बीच वार्ता कराई, लेकिन बातचीत बेनतीजा रही। इसके बाद मजदूर संघ ने अपने सहयोगी संगठनों के साथ तय कार्यक्रम के अनुसार चीनी मिल गेट पर धरना शुरू कर दिया। धरने में भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष मयंक सिंह मानव, राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू, भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष उमाशंकर यादव, प्रदेश अध्यक्ष मनीष त्रिपाठी, संयुक्त किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के संयोजक पिंदर सिंह सिद्ध और भारतीय चीनी मिल मजदूर संघ के सचिव अरुण कुमार तिवारी सहित कई संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। नेताओं ने कहा कि यदि मजदूरों की मांगों को जल्द नहीं माना गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष मयंक सिंह मानव ने कहा कि मजदूरों का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रबंधन ने जल्द समाधान नहीं किया तो आंदोलन को जिले स्तर से प्रदेश स्तर तक ले जाया जाएगा। राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू ने कहा कि मजदूरों की जायज मांगों को नजरअंदाज करना अन्याय है। संगठन मजदूरों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है और जरूरत पड़ी तो बड़ा जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष उमाशंकर यादव ने कहा कि कर्मचारियों का बकाया वेतन और भविष्य निधि न देना गंभीर मामला है। जब तक मजदूरों को उनका अधिकार नहीं मिलेगा तब तक संघर्ष जारी रहेगा। प्रदेश अध्यक्ष मनीष त्रिपाठी ने कहा कि मिल प्रबंधन लगातार कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी कर रहा है। यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आंदोलन को उग्र रूप दिया जाएगा। संयुक्त किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के संयोजक पिंदर सिंह सिद्ध ने कहा कि मजदूरों की एकता से ही उनके अधिकार मिलेंगे। सभी संगठन मिलकर मजदूरों की लड़ाई लड़ेंगे। मजदूर संघ के सचिव अरुण कुमार तिवारी ने कहा कि कई बार मांगें उठाने के बावजूद प्रबंधन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिससे मजदूरों में भारी नाराजगी है। जब तक सभी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक धरना जारी रहेगा।

मजदूरों की प्रमुख मांगें

सभी पुराने कर्मचारियों को तत्काल जॉइन कराया जाए। कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान किया जाए। बकाया भविष्य निधि (पीएफ) जमा कराई जाए। बंदी के दौरान मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को नौकरी दी जाए तथा मृतक व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान किया जाए। धरना शुरू होने से चीनी मिल परिसर में हलचल तेज हो गई है। प्रशासन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

कृषि फार्म में दूरदर्शन प्रसारण किसान संगोष्ठी आयोजित

अटरिया सीतापुर। इलाके के जयपालपुर कृषि फार्म में दूरदर्शन प्रसारण किसान संगोष्ठी आयोजित हुई जिसमें किसानों को खेती करने के उपाएं बताए गए।

बताते चलें कि कृषि विभाग से जेडीए ऐके सिंह ने दूरदर्शन प्रसारण कार्यक्रम में किसानों को खेती करने के बेहतर उपाय बताए और कहा कि सब लोग अपने खेतों कि मिट्टी का परिक्षण करवाएं और खाद बीच और पानी समय सीमा बताई। डीडीए कृषि सरवन कुमार सिंह ने विशेष प्रोग्राम फसल हार्वेस्टिंग सावधानियां के साथ जैविक खेती प्राकृतिक खेती फसल विविधता की ओर विशेष प्रकाश डालते हुए फसल अवशेष प्रबंधन अनाज भंडारण के साथ वैज्ञानिक अधिकारी किशन संवाद के रूप में प्रोग्राम का संचालन किया ।इस दौरान डीएओ संजीव कुमार पीपीओ शिवशंकर कृषि वैज्ञानिक डॉ डीएस श्रीवास्तव एडीओ पंचायत एजी संतोष कुमार पवन जायसवाल ग्रामीण रामसागर यादव सनोज मिश्रा सहित सिंधौली कृषि विभाग के तमाम अधिकारी कर्मचारी व किसान उपस्थित रहे।

रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से मुलाकात

आज पूरनपुर विधानसभा के लिए केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के नेतृत्व में राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार व पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से मुलाकात की। इस दौरान पूरनपुर माधोटांडा रेलवे क्रॉसिंग पर ऊपरगामी सेतु, (ओवरब्रिज) लखनऊ से पूरनपुर होते हुए बरेली-दिल्ली-अमृतसर एक्सप्रेस व लखीमपुर वाया पूरनपुर पीलीभीत बरेली तक शटल पैसेंजर ट्रेन की मांग की।

लखीमपुर में पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी: डीएम-एसपी ने कलक्ट्रेट में की बैठक, 16 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के रहेंगे कड़े इंतजाम

➲ 14 और 15 मार्च को दो पालियों में होगी पुलिस भर्ती परीक्षा ➲ प्रत्येक पाली में शामिल होंगे 4800 परीक्षार्थी ➲ जिला संवाददाता प्रदीप कुमार वर्मा लखनऊ सुपरफास्ट

लखीमपुर खीरी। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जिले में 16 परीक्षा केंद्रों पर 14 और 15 मार्च को उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती 2025 परीक्षा दो-दो सत्रों में आयोजित होंगी। प्रथम पाली 10 बजे से मध्यान्ह 12 तक एवं दूसरी पाली अपराह्न 03 से शाम 05 बजे तक होगी। परीक्षा के प्रत्येक सत्र में 4800 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी, सुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी डॉ ख्याति गर्ग ने कलेक्ट्रेट में बैठक ली। बैठक का संचालन एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने नोडल अधिकारी (पुलिस), नोडल अधिकारी (प्रशासन), समस्त स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक व सहायक केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि परीक्षा की जो नियम-शर्तें हैं,उनके अनुरूप ही परीक्षा कराएं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर छोटी से छोटी गलती भी अक्षम्य होगी। सभी सम्बन्धित बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का भलि-भांति अध्ययन कर सकुशल परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाय। उन्होनें केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार केन्द्र की व्यवस्था समय से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। डीएम ने स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि अपने-अपने केन्द्र पर भ्रमणशील रहकर केन्द्र पर स्थापित सीसीटीवी कैमरा, कन्ट्रोल रूम से परीक्षा केन्द्र के सभी कक्षों का मानीटरिंग भी करते रहे। डीएम ने निर्देश दिए कि उप्र पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा सकुशल एवं पारदर्शी तथा नकल विहीन परीक्षा सम्पन्न कराये जाने हेतु दिये गये निर्देशों का परीक्षा डियूटी में नामित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण द्वारा अक्षरशः अनुपालन करेंगे। एसपी डॉ ख्याति गर्ग ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि परीक्षा की अवधि में भ्रामक खबरों पर अंकुश लगाये जाने के लिए सोशल मीडिया पर भी सर्तक निगरानी रखी जायेगी। एएसपी पवन गौतम ने परीक्षा के संबंध में जरूरी जानकारी देकर उनकी सभी शंकाओं का समाधान किया। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, सहायक केंद्र व्यवस्थापक के विस्तार से कार्य दायित्व समझाएं। उन्होंने परीक्षा के सभी कायदे कानून को रेखांकित किया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी (पुलिस), नोडल अधिकारी (प्रशासन), समस्त स्टेटिक मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ कोषाधिकारी, सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, केंद्र प्रभारी पुलिस, जनपदीय कंट्रोल रूम प्रभारी एवं कार्यदाई संस्थाओ के जिला स्तरीय प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अखिलेश यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी से की मुलाक़ात

❑ पूज्यनीय शंकराचार्य जी का आर्शीवाद मिलने से नकली संतों का हो जायेगा अंत- अखिलेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को लखनऊ में ज्योतिर्मठ बद्रिकाश्रम के पूज्यनीय शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती जी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। पूज्यनीय शंकराचार्य जी से मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि आज मैंने पूज्यनीय शंकराचार्य जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। कोई भी शुभ कार्य और आगे बढ़ने का काम शुरू करने से पहले पूज्य साधु-संतों का आशीर्वाद मिल जाय तो उससे अच्छी कोई बात नहीं है। मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि पूज्यनीय शंकराचार्य जी का आशीर्वाद मिलने से नकली संतो का अंत हो जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि हर व्यक्ति में अच्छा करने की इच्छा होती है। उसके लिए पाप-पुण्य और अच्छा-बुरा के बीच लड़ाई चलती रहती है। आज हम सबके अंदर लड़ने के लिए सुदर्शन चक्र होना चाहिए जिससे जो पाप फैला हुआ है उसे हम, सब मिलकर हटाएं। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार के दौरान हम लोगों ने गाय की सेवा को लेकर कई फैसले लिए थे। गाय की सेवा के लिए आगे भी जो कुछ कर सकते हैं, वह करेंगे। समाजवादी सरकार में हमने कन्नौज में यूपी का पहला काऊ मिल्क प्लांट लगवाया था। वहां बनने वाली चीजें देशी गाय के दूध की होती, जिससे गाय की सेवा के साथ ही लोगों के बीच सम्पन्नता भी आती।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार हर अच्छी चीज के खिलाफ है। इस सरकार ने कन्नौज के काऊ मिल्क प्लांट को बंद कर दिया। कन्नौज का काऊ मिल्क प्लांट आधुनिक प्लांट था, जिसमें ट्रेटा पैकिंग में दूध और अन्य वस्तुएं मिलती। अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से लग रहा है कि उत्तर प्रदेश में सरकार ही नहीं है। लगातार घटनाएं हो रही है। मीडिया पर दबाव है कि सच्ची घटनाएं बाहर न आये। भाजपा लोकतंत्र का सत्यानाश करने वाली पार्टी है। लोकतंत्र को समाप्त कर रही है। इन दिनों जिलों-जिलों में बैठक हो रही हैं, जिसमें विधायकों का टिकट काटने की रणनीति बन रही है। अगर इन बैठकों में जिलाधिकारी शामिल हो रहें है तो इसका मतलब है कि जिलाधिकारी के ऊपर भाजपा का जिलाध्यक्ष बैठेगा। जिलाधिकारी को अपनी नेमप्लेट हटानी होगी और अपने आप को एसएसएस का प्रभारी बनाना पड़ेगा।

प्रदेश और देश में रसोई गैस संकट के लिए अखिलेश ने भाजपा सरकार को ठहराया जिम्मेदार

प्रदेश और देश में रसोई गैस संकट को लेकर केन्द्र की भाजपा सरकार को जिम्मेदार बताते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारत सरकार के गलत फैसले की वजह से लोगों को लकड़ी पर खाना बनाना पड़ रहा है। घरों में भट्ठी बनानी पड़ेगी, चूल्हें तैयार करना पड़ेगा। बाजार में इलेक्ट्रिक से चलने वाले सामान की मारामारी है। एलपीजी की कमी की पूरी जिम्मेदारी केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की है। दोनों सरकारें अपनी जिम्मेदारी से भाग रही हैं। इसीलिए यह संकट पैदा हुआ है। मुख्यमंत्री जी के गृह जनपद में गैस सिलेण्डर को लेकर मारामारी है। लोग लाइनों में लगने के लिए लड़ रहे हैं। प्रधान सांसद के क्षेत्र में लाइने लगी है। सरकार पहले से ही लोगों को लाइनों में लगवाती रही है। कभी नोटबंदी की लाइन, कभी रसोई गैस की लाइन, कभी आधार की लाइन। भाजपा की सरकार पूरी तरह से फेल है।

श्रीमती लक्ष्मी देवी जिंदल वेलफेयर ट्रस्ट ने 52 जोड़ों का कराया विवाह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

मोहनलालगंज। श्रीमती लक्ष्मी देवी जिंदल वेलफेयर ट्रस्ट सामूहिक विवाह योजना के तहत मोहनलालगंज गोपाल खेड़ा पुरसैनी में 52 जोड़ों का विवाह समारोह हुआ। श्रीमती लक्ष्मी देवी जिंदल वेलफेयर ट्रस्ट में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का धूमधाम से विवाह किया गया। आयोजक मुकेश जिंदल नशे ने कन्यादान की रस्म निभाई। मोहनलालगंज गोपाल खेड़ा पुरसैनी में बजी शहनाई 52 जोड़ों ने लिए सात फेरे श्रीमती लक्ष्मी देवी जिंदल वेलफेयर ट्रस्ट ने सामूहिक विवाह योजना के तहत मोहनलालगंज के गोपाल खेड़ा पुरसैनी के अन्नपूर्णाश्वर महादेव मंदिर में आयोजित हुए विवाह समारोह में जनप्रतिनिधियों ने भी कन्यादान व वर-वधुओं को शुभकामनाएं दी, श्रीमती लक्ष्मी देवी जिंदल वेलफेयर ट्रस्ट ने सामूहिक विवाह योजना के तहत मोहनलालगंज गोपाल खेड़ा पुरसैनी के अन्नपूर्णाश्वर महादेव मंदिर में 52 जोड़ों ने बृहस्पतिवार को अग्नि के सात फेरे लेकर विवाह के पवित्र बंधन में बंध गये। मोहनलालगंज के गोपाल खेड़ा पुरसैनी श्रीमती लक्ष्मी देवी जिंदल वेलफेयर ट्रस्ट में आकर्षक ढंग से सजे पंडाल में आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बेटियों का विवाह धूमधाम से किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए और पारंपरिक विवाह गीतों की मधुर गीत गाए गए। पुरोहितों ने मंत्रोचारण के साथ विधि-विधान से विवाह की सभी रस्में सम्पन्न कराई। लाइन से सजी वेदियों पर दुल्हा-दुल्हन बैठे और एक-एक कर विवाह की रस्में शुरू हुईं। लोकरस में सजे विवाह गीत वातावरण में गूंज उठे। वहीं स्टेज पर सांस्कृतिक कार्यक्रम चलते रहे। वर-वधू ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई। इस अवसर पर श्रीमती लक्ष्मी देवी जिंदल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा सामूहिक विवाह योजना के तहत कन्याओं को ग्रस्त जीवन के सभी उपहार स्वरूप दिया। अवसर पर श्रीमती लक्ष्मी देवी जिंदल वेलफेयर ट्रस्ट संरक्षक श्रीमती लक्ष्मी देवी जिंदल, विपिन जिंदल,सीमा,अरुण जिंदल,शिविका जिंदल, लतिका जिंदल व समस्त जिंदल परिवार समेत अन्य व वर वधू के परिजन व रिश्तेदार मौजूद थे, जब कन्यादान का समय आया तो सभी भावुक हो गए। ऐसे में वहां मौजूद लोग आगे आये और कन्यादान की रस्म निभाई।

गैस केवाईसी के लिए लंबी कतारें

● ठाकुरगंज की अजीत गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं की भीड़

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। गैस को लेकर पहले से ही उपभोक्ता परेशान हैं,वहीं अब केवाईसी की प्रक्रिया ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। ठाकुरगंज स्थित अजीत गैस एजेंसी पर केवाईसी के लिए उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखी गईं।उपभोक्ताओं का आरोप है कि वे सुबह से केवाईसी कराने के लिए लाइन में खड़े हैं, लेकिन कई लोगों का अब तक नंबर नहीं आया। केवाईसी न होने की वजह से गैस बुकिंग में भी दिक्कत आ रही है जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। वहीं अजीत गैस एजेंसी के कर्मचारियों का कहना है कि सर्वर की समस्या के कारण केवाईसी प्रक्रिया धीमी हो गई थी। हालांकि उपभोक्ताओं की परेशानी को देखते हुए एजेंसी ने अपने कार्यालय के साथ-साथ कर्मचारियों को मोबाइल के जरिए भी केवाईसी कराने में लगाया है, ताकि प्रक्रिया तेजी से पूरी हो सके।एजेंसी का कहना है कि जिन उपभोक्ताओं की केवाईसी पूरी हो गई है उन्हें समय पर गैस सिलेंडर दिया जा रहा है और जल्द ही यह समस्या पूरी तरह दूर कर दी जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में घर में अचेत अवस्था में मिला युवक का शव,मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग ।आलमबाग कोतवाली इलाके के ओम नगर में बृहस्पतिवार को एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में अपने घर में अचेत अवस्था में पड़ा मिला। परिजन बेटे को आनन फानन में लोकबंधु अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया।अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आलमबाग इलाके के ओम नगर में सौम्य शर्मा (18) पुत्र स्व आशीष शर्मा अपनी मां संग घर में रहता था और पढ़ाई कर रहा था। बृहस्पतिवार दोपहर युवक अपने घर में अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था बेटे को ऐसी हालत में देख मां रोने बिलखने लगी तो मोहल्ले वालो ने मदद कर लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। आलमबाग इंस्पेक्टर राम बाबू सिंह ने बताया कि अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत की असली वजह स्पष्ट होगा।

डीएम ने फार्मर रजिस्ट्री के प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी

सभी किसानों को योजना से जोड़ने का अभियान तेज

जौनपुर। जनपद के सभी किसानों को फार्मर रजिस्ट्री से आच्छादित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने कलेक्ट्रेट परिसर से फार्मर रजिस्ट्री के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अभियान का उद्देश्य किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के प्रति जागरूक करना और उन्हें इससे जुड़ी सुविधाओं का लाभ दिलाना है।

जिले के सभी विकास खण्डों में किसानों को किया जाएगा जागरूक

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रचार वाहन जिले के सभी विकासखण्डों में पहुंचकर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के लाभों के बारे में जानकारी देगा।उन्होंने कहा कि भविष्य में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, धान और गेहूं की सरकारी खरीद, फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड समेत खेती से जुड़ी अधिकांश सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के आधार पर ही दिया जाएगा। इसलिए सभी किसानों के लिए फार्मर रजिस्ट्री कराना अत्यंत आवश्यक है।

जनसेवा केंद्र और मोबाइल के माध्यम से भी कर सकते हैं रजिस्ट्री

उन्होंने बताया कि किसान जनसेवा केंद्र के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री करा सकते हैं। इसके अलावा कृषि, राजस्व और पंचायत विभाग के कर्मचारी भी किसानों को रजिस्ट्री कराने में सहयोग कर रहे हैं। किसान चाहें तो अपने मोबाइल फोन पर फार्मर रजिस्ट्री का लिंक डाउनलोड कर स्वयं भी पंजीकरण कर सकते हैं।

जिले में 71 प्रतिशत से अधिक किसानों का हो चुका पंजीकरण

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रशासन के लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप जनपद में अब तक 71 प्रतिशत से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है।

अधिकारियों की मौजूदगी में शुरू हुआ अभियान

इस अवसर पर उपनिदेशक कृषि डा.बीबी द्विवेदी, उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इस अभियान से जल्द ही जिले के शतप्रतिशत किसानों को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जा सकेगा, ताकि जनपद का कोई भी पात्र किसान योजनाओं से वंचित न रह सकें।

भव्य रूप में विकसित होगा गोमती उद्गम स्थल: डॉ दिलीप अग्निहोत्री

पीलीभीत। राज्य सूचना आयुक्त डॉ दिलीप अग्निहोत्री ने पीलीभीत के माधो टांडा स्थित गोमती नदी उद्गम स्थल मंदिर में दर्शन पूजन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय चिंतन में प्रकृति को भी अध्यात्म के साथ जोड़ा गया। हमारे ऋषि युग दृष्टा थे। वह प्रकृति के संरक्षण संवर्धन के प्रति सजग है। सुरम्य प्राकृतिक वातावरण में ही मानव मात्र के लिए कल्याणकारी दर्शन और चिंतन का विकास हुआ। मां गंगा की महिमा सर्वविदित है। गोमती को गंगा जी की उप नदी माना गया। गोमती नदी का प्रदर्भाव पृथ्वी के भीतर से हुआ। यह नदी उत्तर प्रदेश के पीलीभीत स्थित माधोटांडा ग्राम के समीप स्थित गोमत ताल में आरम्भ होती है। यहां जल धारा है। यह नदी रूप में परिलक्षित नहीं होती है। करीब बीस किमी तक यह पतली जलधारा के रूप में रहती है। इसके बाद इसमें गैहाई मिलती है। लगभग सौ किमी दूर लखीमपुर खीरी में सहायक सुखेता, छोहा,कठिना तथा आंध्र छोहा नदी इस धारा में मिलती हैं। इसके साथ ही इसे पूर्ण नदी के रूप को धारण करती है। नौ सौ साठ किमी का मार्ग तय करने के बाद यह गाज़ीपुर में सैदपुर के समीप गंगा में विलय हो जाती है। राज्य सूचना आयुक्त ने कहा कि इस पूरे क्षेत्र में पर्यटन और तीर्थाटन विकास की व्यापक संभावना है। इसके दृष्टिगत सरकार ने गोमती उद्गम स्थल को भव्य रूप में विकसित करने का योजना बनाई है।

चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स के महाप्रबंधक श्री मोहित चंद्रा एवं रेलवे बोर्ड के पीईडी/ईई/डेवलपमेंट श्री पंकज शर्मा ने किया निरीक्षण

वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में आज दिनांक 11 मार्च 2026 को चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स के महाप्रबंधक श्री मोहित चंद्रा तथा रेलवे बोर्ड के पीईडी/ईई/डेवलपमेंट श्री पंकज शर्मा ने दौरा किया। इस अवसर पर बरेका के महाप्रबंधक श्री आशुतोष पंत के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। अपने दौरे के दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने बरेका की उत्पादन क्षमता और तकनीकी उत्कृष्टता का प्रत्यक्ष अवलोकन करते हुए कर्मशाला का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने लोको फ्रेम शॉप, लोको असेंबली शॉप तथा लोको टेस्ट शॉप सहित विभिन्न उत्पादन इकाइयों का भ्रमण किया और लोकोमोटिव निर्माण की आधुनिक प्रक्रियाओं, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली तथा कर्मचारियों की दक्षता को करीब से देखा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्मचारियों की कार्यकुशलता और समर्पण की सराहना की। कर्मशाला भ्रमण के उपरांत प्रशासन भवन स्थित महाप्रबंधक कॉन्फ्रेंस हॉल में महाप्रबंधक श्री आशुतोष पंत की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोको के अत्याधुनिक तकनीकी नवाचार, उत्पादन क्षमता में वृद्धि तथा गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान बरेका के वरिष्ठ अधिकारियों ने उत्पादन प्रणाली के आधुनिकीकरण और तकनीकी उन्नयन से जुड़े महत्वपूर्ण जानकारी आपस में साझा की। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री आशुतोष पंत ने पर्यावरण संरक्षण और हरित पहल को बढ़ावा देने के प्रतीक के रूप में श्री मोहित चंद्रा एवं श्री पंकज शर्मा को पौधा भेंट कर सम्मानित किया। बैठक में प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री सुशील कुमार श्रीवास्तव, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री विवेकशील, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री आलोक अग्रवाल, प्रधान वित्त सलाहकार श्री मुक्तेश मित्तल, प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री शैलेंद्र कुमार सिंह, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री देवराज कुमार मौर्य, प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरे को भारतीय रेलवे की उत्पादन इकाइयों के बीच तकनीकी सहयोग, नवाचार और गुणवत्ता उन्नयन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

चौकियां धाम जाने वाले तीन प्रमुख मार्गों का होगा चौड़ीकरण, 9.66 करोड़ रुपये की मंजूरी

संख्या- 15/2026/आई/1252376/2026/001-23-7002(099)/3/2026

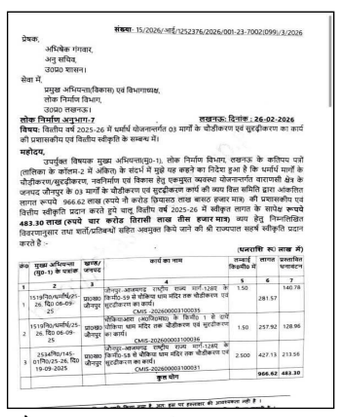

प्रेषक,
अभिषेक गंगवार,
अनु सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,
प्रमुख अभियन्ता(विकास) एवं विभागाध्यक्ष,
लोक निर्माण विभाग,
उ0प्र0 लखनऊ।

लोक निर्माण अनुभाग-7 लखनऊ: दिनांक : 26-02-2026

विषय: वित्तीय वर्ष 2025-26 में धर्मार्थ योजनान्तर्गत 03 मार्गों के चौडीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य अभियन्ता(मु0-1), लोक निर्माण विभाग, लखनऊ के कतिपय पत्रों (तालिका के कॉलम-2 में अंकित) के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि धर्मार्थ मार्गों के चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण, नवनिर्माण एवं विकास हेतु एकमुश्त व्यवस्था योजनान्तर्गत वाराणसी क्षेत्र के जनपद जौनपुर के 03 मार्गों के चौडीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की व्यय वित्त समिति द्वारा आंकलित लागत रूपये 966.62 लाख (रुपये नौ करोड छियासठ लाख बासठ हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत लागत के सापेक्ष रूपये 483.30 लाख (रुपये चार करोड तिरासी लाख तीस हजार मात्र) व्यय हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार तथा शर्तों/प्रतिबन्धों सहित अवमुक्त किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है :-

(धनराशि रू0 लाख में)

क्र0	मुख्य अभियन्ता (मु0-1) के पत्रांक	खण्ड/ जनपद	कार्य का नाम	लम्बाई कि0मी0 में	लागत	प्रस्तावित धनावंटन
1	2	3	4	5	6	7
1	1519नि0/धर्मार्थ/25-26, दि0 06-09-25	प्रा0ख0 जौनपुर	जौनपुर-आजमगढ राष्ट्रीय राज्य मार्ग-128ए के किमी0-59 से चौकिया धाम मंदिर तक चौडीकरण एवं सुदृढीकरण का कार्य। CMIS -202600003100035	1.50	281.57	140.78
2	1519नि0/धर्मार्थ/25-26, दि0 06-09-25	प्रा0ख0 जौनपुर	चौकियाआरा (अ0जि0मा0) के किमी0 1 से दायें चौकिया धाम मंदिर तक चौडीकरण एवं सुदृढीकरण का कार्य। CMIS-202600003100036	1.50	257.92	128.96
3	2534नि0/145-01नि0/25-26, दि0 19-09-2025	प्रा0ख0 जौनपुर	जौनपुर-आजमगढ राष्ट्रीय राज्य मार्ग-128ए के किमी0-58 से चौकिया धाम मंदिर तक चौडीकरण एवं सुदृढीकरण का कार्य। CMIS-202600003100031	2.500	427.13	213.56
			कुल योग		966.62	483.30

जौनपुर। जनपद में सड़क एवं धार्मिक पर्यटन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव के प्रयासों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत धर्मार्थ योजनांतर्गत तीन महत्वपूर्ण सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए कुल 9 करोड़ 66 लाख 62 हजार रुपये की प्रशासकीय और वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत कार्यों के तहत जौनपुर-आजमगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग 128ए के किलोमीटर 59 से माता शीतला चौकियां धाम मंदिर तक सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया जाएगा। इसके अलावा चौकियां से आरा मार्ग के किलोमीटर 1 तक तथा जौनपुर-आजमगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग 128ए के किलोमीटर 58 से चौकियां धाम मंदिर तक सड़क को भी चौड़ा और मजबूत किया जाएगा। इन सड़कों के चौड़ीकरण से माता शीतला चौकियां धाम मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिलेगी। साथ ही आसपास के क्षेत्रों की आवागमन व्यवस्था बेहतर होने से स्थानीय लोगों और व्यापारिक गतिविधियों को भी लाभ।

दांडी यात्रा केवल नमक कानून के विरोध का आंदोलन नहीं- डॉ. सुधीर महादेव

जन भवन से लविवि तक निकाली प्रतीकात्मक पदयात्रा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा और मार्गदर्शन में लखनऊ में ऐतिहासिक दांडी मार्च की स्मृति में एक प्रतीकात्मक पदयात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा जन भवन से शुरू हुई, जिसे विशेष कार्याधिकारी (अपर मुख्य सचिव स्तर) डॉ. सुधीर महादेव बोबडे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा से पहले जन भवन परिसर में गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पदयात्रा जन भवन से शुरू होकर हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा, खादी आश्रम और परिवर्तन चौक होते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में जाकर समाप्त हुई। यात्रा के दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों ने गांधीजी के आदर्शों को याद किया और श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. सुधीर महादेव बोबडे ने कहा कि दांडी यात्रा केवल नमक कानून के विरोध का आंदोलन नहीं था, बल्कि यह सत्य, साहस और जनशक्ति का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि गांधी जी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और आत्मनिर्भरता जैसे विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। विशेष कार्याधिकारी (शिक्षा) डॉ. पंकज एल. जानी ने कहा कि दांडी मार्च भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का महत्वपूर्ण अध्याय है, जिसने देशभर में स्वतंत्रता की चेतना जगाई। कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति अरविंद मोहन ने कहा कि दांडी आंदोलन केवल नमक कानून के खिलाफ नहीं था, बल्कि यह जनभागीदारी के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का संदेश भी देता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में गांधी जी के सिद्धांत आज भी मार्गदर्शक हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी दांडी यात्रा और गांधीजी के विचारों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय, जन भवन, खेल महाविद्यालय और अन्य संस्थानों के अधिकारी, कर्मचारी और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में प्रोफेसर अनूप कुमार भारतीय निदेशक सेंट्रल प्लेसमेंट सेल ने कहा कि 80 लोगों का हाथ और एक का साथ, यही किसी भी बड़े परिवर्तन की असली ताकत होती है। उन्होंने कहा कि जब समाज, विद्यार्थी और संस्थान मिलकर आगे बढ़ते हैं, तभी राष्ट्रनिर्माण की दिशा में सार्थक परिवर्तन संभव हो पाता है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के चीफ प्रोवोस्ट प्रो अनूप सिंह, डीन छात्र कल्याण प्रो वीके शर्मा, लूटा अध्यक्ष प्रो अनित्य गौरव, डायरेक्टर रैंकिंग प्रो गीतांजलि मिश्रा तथा छात्र-छात्राओं सहित जनभवन के कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

संपत्ति के लालच में महिला की हत्या करने वाले पति व देवर को पुलिस ने किया गया गिरफ्तार

पीलीभीत। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने तथा उनकी गिरफ्तारी के क्रम में 11.मार्च .2026 को थाना जहानाबाद पुलिस टीम द्वारा मुकदमा से सम्बन्धित अभियुक्तगण, मंशाराम पुत्र डोरी लाल (पति) नि0 ग्राम पन्सौली थाना जहानाबाद जनपद पीलीभीत,. लीलाधर उर्फ पप्पू पुत्र डोरी लाल नि0 ग्राम पन्सौली थाना जहानाबाद जनपद पीलीभीत को थाना क्षेत्र के लालपुर चौराहा से गिरफ्तार किया गया है अभियुक्तगण के विरुद्ध विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। घटना का विवरण- 07.मार्च .2026 को वादिनी ललिता देवी पत्नी बब्लू कश्यप निवासी ग्राम निगरा बहुआ मगरासा थाना भुता जनपद बरेली द्वारा शिकायत दर्ज करायी कि उनकी माता धनदेवी पत्नी मंशाराम निवासी ग्राम पंसौली थाना जहानाबाद जनपद पीलीभीत दिनांक 04.मार्च .2026 को घर से बकरी चराने गई थीं। 05.मार्च .2026 को ग्राम सुस्वार व पंसौली के बीच मठिया वाले खेत में उनकी मृत अवस्था में होने की सूचना प्राप्त हुई। पीड़ित द्वारा आरोप लगाया गया कि उनकी माता की हत्या संपत्ति के लालच में उनके दूसरे पति मंशाराम पुत्र डोरीलाल, लीलाधर उर्फ पप्पू पुत्र डोरीलाल व अन्य अज्ञात व्यक्तियों द्वारा की गई है। प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना जहानाबाद पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया, जिसमें विवेचना के दौरान धारा 3(5) बीएनएस की वृद्धि की गई है।

शुभांगी अत्रे

पीयूष का जाना मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था, थिएटर में उनके लिए सीट रिजर्व रखूंगी

श भ ा भ ी जी घर पर हैश् फेम शुभांगी अ त्रे न `

नवभारत टाइम्स से बातचीत में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में खुलकर बात की। दिवंगत पति से लेकर शिल्पा शिंदे तक पर अपनी राय रखी। जानिए क्या कुछ कहा- छोटे पर्दे पर अंगूरी भाभी बनकर हंसाने-गुदगुदाने वाली शुभांगी अत्रे निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ावों से गुजरीं, मगर उन्होंने दर्शकों का मनोरंजन करना नहीं छोड़ा। पति से अलगाव, सिंगल मदर होने की चुनौतियों और फिर पति के जाने की पीड़ा के बीच उन्होंने कलाकार होने का धर्म हमेशा निभाया। दस सालों तक भाबी जी घर हैं, से जुड़ी रहने वाली शुभांगी की जगह आज भले शिल्पा शिंदे ने वापसी की है, मगर शुभांगी को कोई शिकवा नहीं है। वे इसी शो पर आधारित फिल्म भाबीजी घर पर हैंरू फन ऑन द रन से चर्चा में हैं। उनसे एक खास बातचीत। मेरा वो क्रेजी फैन घर तक आ पहुंचा सभी जानते हैं कि अंगूरी भाबी का बहुत बड़ा फैन बेस हैं। शुंभागी ने अपने फैंस के बारे में बताया, श्हमने इस फिल्म की शूटिंग देहरादून और मसूरी में की, तो ऋषिकेश पास में ही है। मैं महाकाल की बहुत बड़ी भक्त हूं। हिमालय में जाकर मुझे एक अलग तरह की शांति मिलती है। हम एक दिन जब शूटिंग नहीं कर रहे थे, तो हम ऋषिकेश चले गए और वहां गंगा घाट पर जो परमार्थ मंदिर है, हम जब उसके दर्शन करने गए, तो इतनी ज्यादा भीड़ इकट्ठी हो गई कि मैं क्या कहूं? उस वक्त मेरे फैन्स ने मुझ पर खूब प्यार लुटाया। यों तो मेरे कई क्रेजी फैन्स हैं , मगर एक फैन का मैं जरूर जिक्र करना चाहूंगी, जो घर तक आ गए थे। पहले तो मैं बहुत डर गई थी, मगर फिर समझ आया कि वो मेरे प्रशंसक हैं। हुआ ये कि वो मेरे लिए ढ़ेर सारे गिफ्ट्स के साथ, प्रसाद और काला धागा लेकर आए। उन्होंने ये भी कहा कि मैम आपकी पर्सनल जिंदगी में पिछले कुछ सालों से कई उतार-चढ़ाव आए, मगर इसके बावजूद आप लोगों को हंसा रही थीं। उन्होंने मेरे लिए एक खत भी लिखा था। असल में वो समझ गए थे कि अपनी निजी जिंदगी में मैं कई चीजों से लड़ रही थी। उस दिन मैं उनके प्रेम से बहुत भावुक हो गई थी।श् थिएटर में एक सीट अपने दिवंगत पति के लिए रिजर्व रखूंगी अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर का जिक्र करते हुए वे कहती हैं, शिपछले तीन -चार साल मेरे लिए काफी टफ रहे। मैं बहुत प्राइवेट पर्सन रही हूं। मेरा बहुत बड़ा सर्कल नहीं है, मैं पार्टियों की शौकीन नहीं हूं। मेरे लिए मेरा घर और काम सबसे अहम रहा है, तो वो जो सेपरेशन (पति से अलगाव) वाला समय था, वो बहुत मुश्किल था। पिछले साल जब पीयूष (उनके पति) चल बसे, तो वो मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था। (कहते-कहते वे रो पड़ती हैं) मगर मुझे यकीन है कि वे मुझे और आशी (उनकी बेटी) को आशीर्वाद देते रहेंगे। मैं पीयूष को अपनी खुशनुमा यादों में रखना चाहती हूं। हाल ही में मैं भोपाल जाऊंगी अपने मम्मी-पापा के साथ फिल्म देखने, तो एक सीट पीयूष के लिए रिजर्व रखूंगी, क्योंकि मेरे दिवंगत पति ने एक्ट्रेस बनने में मुझे बहुत सपोर्ट किया। ये मेरा खुद से वादा है कि एक सीट उनके लिए मेरी बगल में जरूर होगी।श् मेरी बेटी मेरे लिए वरदान है अपनी बीस साल की बेटी आशी के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में वे कहती हैं, श्आज लगता है कि यंग मदर बनने के कई फायदे हैं। पहले लगता था कि ये मैं कितनी जल्दी मां बन गई, मगर अब मदरहुड खूब इंजॉय करती हूं। काम करते - करते मुझे काफी चोटें लगती रहती है, तो मेरी बेटी कल ही मुझसे कह रही थी कि मम्मा आप अभी खुद ही टॉडलर हैं। इस बार जब यूएस जा रही थी अपनी पढ़ाई के लिए, तो उसकी एक ही फिक्र थी कि मैं अपना ध्यान रखूं। वो मुझे टिप्स देती रहती है कि मैं थोड़ा सोशलाइज करूं। सच कहूं, बेटियां वरदान होती हैं।श् दर्शक मेरी तरह शिल्पा को भी प्यार दें तकरीबन दस साल तक भाबी जी घर पर है मैं अंगूरी भाबी के रूप में लोगों का दिल जीतने के बाद शो से अलग होना कितना मुश्किल था? इस पर वे बोलीं, श्मेरे लिए इमोशनल था बहुत, बिलकुल भी आसान नहीं था। मुझे याद है। सीरियल सेट पर जो मंदिर है, जहां मैं रोज पूजा किया करती थी। आखिरी दिन मैं उस मंदिर में नतमस्तक होकर रो पड़ी थी। आप जब दस साल तक एक शो से जुड़े रहते हैं, तो खिड़की-दरवाजे, पेड़-पौधों, सभी से आपको प्यार हो जाता है। मेरे लिए शो से अलग होना बहुत मुश्किल था, मगर मैंने दिल को यही समझाया कि जिंदगी कभी एक जैसी नहीं रहती। आप कहीं से निकलते हैं और फिर कहीं पर कुछ नया एक्सप्लोर करते हैं। सेट पर आखिरी दिन मैंने सभी को जलेबी खिलाई।श् शुभांगी के शो से अलग होने के बाद शिल्पा शिंदे की सीरियल में वापसी हुई है। शुभांगी और शिल्पा के बीच लगातार कंपेरिजन हो रहा है। इस पर शुभांगी कहती हैं, श्इस शो जैसे आइकॉनिक शो बहुत कम बनते हैं। मैं तो दर्शकों से यही कहूंगी कि जितना प्यार आपने सीजन वन को दिया, टू को भी दें। किरदार कलाकार से बड़ा होता है। जब तक मैं थी, मैंने अपनी पूरी ईमानदारी और शिद्दत से इस किरदार को अदा किया है। मुझे इस शो के रूप में एक न्यू बॉर्न बेबी मिला था। उसे पाल-पोस कर मैंने दस साल का किया। मैं उसे शिल्पा को लौटा रही हूं। शिल्पा भी इसे उसी प्यार-दुलार से बड़ा करे। दर्शक भी उन्हें और पूरी टीम को प्यार दें।श् रवि किशन जी सेट पर सभी की टांग खींचते थे फिल्म में रवि किशन मूल शो की कास्ट से हट कर एक नए एडिशन के रूप में नजर आए। उनके साथ काम करने के अनुभव को लेकर उनका कहना है, श्रवि जी की सबसे अच्छी बात थी कि वो बहुत एफर्टलेस अभिनय करते हैं। बहुत सारे कलाकार मेथड एक्टिंग में बिलीव करते हैं, मगर रवि जी स्विच ऑन स्विच ऑफ अभिनेता हैं। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। सेट पर वे मस्ती-मजाक का माहौल बनाए रखते थे। वे हम सभी की टांग खींचते थे। उनके साथ बहुत मजा आया। मैं आगे भी उनके साथ काम करना चाहूंगी।श

कटरीना कैफ मां बनने के बाद पहली बार पब्लिकली नजर आई हैं। एक्ट्रेस ने 7 नवंबर 2025 को बेटे को जन्म दिया था, इसके बाद से ही वो कहीं भी स्पॉट नहीं हुई हैं। लंबे समय बाद एक्ट्रेस पब्लिकली आईं, हालांकि इस दौरान उन्होंने मास्क से अपना चेहरा छिपा रखा था। मंगलवार को कटरीना कैफ को सेलिब्रिटी पिलाटे ट्रेनर यासमिन कराचीवाला के साथ स्पॉट किया गया है। इस दौरान उन्होंने व्हाइट टी-शर्ट के साथ ब्लैक जैकेट पहन रखी थी। बंधें बालों में एक्ट्रेस ने ब्लैक मास्क से चेहरा छिपाया हुआ था। सामने आए वीडियो में एक्ट्रेस का वजन काफी बढ़ा हुआ लग रहा है। स्पॉटिंग के दौरान एक्ट्रेस ने मेकअप नहीं किया था। अचानक हुई स्पॉटिंग के बाद एक्ट्रेस कैमरों से बचती नजर आईं, हालांकि बाद में उन्होंने पैपराजी को वेव किया। विक्की कौशल ने कटरीना को कहा सुपरहीरो हाल ही में विक्की कौशल ने ई-टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कटरीना कैफ के मदरहुड फेज पर बात की है। उन्होंने कहा- 卐मां ही असली सुपरहीरो है। उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान एक योद्धा की तरह मजबूती दिखाई है, और मां बनने के बाद भी वह उतनी ही मजबूत रही हैं। मुझे उन पर बेहद गर्व है, और मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं।卐 7 नवंबर को दिया बेटे को जन्म, नाम रखा विहान कटरीना कैफ ने 7 नवंबर को बेटे को जन्म दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए लिखा था, हमारी खुशियों का पिटारा आ गया है। बहुत सारे प्यार आभार के साथ हम अपने बेटे का स्वागत करते हैं। 7 नवंबर 2025। कटरीना और विक्की। बेटे के जन्म के करीब डेढ़ महीने बाद विक्की कटरीना ने बेटे के नाम की घोषणा की। उन्होंने बेटे का नाम विहान कौशल रखा है। इसकी घोषणा करते हुए कपल ने लिखा, हमारी रोशनी की किरण विहान कौशल। दुआओं का जवाब मिला। जिंदगी खूबसूरत है। हमारी दुनिया अचानक बदल गई। आभार के लिए शब्द नहीं हैं। दो सालों से फिल्मों से दूर हैं कटरीना कैफ कटरीना कैफ को आखिरी बार साल 2024 की फिल्म मैरी क्रिसमस में देखा गया है। फिल्म में उनके साथ विजय सेतुपति लीड रोल में थे। इसके बाद से ही एक्ट्रेस किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं। इस साल भी उनकी कोई फिल्म रिलीज नहीं होगी। शादी के 4 साल बाद बनीं मां कटरीना कैफ ने 9 दिसंबर 2021 में एक्टर विक्की कौशल से शादी की थी। दोनों की पहली मुलाकात एक अवॉर्ड शो में हुई थी, जिसके बाद दोनों चंद मुलाकातों के बाद रिलेशनशिप में आ गए थे। कपल ने हिंदू रीति-रिवाजों से राजस्थान के सवई माधौपुर के सिक्स सेंस रिसोर्ट में शादी की है।

अनिल कपूर 69 साल की उम्र में भी बॉलीवुड के सबसे एनर्जेटिक स्टार्स में से एक माने जाते हैं. उनकी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और एजलेस लुक्स के लिए फैंस उन्हें बेहद पसंद करते हैं. एक्टर चार दशकों से ज्यादा समय से फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और इस दौरान न केवल उन्होंने ब्लॉकबस्टर फिल्में देकर दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है बल्कि खूब कमाई भी की है. चलिए यहां आज अनिल कपूर की दौलत के बारे में जानते हैं, साथ ही ये भी जानेंगे कि एक्टर कहां-कहां से कमाई करते हैं ? कितनी है अनिल कपूर की नेटवर्थ? सेलिब्रिटी नेट वर्थ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अनिल कपूर की अनुमानित नेट वर्थ लगभग 40 मिलियन यानी 330 करोड़ रुपये है. नकी दौलत एक्टिंग, फिल्म प्रोडक्शन, ब्रांड एंडोर्समेंट, टेलीविजन प्रोजेक्ट्स और इन्वेस्टमेंट से आती है. इतने सालों में, उन्होंने अपने असरदार रोल्स से न सिर्फ एक बड़ा फैन बेस बनाया है, बल्कि 69 की उम्र में रेगुलर इनकम भी की है. वे अपने प्रोडक्शन बैनर, अनिल कपूर फिल्म्स एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क के जरिए भी खूब कमाई करते हैं. अनिल कपूर हर महीने कितना कमाते हैं? अनिल कपूर देश के सबसे ज्यादा टैक्स पेयर्स में से एक हैं. जीक्यू की रिपोर्ट के मुताबिक एक्टर हर साल प्छत् 12 करोड़ कमाते हैं, जिसका मतलब है कि हर महीने लगभग 1 करोड़ रुपये की कमाई करते हैं. उन्हें हर फिल्म साइन करने के लिए लगभग 2 करोड़ रुपये फीस मिलती है. अनिल कपूर की दौलत एक लग्जरी लाइफस्टाइल को सपोर्ट करती है जिसमें मुंबई के जुहू इलाके में एक बड़ा बंगला और हाई-एंड कारों का कलेक्शन शामिल है. अनिल कपूर की एक्टिंग जर्नी अनिल कपूर ने हमारे तुम्हारे (1979) में एक छोटे से रोल से एक्टिंग में डेब्यू किया और वो सात दिन (1983) से अपने करियर में ब्रेकथ्रू पाया. उनकी कुछ सबसे पॉपुलर फिल्मों में मिस्टर इंडिया (1987), तेजाब (1988), राम लखन (1989), बेटा (1992), लाडला (1994), जुदाई (1997), और नायकरू द रियल हीरो (2001) शामिल हैं. उन्होंने 2000 और 2010 के दशक में वेलकम (2007), रेस फ्रैंचाइज और एनिमल (2023) के साथ अपने एक्टिंग करियर को फिर से शुरू किया. उन्होंने ऑस्कर जीतने वाली फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर (2008), अमेरिकन टीवी सीरीज 24 और मिशनरू इम्पॉसिबल - घोस्ट प्रोटोकॉल (2011) में भी काम किया है. अनिल कपूर अपकमिंग प्रोजेक्ट्स अनिल कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म सूबेदार से ओटीटी पर धमाल मचाने की तैयारी में हैं. ये फिल्म 5 मार्च को प्राइम वीडियो पर रिलीज रही है. इसके अलावा एक्टर की आने वाली फिल्म वेलकम टू द जंगल भी है. फैमिली और पर्सनल लाइफ अनिल कपूर का जन्म 24 दिसंबर, 1956 को मुंबई के चेंबूर में हुआ था, वह दिवंगत प्रोड्यूसर सुरिंदर कपूर के बेटे और बोनी कपूर (प्रोड्यूसर) और संजय कपूर (एक्टर) के भाई हैं. वह जाह्नवी कपूर, खुशी कपूर और अर्जुन कपूर के अंकल भी हैं. अनिल कपूर ने 1984 में सुनीता भवनानी से शादी की थी, और उनके तीन बच्चे सोनम कपूर (एक्टर), रिया कपूर (प्रोड्यूसर), और हर्षवर्धन कपूर (एक्टर) हैं.

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रांड प्री के दूसरे सीजन का आगाज, इन खिलाड़ियों पर होगी नजर

देश की राजधानी नई दिल्ली में 11 से 13 मार्च 2026 तक वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रांड प्री का दूसरा सीजन आयोजित होने जा रहा है। जिसमें भारत, रूस, नेपाल, भूटान, हांगकांग, सर्बिया, बोस्निया और मिस्र समेत आठ देशों के 250 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। इस बार भारत अपनी अब तक की सबसे बड़ी पैरा-एथलेटिक्स टीम उतारने जा रहा है। करीब 219 एथलीट अलग-अलग ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे। पैरालंपिक कमेटी ऑफइंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया के अनुसार इस आयोजन की मेजबानी मिलना विश्व पैरा खेलों में भारत के बढ़ते कद को दर्शाता है। इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार 74 स्लॉट में बांटा जाएगा। शारीरिक अक्षमता वाले एथलीटों के लिए 39, दृष्टिबाधित एथलीटों के लिए 29 और बौद्धिक अक्षमता वाले एथलीटों के लिए 6 कैटेगरी में स्लॉट हैं। वहीं भारत के इन खिलाड़ियों पर होगी नजरें सुमित अंतिल (जेवलिन थ्रो थ्64) मरियप्पन थंगवेलु (हाई जंप ज्42) प्रवीण कुमार (हाई जंप ज्64) प्रीति पाल (100 मीटर व 200 मीटर ज्35) सिमरन शर्मा (100 मीटर ज्12) इसके अलावा कई विदेशी दिग्गज भी कड़ी चुनौती पेश करेंगे। सर्बिया के जेल्को दिमित्रिजेविच अपनी श्रेणी (थ्15 क्लब थ्रो) के विश्व रिकॉर्ड धारक हैं, जिन्होंने 2012 और 2016 पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीते और सर्बिया के लिए पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडल विजेता बने। उन्हीं के देश के नेबोजसा ड्यूरिच ने पेरिस 2024 में शॉट पुट में 11.98 मीटर का थ्रो कर रजत पदक हासिल किया था। मिस्त्र की फातिमा सुवैद ने 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप में 200 मीटर ज्35 स्पर्धा में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल जीता था।

ईरान-इजरायल जंग का खेलों पर असर

वेस्ट एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव का असर अब खेल जगत पर भी दिखने लगा है। सुरक्षा हालातों को देखते हुए आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग2 के 6 मुकाबले फिलहाल के लिए स्थगित कर दिए हैं। हालांकि, फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था थ्थ्। ने फुटबॉल वर्ल्ड कप को रोकने से साफमना कर दिया है और टूर्नामेंट तय समय के अनुसार ही आयोजित होगा। आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 की बात करें तो मेजबान नेपाल, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात की त्रिकोणीय सीरीज 10 से 20 मार्च तक त्रिभुवन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में होनी थी। हालांकि, आयोजकों ने मौजूदा सुरक्षा स्थितियों का हवाला देते हुए मुकाबले को रोक दिया है। क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 साल 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप रोडमैप का हिस्सा है। साल 2027 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की सयुंक्त मेजबानी में वनडे वर्ल्ड कप होना है। आठ टीमों की ये लीग तीन साल तक चलेगी, जिसमें टॉप चार टीमें वर्ल्ड कप क्वालिफायर में जाएंगी। प्ब्ब् से बात करने के बाद नई सूचना इस संबंध में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफनेपाल ने अपने एक्स अकाउंट पर एक बयान जारी किया। जिसमें कहा गया है कि, आईसीसी और हिस्सा लेने वाले बोर्ड के साथ आगे की बातचीत के बाद नई तारीखें तय की जाएंगी।

टीम इंडिया ने टी20 क्रिकेट में बनाया ये महारिकॉर्ड, दूर-दूर तक नहीं कोई दूसरी टीम

टीम इंडिया का टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बोलबाला है। भारतीय टीम के पास अब तीन टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी और टीम लगातार दूसरा टी20 खिताब जीतने वाली पहली टीम बनी है। साथ ही भारतीय टीम बड़े-बड़े स्कोर बनाने का दमखम रखती है। यही कारण है कि टीम इंडिया के नाम एक महारिकॉर्ड दर्ज है। भारतीय टीम ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 200 से ज्यादा का टोटल बनाया हुआ है। दूसरे नंबर पर जो टीम है वह बहुत पीछे है। दरअसल, भारतीय टीम ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल समेत 50 बार 200 से ज्यादा आंकड़ा इस फॉर्मेट में पार किया है। इस क्रम में कोई भी टीम नहीं है जिसने टीम इंडिया के बराबर ही 200 से ज्यादा का स्कोर टी20 क्रिकेट में बनाए है। असल में इस कड़ी में जो टीम दूसरे नंबर पर उसने सिर्फ29 बार ही 200 का आंकड़ा टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पार किया है। तीसरे नंबर वाली टीम ने 28 बार ये कारनामा किया है। भारतीय टीम के बाद दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका की टीम है, जबकि तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड की टीम है।

ट्रॉफी को मंदिर ले जाने पर विवाद

कीर्ति आजाद पर गंभीर का पलटवार, कहा- ऐसे बयान उपलब्धियों का महत्व घटाते हैं

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद ट्रॉफी को हनुमान मंदिर ले जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व क्रिकेटर और टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि ट्रॉफी किसी एक धार्मिक स्थल पर नहीं जानी चाहिए थी। उनके इस बयान पर टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि ऐसे बयान खिलाड़ियों की उपलब्धि को कम करते हैं। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है और खिलाड़ियों के प्रयासों का सम्मान होना चाहिए। भारतीय टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी20 विश्वकप 2026 का खिताब अपने नाम किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुआई में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया और टी20 विश्व कप का खिताब तीसरी बार जीता। इस जीत के बाद देशभर में जश्न का माहौल देखने को मिला और खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत हुआ। विश्व कप जीतने के बाद भारतीय क्रिकेट से जुड़े कुछ प्रमुख लोग ट्रॉफी लेकर अहमदाबाद के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर पहुंचे। हालांकि, इस घटनाक्रम के बाद पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस सांसद कीर्ति आजाद ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विश्व कप की ट्रॉफी किसी एक धार्मिक स्थल पर ले जाना उचित नहीं है। इस बयान पर कीर्ति आजाद की खूब आलोचना हुई। अब भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। क्या है पूरा मामला? दरअसल, विश्व कप जीतने के बाद सूर्यकुमार और कोच गौतम गंभीर ने मंदिर जाकर पूजा अर्चना की। गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार के साथ आईसीसी अध्यक्ष जय शाह भी दिखे। तीनों ने मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की और भगवान हनुमान के समक्ष ट्रॉफी रखकर आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में मौजूद लोगों ने भी खिलाड़ियों का गर्मजोशी से तीनों का स्वागत किया और टीम इंडिया के समर्थन में नारे लगाए। तीनों ने भगवान हनुमान के चरणों में माथा टेककर देश की सफलता और टीम के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की। इसके बाद ट्रॉफी के मंदिर ले जाने को लेकर कीर्ति आजाद ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाए। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि 1983 में जब भारत ने कपिल देव की कप्तानी में विश्व कप जीता था, तब टीम में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी धर्मों के खिलाड़ी थे और उस जीत को भारत माता को समर्पित किया गया था। उन्होंने सवाल किया कि क्रिकेट ट्रॉफी को किसी एक धार्मिक स्थल पर क्यों ले जाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रॉफी 1.4 अरब भारतीयों की है, किसी एक धर्म की जीत का प्रतीक नहीं। गौतम गंभीर ने दिया करारा जवाब कीर्ति आजाद के बयान की भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान खिलाड़ियों की उपलब्धि को कम करते हैं। गंभीर ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा, श्यह सवाल तो जवाब देने लायक भी नहीं है। यह पूरे देश के लिए बहुत बड़ा क्षण है। हमें विश्वकप जीतने वाली टीम का जश्न मनाना चाहिए। ऐसे बयान सिर्फ उपलब्धि को कम करते हैं।श् उन्होंने आगे कहा कि अगर हर किसी के बयान को गंभीरता से लिया जाए तो इससे खिलाड़ियों की मेहनत का सम्मान कम हो जाएगा। श्अपने ही खिलाड़ियों को गिराने जैसाश् गंभीर ने कहा कि खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में काफी दबाव झेला है और ऐसे समय में इस तरह की टिप्पणी करना सही नहीं है।

सूर्यकुमार की टीम को 131 करोड़ रुपये!

महिला वनडे और पुरुष अंडर-19 विश्वकप विजेताओं को कितना मिला?

मुंबई। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने कई आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं, जिनमें 2025 चौंपियंस ट्रॉफी, 2025 महिला वनडे विश्व कप, 2025 महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप और 2026 पुरुष अंडर-19 विश्व कप शामिल हैं। इन सभी जीतों पर बीसीसीआई ने अलग-अलग इनामी राशि दी, लेकिन रकम में बड़ा अंतर होने के कारण फैंस सवाल भी उठा रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को अहमदाबाद में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने 96 रन से जीत हासिल की, जिसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के लिए 131 करोड़ रुपए के नकद इनाम की घोषणा कर दी है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इस राशि में 15 खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और अन्य सपोर्ट स्टाफ को शामिल किया गया है। पिछली बार से छह करोड़ ज्यादा पिछली बार की तुलना में बीसीसीआई ने इस बार नकद इनाम में छह करोड़ रुपए का इजाफा किया है। इससे पहले भारतीय पुरुष टीम ने साल 2024 में टी20 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया था। उस समय विजेता टीम को 125 करोड़ रुपए का इनाम मिला था। इतना ही नहीं फाइनल मैच जीतने के साथ भारत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से दी जाने वाली 2.34 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 21.5 करोड़ रुपए) की विजेता राशि अपने नाम की, जबकि उपविजेता न्यूजीलैंड को 1.17 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 10.75 करोड़ रुपए) मिले। भारत छह प्ब्ब् ट्रॉफीज जीत चुका 2024 से लेकर अब तक भारत छह आईसीसी ट्रॉफीज जीत चुका है। टी20 विश्वकप 2024 और 2026 के अलावा इसमें 2025 चौंपियंस ट्रॉफी, महिला वनडे विश्वकप 2025, महिला अंडर-19 टी20 विश्वकप 2025 और पुरुष अंडर-19 विश्वकप 2026 शामिल हैं। इन सभी टूर्नामेंट्स को जीतने पर बीसीसीआई ने अपना खजाना खोला है। हालांकि, राशियों में काफी अंतर देखने को मिला है। रोहित शर्मा और उनकी टीम को 2025 चौंपियंस ट्रॉफी जीतने पर बीसीसीआई ने 58 करोड़ रुपये के नकद इनाम की घोषणा की थी। वहीं, 2025 अंडर-19 महिला टी20 विश्वकप जीतने पर बीसीसीआई ने टीम को पांच करोड़ रुपये की इनामी राशि दी थी। फैंस उठा रहे सवाल बात अगर हरमनप्रीत कौर की 2025 महिला वनडे विश्वकप जीतने वाली टीम की करें तो इस टीम को विश्वकप जीतने पर बीसीसीआई ने 51 करोड़ रुपये के नकद इनाम की घोषणा की थी। वहीं, 2026 में अंडर-19 विश्वकप जीतने वाली आयुष म्हात्रे की टीम को बीसीसीआई ने 7.5 करोड़ रुपये इनाम के तौर पर दिए। हालांकि, इस अंतर पर फैंस सवाल खड़े कर रहे हैं। फैंस का पूछना है कि महिला वनडे विश्वकप जीतने वाली टीम को बीसीसीआई से मिली राशि चौंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम से कम क्यों है? वहीं, फैंस अंडर-19 विश्वकप जीतने वाली टीम की भी इनामी राशि बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। फैंस का कहना है कि महिला टीम ने पहली बार वनडे विश्वकप जीता, फिर इतनी कम राशि क्यों मिली। भारत ने 96 रन से जीता फाइनल भारत ने साल 2024 में टी20 वर्ल्ड कप खिताब रोहित शर्मा की कप्तानी में जीता था। इस बार कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में थी। भारत आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप का खिताब बरकरार रखने वाला पहला देश बन गया है। इसी के साथ भारत तीन बार आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला पहले देश बन गया है। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 255 रन बनाए। इसके जवाब में कीवी टीम 19 ओवरों में महज 159 रन पर सिमट गई।

टीम के मंदिर जाने पर ऐसा क्या बोला? ईशान और झाझरिया के बाद हरभजन ने भी लताड़ा

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप जीत के बाद टीम इंडिया के मंदिर जाकर पूजा करने पर टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने सवाल उठाए और इसे लेकर ट्वीट किया। उनके बयान पर विवाद बढ़ गया, जिस पर ईशान किशन ने प्रतिक्रिया देने से इनकार किया, जबकि देवेंद्र झाझड़िया ने इसे खिलाड़ियों की व्यक्तिगत आस्था बताया। भारत की टी20 विश्व कप 2026 जीत के बाद जहां पूरे देश में जश्न का माहौल है, वहीं टीम इंडिया के मंदिर जाने को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद और पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद के एक ट्वीट ने इस बहस को जन्म दिया, जिस पर अब खिलाड़ियों और खेल जगत से भी प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। न्यूजीलैंड को हराकर भारत बना विजेता न्यूजीलैंड को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 96 रनों से हराकर भारतीय टीम ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली टीम बन गया जिसने तीन टी20 विश्व कप जीते हैं। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल देखने को मिला। जीत के बाद हनुमान मंदिर पहुंचे भारतीय खिलाड़ी विश्व कप जीतने के बाद टीम से जुड़े कई खिलाड़ी और अधिकारी धार्मिक स्थलों पर जाकर आभार व्यक्त कर रहे हैं। इसी क्रम में आईसीसी चेयरमैन जय शाह, टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव अहमदाबाद के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर पहुंचे और वहां पूजा-अर्चना की। तीनों ने भगवान हनुमान के चरणों में माथा टेककर देश की सफलता और टीम के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की। मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं ने भी खिलाड़ियों का स्वागत किया और टीम इंडिया के समर्थन में जयकारे लगाए। कीर्ति आजाद ने खड़े किए सवाल टीम इंडिया के मंदिर जाने को लेकर कीर्ति आजाद ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाए। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि 1983 में जब भारत ने कपिल देव की कप्तानी में विश्व कप जीता था

अर्थ जगत

भारत के सबसे बड़े बिटकॉइन घोटाले में पहली गिरफ्तारी, दो भाइयों ने खेला था मुनाफे का खेल

नई दिल्ली। सीबीआई ने ₹20,000 करोड़ के गेन बिटकॉइन क्रिप्टो घोटाले में डार्विन लैब्स के सह-संस्थापक को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, डार्विन लैब्स ने उस डिजिटल ढांचे को तैयार किया था, जिस पर कथित तौर पर चल रहे गेन बिटकॉइन घोटाले की पूरी तकनीकी प्रणाली आधारित थी। आइए पूरे मामले को विस्तार से जानते हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने लगभग ₹20,000 करोड़ के बहुचर्चित गेन बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने डार्विन लैब्स के सह-संस्थापक आयुष वार्ष्णेय को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। सीबीआई के अनुसार, वार्ष्णेय इस मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल हैं। एजेंसी ने उनके खिलाफ पहले ही लुक आउट सर्कुलर (स्ब्व्) जारी कर रखा था। सोमवार को जब वह देश छोड़कर भागने की कोशिश कर रहे थे, तब मुंबई एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी होने के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इसके बाद मंगलवार को उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में क्या आया सामने? जांच एजेंसी के मुताबिक, डार्विन लैब्स ने उस डिजिटल ढांचे को तैयार किया था, जिस पर कथित तौर पर चल रहे गेन बिटकॉइन घोटाले की पूरी तकनीकी प्रणाली आधारित थी। जांच में डार्विन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड और इसके सह-संस्थापकों आयुष वार्ष्णेय, साहिल बघला और निकुंज जैन की भूमिका सामने आई है। निकुंज जैन वर्तमान में वाओमी एआई के फाउंडर और चीफ कैपिटल ऑफिसर भी हैं। सीबीआई का आरोप है कि इन लोगों ने मिलकर एमसीएपी नामक क्रिप्टो टोकन और उससे जुड़े म्ब्-20 स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट को डिजाइन और विकसित किया था, जिसका इस्तेमाल इस कथित क्रिप्टो पोंजी स्कीम में किया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि डार्विन लैब्स ने कई महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किए थे, जिनमें ळठडपदमते.बवउ नामक बिटकॉइन माइनिंग पूल प्लेटफॉर्म, बिटकॉइन पेमेंट गेटवे, कॉइन बैंक बिटकॉइन वॉलेट और गेन बिटकॉइन वेबसाइट शामिल हैं। इन प्लेटफॉर्म के जरिए निवेशकों से संपर्क और निवेश कराया जाता था। कब और कैसे हुआ पूरा घोटाला? यह घोटाला वर्ष 2015 में गेन बिटकॉइन नाम से शुरू हुआ था, जिसे कथित तौर पर वेरिएबलटेक प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर संचालित किया जा रहा था। जांच एजेंसी के मुताबिक इस योजना का मास्टरमाइंड अमित भारद्वाज (अब मृत) और उसका भाई अजय भारद्वाज थे।

यूएस में 50 साल बाद लगेगी रिफाइनरी: 300 अरब डॉलर का होगा निवेश, ट्रंप ने भारत और रिलायंस को क्यों कहा धन्यवाद?

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टेक्सास के ब्राउन्सविल पोर्ट पर नई ऑयल रिफाइनरी बनाने की घोषणा की है। लगभग 300 अरब डॉलर की इस परियोजना में भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज का भी निवेश होगा। पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध और वैश्विक ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच अमेरिका ने ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाने की घोषणा की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि देश में लगभग 50 वर्षों में पहली बार एक नई ऑयल रिफाइनरी बनाई जाएगी। यह रिफाइनरी टेक्सास के ब्राउन्सविल पोर्ट पर स्थापित की जाएगी और इसमें भारत की प्रमुख निजी ऊर्जा कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का भी बड़ा निवेश शामिल होगा। खबर लिखे जानें तक रिलायंस की तरफ से इस प्रोजेक्ट को लेकर कोई बयान नहीं साझा की गई है। ट्रंप ने अपने पोस्ट में क्या-क्या बताया? ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर इस परियोजना को अमेरिका के इतिहास के सबसे बड़े ऊर्जा सौदों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि यह लगभग 300 अरब डॉलर (करीब 25.35 लाख करोड़ रुपए) का ऐतिहासिक निवेश है, जो अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र, रोजगार और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा। ट्रंप के अनुसार, यह परियोजना अमेरिका की ऊर्जा उत्पादन क्षमता को मजबूत करेगी और घरेलू बाजार को पर्याप्त ईंधन उपलब्ध कराने में मदद करेगी। इसके साथ ही यह वैश्विक ऊर्जा निर्यात को भी बढ़ावा देगी और दक्षिण टेक्सास क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को तेज करेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से हजारों नई नौकरियां पैदा होंगी और क्षेत्र में लंबे समय से अपेक्षित औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। दुनिया की सबसे स्वच्छ रिफाइनरी होने का दावा ट्रंप ने कहा कि ब्राउन्सविल बंदरगाह पर बनने वाली यह रिफाइनरी दुनिया की सबसे 'क्लीन' यानी पर्यावरण के लिहाज से सबसे स्वच्छ रिफाइनरियों में से एक होगी। उन्होंने दावा किया कि यह अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगी, जिससे ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा और पर्यावरणीय प्रभाव को कम रखा जा सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगी और देश को ऊर्जा के मामले में अधिक आत्मनिर्भर बनाएगी। भारत और रिलायंस का किया धन्यवाद इस परियोजना की घोषणा करते हुए ट्रंप ने भारत और रिलायंस इंडस्ट्रीज का विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत के साझेदारों और उनकी सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी रिलायंस का यह निवेश अमेरिका के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ट्रंप ने अपनी सरकार की अमेरिका फर्स्ट नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि परमिट प्रक्रिया को सरल बनाने और करों में कमी जैसी नीतियों के कारण बड़े पैमाने पर निवेश अमेरिका में वापस आ रहा है। कौन बनाएगा यह रिफाइनरी? जानकारी के मुताबिक टेक्सास के ब्राउन्सविल पोर्ट पर स्थित श्अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंगश् नाम की कंपनी इस परियोजना को विकसित करेगी। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना पहले एलिमेंट फ्यूल्स द्वारा प्रस्तावित रिफाइनरी योजना से जुड़ी हो सकती है। 2024 में एलिमेंट फ्यूल्स ने घोषणा की थी कि उसने लगभग 1,60,000 बैरल प्रतिदिन क्षमता वाली रिफाइनरी के निर्माण के लिए जमीन तैयार कर ली है और जरूरी परमिट हासिल कर लिए हैं। बाद में कंपनी की वेबसाइट अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग से जुड़ गई। हालांकि इस परियोजना पर अभी तक रिलायंस इंडस्ट्रीज और अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग की ओर से औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है। एएफआर ने क्या बताया? टेक्सास के ब्राउन्सविल पोर्ट पर प्रस्तावित नई ऑयल रिफाइनरी परियोजना को लेकर कंपनी अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग (।थ्त्) ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है।

बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद म्यूचुअल फंड में बढ़ा निवेश, जानें किस ओर निवेशकों का रुख

मुंबई। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कुल 25,965 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया। यह जनवरी में आए 24,013 करोड़ रुपये के निवेश से करीब 8.2 प्रतिशत अधिक है। आइए विस्तार से जानते हैं। फरवरी महीने में म्यूचुअल फंड्स में निवेश बढ़ा है। कुल एयूएम यानी एसेट्स मैनेजमेंट बढ़कर 82 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ने उद्योग के ताजे आंकड़े पेश किए हैं। इसके अनुसार पिछले महीने में इक्विटी फंड्स में कुल निवेश 25,965 करोड़ रुपये रहा है, जो जनवरी महीने के 24,013 करोड़ रुपये के निवेश से 8.2 प्रतिशत अधिक रहा है। वहीं एयूएम की बात करें तो यह महीने के आधार पर 1.3 प्रतिशत बढ़कर 81.01 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। जानकारों का कहना फरवरी के म्यूचुअल फंड्स के आंकड़ों की सबसे विशेष बात यह है कि बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव के बावजूद भी इक्विटी में इनफ्लो बना हुआ है। निवेश उन सेगमेंट की ओर रुख कर रहे हैं, जहां गिरावट आई थी, अब उन्हें रिलेटिव वैल्यू दे रहे हैं। जबकि गोल्ड ईटीएफमें जहां जनवरी में रिकॉर्ड इनफ्लो देखा गया था, वहां नरमी आई है। निवेशकों का रुझान किस ओर? आंकड़ों से पता चलता है कि निवेशकों के रुझान में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंड्स में निवेश बढ़ा है, लेकिन हाइब्रिड फंड्स में निवेश कम हो रहा है। गोल्ड ईटीएफ को लेकर निवेशकों का उत्साह कम होता दिखाई दिया है। देखा जाए तो फरवरी में म्यूचुअल फंड डेटा से इक्विटी में लगातार निवेश और मजबूत लिक्विडिटी निवेश के साथ ईटीएफ और गोल्ड फंड में गिरावट आई है। क्या कहते हैं आंकड़े? लार्ज कैपरू लार्ज कैप फंड्स में फरवरी के महीने 2,111.7 करोड़ रुपये का निवेश आया था, जबकि जनवरी में यह निवेश 2,005 करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक रहा। मिड कैप फंड्सरू मिड कैप फंड्स में फरवरी महीने में निवेश 3185 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,003 रुपये रहा। स्मॉल कैप फंड्सरू स्मॉल कैप फंड्स में निवेश फरवरी महीने में 2,942 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,881 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेक्टरल और थीमेटिक फंड्सरू सेक्टरल और थीमेटिक फंड्स में निवेश 1,043 करोड़ रुपये बढ़कर 2,987.3 करोड़ रुपये हो गया। हाइब्रिड फंड्सरू हाइब्रिड फंड्स में निवेश मजबूत बना हुआ है, यह जनवरी में 30,682 करोड़ रुपये से बढ़कर फरवरी महीने में 17,356 करोड़ रुपये का इनफ्लो से काफी कम रहा। लिक्विड फंड्सरू लिक्विड फंड्स में निवेश मजबूत बना रहा और यह जनवरी में 30,682 करोड़ रुपये से बढ़कर फरवरी महीने में 59,077.4 करोड़ रुपये के इनफ्लो तक पहुंच गया। गोल्ड ईटीएफको लेकर निवेशकों का क्या है रुख? पिछले महीने गोल्ड ईटीएफकी बात करें तो इसमें 4,487 करोड़ रुपये का निवेश आया जबकि जनवरी में 15,006 करोड़ रुपये के इनफ्लो से काफी कम रहा है। साथ ही गोल्ड ईटीएफ को लेकर भी निवेशकों का रुझान फीका पड़ा है और जनवरी में 24,040 करोड़ रुपये के इनफ्लो की तुलना में फरवरी में यह तेजी से घटकर 5,255 करोड़ रुपये रह गया। एसआईपी पर भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा सिस्टेमेटिक इवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का योगदान 29,845 करोड़ रुपये रहा, जो सिस्टमैटिक और डिसिप्लिन्ड इन्वेस्टिंग में निवेशकों के लगातार भरोसे को दिखाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।